आज का मौसम
27.0⁰ अधिकतम तापमान
21.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.15
सूर्यास्त 05.30

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 27 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 66, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सीबीआई ने करूर भगदड़ मामले में दोबारा केस दर्ज किया

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 27 सितंबर को करूर में आयोजित रैली के दौरान हुए भगदड़ हादसे में फिर से केस दर्ज किया है। यह रैली तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी ने आयोजित की थी और इसमें 41 लोग मारे गए थे। उच्चतम न्यायालय ने तीन सदस्यीय समिति की निगरानी में सीबीआई जांच का आदेश दिया था जिसकी अध्यक्षता उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी करेंगे। मामले के दोबारा दर्ज किए जाने के बाद सीबीआई द्वारा जल्द ही इस केस में पहली गिरफ्तारी किए जाने की उम्मीद है।

दुष्कर्म के आरोपी को चप्पलों की माला पहना घुमाया, फिर मार डाला

चाईबासा (झारखंड)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला से दुष्कर्म के आरोपी 56 वर्षीय व्यक्ति को कथित तौर पर चप्पलों की माला पहनाकर इलाके में घुमाया गया और फिर पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी गई। सोनुआ थाना क्षेत्र के अंतर्गत देवमबीर गांव में शुक्रवार रात व्यक्ति अपने घर से बाहर शौच के लिए निकला था तभी यह घटना हुई। सोनुआ थाने की प्रभारी शशिबाला भेंगरा ने कहा, टेपसाई टोला निवासी साइमन तिर्की को इलाके में घुमाया गया और एक कमरे में बंद कर दिया गया तथा लाठियों से पीटा गया जिससे उसकी मौत हो गई।

युवक ने पिता से ही की 26 लाख रुपये की साइबर ठगी

नई दिल्ली। सौतेले भाई से ईर्ष्या और गुस्से में आकर एक युवक ने अपने ही पिता से 26 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी कर ली। पुलिस के अनुसार, आरोपी शिवम शर्मा ने अपने 68 वर्षीय पिता के बैंक खाते से जुड़े सिम कार्ड को चोरी किया और करीब चार महीनों तक साजिश रचकर यह धोखाधड़ी की। आजादपुर मंडी में पार्किंग ऑपरेटर रह चुके पीड़ित पिता ने खराब स्वास्थ्य और डिजिटल जानकारी कम होने की वजह से ऑनलाइन बैंकिंग की जिम्मेदारी अपने बेटे शिवम को सौंपी हुई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पारिवारिक पार्किंग कारोबार सौतेले भाई को मिलने से शिवम नाराज था।

इसरो 2 नवंबर को संचार उपग्रह करेगा प्रक्षेपित

बेंगलुरु। इसरो ने कहा कि श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 2 नवंबर को एलवीएम3 प्रक्षेपण यान के जरिए सीएमएस-03 संचार उपग्रह को प्रक्षेपित किया जाएगा। यह यान अपनी पांचवीं उड़ान (एलवीएम3-एम5) में सीएमएस-03 संचार उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने जा रहा है। सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है जिसे भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। 4,400 किग्रा वाला यह उपग्रह प्रक्षेपित होने वाला सबसे भारी संचार उपग्रह होगा।

आसियान समूह नई दिल्ली की एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ : मोदी

कहा- 21वीं सदी में दोनों की साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार

- प्रधानमंत्री ने आसियान सम्मेलन को वर्चुअली किया संबोधित
- वर्ष 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किया

कुआलालंपुर /नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भारत-आसियान वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी वैश्विक स्थिरता और वृद्धि के लिए एक शक्तिशाली आधार के रूप में उभर रही है। मोदी ने भारत-आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि यह समूह नई दिल्ली की एक्ट ईस्ट नीति का एक प्रमुख स्तंभ है।

उन्होंने कहा, भारत ने हमेशा आसियान केंद्रीयता और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान के नजरिये का पूरा समर्थन किया है। मलेशिया इस समय समूह के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में कुआलालंपुर में वार्षिक आसियान शिखर सम्मेलन और संबंधित बैठकों की मेजबानी कर रहा है। मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने अपने संबोधन में कहा कि आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) में कुछ वास्तविक प्रगति हुई है और समूह इसे इस साल तक पूरा करना चाहता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हर संकट में अपने आसियान मित्रों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है और समुद्री सुरक्षा तथा नीली अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देजनर हम 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित कर रहे हैं। मोदी ने आगे कहा, हम शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपसी सहयोग को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। हम अपनी साझा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। मोदी ने कहा, भारत और आसियान मिलकर दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम न केवल भौगोलिक रूप से समान हैं, बल्कि गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझा मूल्यों से भी बंधे हैं। उन्होंने कहा, हम वैश्विक दक्षिण में साथी हैं। हम न केवल वाणिज्यिक साझेदार हैं, बल्कि सांस्कृतिक साझेदार भी हैं। कहा कि दोनों पक्ष शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा और साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, 21वीं सदी हमारी सदी है। भारत और आसियान की सदी है। मुझे विश्वास है कि आसियान समुदाय का विजन 2045 और विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पूरी मानवता के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगा।

थाईलैंड-कंबोडिया ने शांति समझौते पर किए हस्ताक्षर

कुआलालंपुर। थाईलैंड और कंबोडिया ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने सीमा से भारी हथियार हटाने और समझौते की निगरानी के लिए एक पर्यवेक्षक दल भी गठित करने पर सहमति जताई। इस समझौते पर थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल और उनके कंबोडियाई समकक्ष हुन मानेट ने हस्ताक्षर किए। समारोह में राष्ट्रपति ट्रंप का दबदबा रहा, जिन्होंने अपने भाषण में एक बार फिर 'आठ महीनों में आठ युद्ध' समाप्त करने का दावा किया और शांति स्थापित करने का अपना काम ठीक से न करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की कड़ी आलोचना की। ट्रंप ने इस समझौते को ऐतिहासिक करार दिया जिससे 'लाखों लोगों की जान' बच सकती है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने इस समझौते को कुआलालंपुर शांति समझौता बताया।

भारत से दोस्ती की कीमत पर पाकिस्तान से रिश्ते नहीं : रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी

- अमेरिका विदेश मंत्री की पाकिस्तान को दो टूक

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि उनका देश पाकिस्तान से अपने रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने का इच्छुक तो है, लेकिन यह भारत के साथ उसके ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण संबंधों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने सोमवार को कुआलालंपुर में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ निर्धारित बैठक से पहले रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि नई दिल्ली ने पहले ही कच्चे तेल की खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसे (भारत को) यह समझना होगा कि हमें कई अलग-अलग देशों के साथ संबंध रखने हैं। हम पाकिस्तान के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को बढ़ाने का अवसर देखते हैं। कहा कि मुझे लगता है कि कूटनीति और उस तरह की चीजों के मामले में भारतीय बहुत परिपक्व हैं। उनके कुछ ऐसे देशों के साथ रिश्ते हैं जिनके साथ हमारे रिश्ते नहीं हैं। इसलिए, यह एक परिपक्व, व्यावहारिक विदेश नीति का हिस्सा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान के साथ हम जो कुछ भी कर रहे हैं, वह भारत के साथ हमारे संबंधों या मित्रता की कीमत पर है। भारत के साथ रिश्ते गहरे, ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण हैं। गत छह महीनों में अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में घनिष्ठता देखी गई है, खासकर मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ बैठक के बाद।

भारत ने ट्रंप के बार-बार के इस दावे को खारिज कर दिया कि उन्होंने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम के लिए मध्यस्थता की। पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच संघर्ष को समाप्त कराने का श्रेय अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया है।

कार्तिक पूर्णिमा पर मिनी कुंभ के रूप में सजेगा गढ़मुक्तेश्वर मेला

- मुख्यमंत्री योगी ने मेले की तैयारियों का लिया जायजा
- कहा-मेला श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता का अद्भुत संगम बने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

हापुड़ में आयोजित होने वाले गढ़ गंगा मेले से पूर्व स्थल का निरीक्षण करने के बाद पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर और अमरोहा के तिगरी में आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह मेला श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता का अद्भुत संगम बने।

मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी श्रद्धालु को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कहा कि हर वर्ष लगभग 40 से 45 लाख श्रद्धालु गढ़मुक्तेश्वर और तिगरी घाट पर गंगा स्नान व दीपदान के लिए पहुंचते हैं। इस बार 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक चलने वाले मेले को मिनी कुंभ के रूप में आयोजित करने की योजना है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। गंगा घाटों पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों की तैनाती की जाएं। साथ ही, सीसीटीवी और ड्रोन के जरिए चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाए। योगी ने कहा कि मेले को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना होगा।

एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए। घाटों पर पर्याप्त चेकर प्लेट लगाई जाएं और सिंचाई विभाग कटान क्षेत्रों में ड्रेजिंग का कार्य शीघ्र पूरा करे। उन्होंने वाहनों की पार्किंग, यातायात डायवर्जन और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

लोक गायन की स्वर लहरियां गूंजेंगी

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने गंगा पूजन किया और सदर बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय मोढ़ा निर्माण स्टोर का भी अवलोकन किया और उनकी गुणवत्ता की प्रशंसा की। कार्तिक पूर्णिमा का यह गढ़मुक्तेश्वर मेला केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा और लोक जीवन का भी उत्सव है। इस वर्ष जब लाखों दीप गंगा तट पर जलेंगे, तो गढ़ नगरी में रासलीला, कृष्णलीला और लोक गायन की स्वर लहरियां गूंजेंगी और आस्था, अध्यात्म और व्यवस्था का ऐसा संगम जो वास्तव में मिनी कुंभ की अनुभूति कराएगा।

प्रो. नार्लीकर को मरणोपरांत विज्ञान रत्न पुरस्कार

नई दिल्ली। प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत विज्ञान रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है। विज्ञान के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च सम्मान राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 के एलान के साथ ही इसकी घोषणा की गई।

इस सूची में करीब दो दर्जन वैज्ञानिकों के नाम हैं जिन्हें विज्ञान श्री, विज्ञान युवा एवं विज्ञान टीम जैसी अन्य श्रेणी के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार के विभिन्न क्षेत्रों में वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों और नवप्रवर्तकों के उत्कृष्ट और प्रेरणादायक योगदान के लिए देश का सर्वोच्च सम्मान है।

भारत सरकार की ओर से अग्रणी अनुसंधान और प्रेरक उपलब्धियों को मान्यता देने और प्रोत्साहित करने के लिए स्थापित, राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार, चार श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर विज्ञान रत्न पुरस्कार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके आजीवन उपलब्धियों और योगदान के लिए प्रदान किया गया।

छठ पूजा

देशभर में छठ महापर्व की धूम है, गंगा घाट सजकर तैयार हैं। पटना में गंगा नदी के तट पर पूजा अनुष्ठान करतीं महिलाएं।

संभल हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता शारिक साठा की गिरफ्तारी को जारी होगा रेड कॉर्नर नोटिस

कार्यालय संवाददाता, संभल

शारिक साठा

- विदेश में छिपे गैंगस्टर के खिलाफ पुलिस पहले ही लुक आउट नोटिस जारी कर चुकी है

अमृत विचार: संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा के मुख्य साजिशकर्ता विदेश में छिपे गैंगस्टर शारिक साठा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी होने के बाद अब पुलिस सीबीआई और इंटरपोल से समन्वय बनाकर रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराएगी।

संभल हिंसा की जांच में सामने आया था कि शारिक साठा ने हिंसा की साजिश रची थी। साठा ने गैंग के सदस्यों को दस से 15 पुलिसकर्मियों व अन्य लोगों की हत्या करने को कहा था ताकि हिंसा पूरे देश में फैल जाए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि साठा 24 नवंबर की हिंसा का मुख्य षड्यंत्रकारी है। उसकी संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए शनिवार को उसके संभल के दीपा सराय स्थित घर पर कुर्की का नोटिस एसआईटी ने चस्पा किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शारिक साठा विदेश में रहकर भारत में गैंग ऑपरेट करता है। 3 दशक से अपराध की दुनिया में सक्रिय शारिक साठा के खिलाफ देश भर में 60 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

8,000 स्कूलों में एक भी विद्यार्थी नहीं 20,000 से ज्यादा शिक्षक दे रहे सेवाएं

- शिक्षा मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े अधिकांश ऐसे स्कूल पश्चिम बंगाल और तेलंगाना राज्य में

नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में करीब 8,000 विद्यालयों में 2024-25 शैक्षणिक सत्र के दौरान कोई दाखिला नहीं हुआ और इनमें से सबसे अधिक विद्यालय पश्चिम बंगाल में और उसके बाद तेलंगाना में हैं। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़े से मिली। शून्य दाखिले वाले स्कूल में कुल 20,817 शिक्षक कार्यरत थे।

पश्चिम बंगाल में ऐसे शिक्षकों की संख्या 17,965 थी और बिना दाखिले वाले स्कूल की संख्या सबसे अधिक (3,812) थी। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार, 7,993 स्कूल में कोई दाखिला नहीं हुआ जो पिछले वर्ष की 12,954 की संख्या से 5,000 से अधिक कम है। इस बीच, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, असम, हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा में ऐसा कोई स्कूल नहीं था। कुछ राज्यों ने बुनियादी ढांचे और कर्मचारियों जैसे संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए कुछ विद्यालयों का विलय कर दिया है। तेलंगाना (2,245) में एक भी छात्र नहीं है।

उत्तर प्रदेश में 81 स्कूलों में नहीं छात्र

उत्तर प्रदेश में ऐसे 81 स्कूल हैं। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने घोषणा की थी कि वह राज्य भर में अपने ऐसे संबद्ध विद्यालयों की मान्यता रद्द करने की तैयारी कर रहा है, जिन्होंने पिछले तीन लगातार शैक्षणिक वर्षों से शून्य छात्र पंजीकृत दर्ज किया है। देश भर में 33 लाख से अधिक छात्र एक लाख से अधिक एकल-शिक्षक विद्यालयों में पंजीकृत हैं, आंध्र प्रदेश में इन विद्यालयों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई है। इसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। हालांकि, जब एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में छात्रों के पंजीकरण की बात आती है, तो उत्तर प्रदेश सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश का स्थान है।

पड़ताल

पृथ्वी के खतरनाक दुश्मन माने जाते हैं क्षुद्रग्रह, सौर मंडल में छिपे 2025 एससी 79 के बारे में खगोलशास्त्रियों ने जुटाई जानकारी

सबसे तेज भागने वाले दूसरे क्षुद्रग्रह की खोज

संवाददाता, नैनीताल

क्षुद्रग्रह एससी 2025 एससी 79 की तस्वीर। दाएं : पीली रेखाओं के मध्य उपस्थित।

अमृत विचार: पृथ्वी के खतरनाक दुश्मन माने जाने वाले एक ऐसे क्षुद्रग्रह की खोज खगोलविदों ने की है, जो हमारे सौर मंडल में तेज गति से भागने वाला दूसरे नबर का क्षुद्रग्रह है। खास बात यह है कि, सूर्य की तेज रोशनी के बीच इसकी खोज की गई है।

सौर मंडल में छिपे इस क्षुद्रग्रह का नाम 2025 एससी 79 है। यह क्षुद्रग्रह शुक्र की कक्षा के अंदर घूमता है और सूर्य के चारों ओर केवल 128 दिनों में चक्कर पूरा कर लेता है। इसका आकार एक गगनचुंबी इमारत के लगभग 700 मीटर का है। कार्नेगी साइंस के खगोलशास्त्री स्कॉट शेपर्ड ने 27 सितंबर को सूर्य की चमक में छिपे इस क्षुद्रग्रह को पहली बार देखा। इसकी जांच परख व पुष्टि के बाद अब इसका खुलासा किया गया है। यह एक चट्टानी क्षुद्रग्रह है। इसकी रफ्तार को लेकर इसे बेहद खतरनाक माना जा रहा है। इसकी कक्षा सूर्य के करीब होने के कारण इसे देख पाना आसान नहीं है। सूर्योदय और सूर्यास्त के दौरान ही इसे देखा जा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि भविष्य में यह क्षुद्रग्रह पृथ्वी के करीब आएगा तो गंभीर टक्कर के साथ पृथ्वी से भी टकरा सकता है। अब इसकी जांच पड़ताल शुरू हो चुकी है। जल्द ही इसकी स्पष्ट जानकारी सामने आ जाएंगी।

अमेरिकी माइनर प्लैनेट सेंटर ने इसका खुलासा किया है। वैज्ञानिक स्कॉट शेपर्ड ने ही सबसे तेज रफ्तार की गति से भागने वाले क्षुद्रग्रह को वर्ष 2021 में खोजा था जिसका नाम पीएच 27 है। यह क्षुद्रग्रह सूर्य का चक्कर केवल 113 दिनों में पूरा कर लेता है। इसका आकार लगभग एक किमी है। यह दोनों बेहद खतरनाक क्षुद्रग्रह हैं, जिनके पृथ्वी से टकराने की आशंका को लेकर खगोलविद निरंतर इनकी निगरानी कर रहे हैं।

हमारे नजदीक, इनकी निगरानी बेहद जरूरी

नैनीताल। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि पृथ्वी के नजदीकी क्षुद्रग्रहों की निगरानी बेहद जरूरी है। खोजा गया नया क्षुद्रग्रह 2025 एससी 79 भविष्य में पृथ्वी के लिए खतरनाक हो सकता है। इसका आकार काफी बड़ा है, जो धरती के बड़े हिस्से को तबाह कर सकता है। धरती के विशालकाय प्राणी डायनासोरों का खात्मा इन्हीं के जरिए हुआ था, लिहाजा इनके प्रति निगरानी बेहद जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश में नहीं चलेगा एसआईआर अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में फिलहाल गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान नहीं चलाया जाएगा। दरअसल, कुछ मुख्य चुनाव अधिकारियों ने सुझाव दिए कि जिन राज्यों में पंचायत या स्थानीय निकाय के चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां इस चरण में एसआईआर नहीं कराया जाए। इसके पीछे तर्क यह रखा गया कि दोनों ही तरह की मतदाता सूचियों के लिए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) का कॉमन होना बताया गया। इन राज्यों में इस चरण में एसआईआर कराने पर काम की अधिकता हो जाने से भी गड़बड़ियों की आशंका जताई गई। इस पर चुनाव आयोग के अधिकारियों ने भी सहमति जताई। ऐसे में विधानसभा और लोकसभा चुनाव की मतदाता सूचियों का गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान राज्य में अभी नहीं चलेगा। सूत्रों के मुताबिक, खासकर पंचायत चुनाव के मद्देनजर इस पर चुनाव आयोग में सहमति बन गई है। इस बाबत में हाल ही में दिल्ली में चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक हुई। तय हुआ है कि पहले उन पांच राज्यों में एसआईआर होगा, जहां वर्ष 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिमी बंगाल शामिल हैं। इस कड़ी में आयोग कुछ अन्य राज्यों को शामिल कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रालोद नेता ने उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने सेंट्रल मार्केट के ध्वस्तीकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया एक्स पर उन्होंने कहा कि जहां वर्षों से बाजार स्थापित है, वहां ध्वस्तीकरण का आदेश देने से पहले अदालत को मानवता और संवेदना के पहलू पर भी विचार करना चाहिए। व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि सेंट्रल मार्केट के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का आदेश दुर्भाग्यपूर्ण है। व्यापारी अपनी पूरी जीवनभर की पूंजी लगाकर दुकान और मकान बनाते हैं, लेकिन कुछ लोग द्वेष की भावना से कोर्ट में याचिकाएं दाखिल कर निर्दोष परिवारों को तबाह करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से मांग है कि संविधान के दायरे में रहते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार के लिए न्यायालय में अपील करे।

मुख्यमंत्री आयोग्य मेलें में पहुंचे 1,93,106 मरीज

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ .रतन पाल सिंह सुमन ने बताया कि 224 वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेलें में एक लाख 93 हजार 106 मरीज पहुंचे, इनमें से 13 हजार 846 बुखार के मरीजों में लक्षण के आधार पर 1767 मरीजों में डेंगू टेस्ट कराया गया, इनमें से कोई भी पॉजिटिव नहीं मिला। मेलें में 3304 गोल्डेन कार्ड वितरित किए गए।

गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, साथ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और अन्य लोग।

स्वास्थ्य सेवा राष्ट्र निर्माण का अभिन्न अंग : राष्ट्रपति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गाजियाबाद

- गाजियाबाद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन
- मुर्मु ने कहा-स्वदेशी संस्कारों से जुड़ी चिकित्सा व्यवस्था बने देश की पहचान

अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा राष्ट्र निर्माण का अभिन्न अंग है और ऐसे संस्थान भारत को स्वस्थ, समर्थ और आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। निजी क्षेत्र के अच्छे स्वास्थ्य संस्थान देश के लिए अमूल्य योगदान दे सकते हैं। मेडिकल रिस्पॉन्सिबिलिटी के साथ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी निभाना इन संस्थानों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

राष्ट्रपति ने रविवार को गाजियाबाद के इंदिरापुरम स्थित यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन करते हुए उसके स्वदेशी संस्कार और सेवा भाव की सराहना की। कहा कि यह संस्थान स्वास्थ्य क्षेत्र में नई दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड काल में इस अस्पताल ने जनसेवा की मिसाल पेश की और टीबी उन्मूलन में भी उल्लेखनीय योगदान दिया।

राष्ट्रपति ने बताया कि 'सिस्टम फॉर टीबी एलिमिनेशन इन प्राइवेट सेक्टर (स्टेप्स)' के तहत उत्तर भारत का पहला केंद्र इस मेडिसिटी को मिला है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह संस्थान आईआईटी बॉम्बे जैसे तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर कैंसर जीन थैरेपी और अन्य स्वदेशी चिकित्सा अनुसंधान पर कार्य करे। समारोह में सभी अतिथियों का स्वागत यशोदा मेडिसिटी के चेयरमैन डॉ. पी.एन. अरोड़ा ने विशेष रामायण-थीम शॉल भेंट कर किया, जिन्हें रेशम के धागों से उकेरा गया था। साथ ही शंख और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, यशोदा मेडिसिटी के सीईओ डॉ उपासना अरोड़ा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

अब यूपी के लोगों को दिल्ली नहीं भटकना होगा : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यशोदा मेडिसिटी केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि वर्ल्ड क्लास हेल्थकेयर की नई परिभाषा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं अब दिल्ली से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। गाजियाबाद में ही अब कैंसर जैसी जटिल बीमारियों का अत्याधुनिक इलाज संभव है। योगी ने बताया कि तीन साल पहले इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट आज न सिर्फ स्वास्थ्य सेवा का केंद्र बना है, बल्कि 5000 से अधिक लोगों को रोजगार भी प्रदान कर रहा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश ने अब तक 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए हैं, दो एम्स संचालित हैं।

सरकार संरक्षक के रूप में बुजुर्गों के साथ : राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम में कहा कि सरकार संरक्षक के रूप में बुजुर्गों के साथ है। अब 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल कर रही है, ताकि बुजुर्गों को जीवन के इस पड़ाव पर सरकारी संरक्षकता मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं।

शहरों में भी कम चौड़ी सड़कों किनारे लगा सकेंगे छोटे उद्योग

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम नीति में बदलाव करते हुए शीघ्र कैबिनेट से पास कराने पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की तर्ज पर शहरों में भी कम चौड़ी सड़कों पर छोटे उद्योग लगाने की अनुमति देने की योजना बना रही है। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्रों में सात मीटर चौड़ी सड़क पर उद्योग लगाने की अनुमति दी जा चुकी है अब शहरों में भी इस मानक में बदलाव की तैयारी है। माना जा रहा है कि, शासन स्तर पर इसको लेकर सहमति बन चुकी है। इसके लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) नीति में बदलाव करते हुए शीघ्र कैबिनेट से पास कराने पर मंथन चल रहा है।

इससे पहले एमएसएमई नीति में निरंतर बदलाव जारी है। उत्तर प्रदेश में पहले ग्रामीण क्षेत्रों में 12 मीटर सड़क पर औद्योगिक पार्क विकसित करते हुए उद्योग लगाने की अनुमति दी जा रही थी, लेकिन इसे बाद में बदल कर सात मीटर कर दिया गया। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में अनुमति देने की तैयारी है। उच्च स्तर पर इसको लेकर बैठक हुई थी इसमें सहमति बन चुकी है। कहा जाता है कि शीघ्र ही कैबिनेट से प्रस्ताव पास करते हुए इसे लागू किया जाएगा। इसके साथ ही औद्योगिक पार्क के अंदर सुविधाएं विकसित करने के मानक में भी ढील देने पर विचार किया जा रहा है।

इस क्रम में अवस्थापना सुविधाओं में अप्रोज रोड, बाउंड्री वाल, फेंसिंग, आंतरिक मार्ग, फुटपाथ, ड्रेनेज सिस्टम जैसे नाला, नाली कलवर्ट, हरित पट्टी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और सीवेज आदि विकसित करने के लिए भी समय दिया जाएगा। औद्योगिक पार्क के अंदर सरकारी संस्थाओं द्वारा कोई भी काम नहीं कराया जाता है। उद्योग लगाने के समय बड़े-बड़े ट्रक आने के कारण वजह से यह टूट जाते हैं। इसीलिए औद्योगिक पार्क पूरी तरह विकसित होने तक इन कामों को कराने की स्वीकृति दी जाएगी।

सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर।

पंचायत सहायकों के रिक्त पदों पर होगी नियुक्ति

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने निर्देश दिए कि जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों के पद रिक्त हैं, वहां शीघ्र नियुक्ति प्रक्रिया पूर्ण की जाए। जिन गांवों में सफाई कर्मी तैनात हैं, वहां स्वच्छता कार्य नियमित रूप से कराया जाए। घर-घर से कचरा संग्रहण अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाया जाए। पंचायती राज मंत्री रविवार को सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। योजनाओं परियोजनाओं को गति प्रदान करने के लिए उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। शासन से प्राप्त कार्यों एवं योजनाओं को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि आमजन को प्रत्यक्ष रूप से इसका लाभ मिल सके। मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि कार्यों की गति एवं पारदर्शिता में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। न्यूनतम पांच करोड़ की परियोजनाओं और अस्पताल, कॉलेज, सद्भावना मंडप, छात्रावास एवं स्टेडियम के प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराए जाएं। शासकीय धन का जनहित में सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए और गड्ढा मुक्ति अभियान के कार्य में तेजी लाई जाए। डीपीआरओ यतेन्द्र कुमार ने बताया कि जिले में 845 पंचायत भवन क्रियाशील हैं, पंचायत सहायकों की भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अंत्येष्टि स्थलों का चयन पूर्ण हो चुका है, छह स्थलों पर कार्य प्रगति पर है, जबकि चार पर कार्य शीघ्र आरंभ कराया जाएगा।

300 अतिरिक्त बसें भी पड़ गईं कम

अमृत विचार, लखनऊ : छठ पर्व शुरू हो चुका है, पूर्वांचल और बिहार जाने वालों की भारी भीड़ के बीच लखनऊ समेत तमाम जिलों के बस अड्डों पर अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम ने 300 अतिरिक्त बसें लगाकर यात्रियों की सुविधा का दावा किया था, लेकिन भीड़ के सामने यह व्यवस्था नाकाफी साबित हो रही है। यात्रियों की यह भीड़ दीपावली के बाद से ही लगातार जारी है। बस ही नहीं, बस अड्डों पर टिकट काउंटर पर लंबी कतारें हैं । जहां एक ओर लोग किसी तरह घर पहुंचने की कोशिश में हैं ।

छठ आस्था ही नहीं, अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी का पर्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नगर विकास ने की नगरीय निकायों के साथ वर्चुअल समीक्षा

अमृत विचार : नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा है कि छठ केवल आस्था नहीं, अनुशासन, स्वच्छता और सामूहिक जिम्मेदारी का पर्व है। नगर विकास मंत्री ने छठ पर्व के मद्देनजर राज्य के सभी नगरीय निकायों के साथ रविवार को वर्चुअल समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने स्वच्छता, प्रकाश, पेयजल एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं पर स्पष्ट निर्देश देते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा एवं श्रद्धा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया।इस बैठक में नगर विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, जल निगम, नगरीय निकाय निदेशालय सहित प्रदेश के सभी नगर आयुक्त, नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अभियंता तथा संबंधित अधिकारीगण वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मंत्री ने कहा कि यह अवसर समाज के समर्पण, सफाई, श्रद्धा और एकजुटता को प्रदर्शित करता है, इसलिए प्रशासनिक नजर से इसकी तैयारियों में किसी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रदेश के गांवों में बदलाव की मशाल जला रहे 'चेंजमेकर'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कचरे को सोने में बदलने से लेकर ई-रिक्शा और बैंकिंग तक जागी नई ऊर्जा

अमृत विचार : प्रदेश के गांवों में एक नई क्रांति आकार ले रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आत्मनिर्भर ग्राम विजन को साकार कर रहे ये स्थानीय 'चेंजमेकर' न केवल अपनी ज़िंदगी, बल्कि पूरे समुदाय की दिशा बदल रहे हैं। कहीं महिलाएं कचरे से जैव उर्वरक बनाकर खेतों की उर्वरता बढ़ा रही हैं, तो कहीं ई-रिक्शा चलाकर आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर रही हैं।

अलीगढ़ में कचरे से सोना बना रहीं महिलाएं

अलीगढ़ के टप्पल ब्लॉक की नीलम देवी के नेतृत्व में बनी टप्पल समृद्धि महिला किसान प्रोड्यूसर कंपनी अब 1,000 से अधिक महिला किसानों को जोड़ चुकी है। पंचायत की जमीन पर बनी जैविक उर्वरक यूनिट में महिलाएं गोबर और फसल अवशेष को आईआईटी कानपुर की तकनीक से उर्वरक में बदलती हैं। इस एफपीओ को 'लाइटहाउस एफपीओ' का दर्जा मिला है, जो सतत खेती का नया मॉडल बना है।

मीरजापुर की चंदा बनीं सशक्तीकरण की मिसाल

मीरजापुर की चंदा शुक्ला ने चेहरा ढककर ई-रिक्शा चलाना शुरू किया और अब 100 से अधिक महिलाओं को ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा की ट्रेनिंग दे चुकी हैं। वह 'आर्या महिला समूह' का नेतृत्व करती हैं और सम्मानजनक रोज़गार का नया रास्ता दिखा रही हैं।

हरदोई के हिमांशु और अमेठी की अनिता ने बदली सोच

हरदोई के हिमांशु यादव ने फाइलेरिया के खिलाफ ग्रामीण जागरूकता अभियान शुरू किया और अब 130 से अधिक लोगों को प्रेरित कर चुके हैं। वहीं, अमेठी की अनिता देवी BC सखी बनकर 1,100 से अधिक ग्रामीणों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ चुकी हैं।

डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का नया मानक बनेगा जेवर एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर का नया मानक स्थापित करने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप यह एयरपोर्ट न केवल अत्याधुनिक हवाई सेवाओं का केंद्र होगा, बल्कि तकनीकी रूप से फ्यूचर-रेडी डिजिटल हब के रूप में देश की पहचान बनेगा।

एयरपोर्ट में ड्यूल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क की सुविधा होगी, जिससे डेटा कनेक्टिविटी पूरी तरह निर्बाध और सुरक्षित रहेगी। दो स्वतंत्र डेटा सेंटर अलग-अलग स्थानों पर बनाए जा रहे हैं, जो पूरे सिस्टम को डिजिटल स्थिरता और सुरक्षा प्रदान करेंगे। यह एयरपोर्ट पारंपरिक हवाई अड्डों से अलग एक स्मार्ट नेटवर्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां टर्मिनल से लेकर रनवे, पार्किंग से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सब कुछ रियल-टाइम डिजिटल नेटवर्क से जुड़ा रहेगा। हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए अत्याधुनिक वीडियो सर्विलांस सिस्टम लगाया गया है, जो एयरपोर्ट के हर हिस्से की निगरानी करेगा।

तीन प्रमुख डिजिटल कंट्रोल हब

योगी सरकार के डिजिटल विजन को मूर्त रूप देते हुए एयरपोर्ट में तीन प्रमुख डिजिटल कंट्रोल हब बनाए जा रहे हैं। पहला, एयरपोर्ट ऑपरेशंस सेंटर (AOC), जो पूरे एयरपोर्ट संचालन का मस्तिष्क होगा और हर गतिविधि को रियल-टाइम में नियंत्रित करेगा। दूसरा, सिक्योरिटी ऑपरेशंस कंट्रोल सेंटर, जो चौबीसों घंटे एयरपोर्ट की सुरक्षा पर नजर रखेगा। तीसरा,एयरपोर्ट इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर, जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

रबी सीजन के लिए पर्याप्त बीज और खाद उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 लाख से अधिक किसानों को मिलेंगे नि:शुल्क बीज

अमृत विचार : रबी सीजन में प्रदेश के सभी 75 जिलों में सुचारू रूप से आच्छादन हो सके इसके लिए कृषि विभाग ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किसानों को आश्वस्त किया है कि रबी सीजन के लिए बीज और खाद की समुचित व्यवस्था कर ली गई है।

उन्होंने बताया कि दलहन और तिलहन में उत्तर प्रदेश और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश के 10 लाख से अधिक किसानों को ऑनलाइन आवेदन पर लाटरी के माध्यम से निःशुल्क मिनीकिट उपलब्ध करा रही है। वहीं शेष किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर किसान कल्याण केन्द्र (उप्र कृषि विभाग के बीज गोदाम) पर आधारीय और प्रमाणित उत्कृष्ट बीज (गेहूं, चना, मसूर, दालवाली मटर, सरसों आदि के बीज आधे दाम पर किसानों को जोत के आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे प्राप्त नवीन बीज का समुचित भण्डारण, सही ढंग से बोआई और पक्षियों एवं अन्य कृषक जीवों से बचाव की उचित देख-रेख करें ताकि बीज का अच्छा अंकुरण हो सके। किसानों से अपील की है कि वे सरकार द्वारा 50 प्रतिशत अनुदान पर दिए जा रहे बीजों के लिए कोई भी अतिरिक्त मूल्य का भुगतान न करें। कृषि मंत्री ने जानकारी दी है कि प्रदेश में खाद की भी कोई कमी नहीं है। सभी जिलों में पर्याप्त डीएपी, एनपीके, एसएसपी, पोटाश उपलब्ध है। डीएपी 4 लाख 79 हजार मीट्रिक टन, एनपीके 4 लाख 82 हजार मीट्रिक टन, एसएसपी 3 लाख 2 हजार मीट्रिक टन, यूरिया 11 लाख 84 हजार मीट्रिक टन, पोटाश 95 हजार मीट्रिक टन। इसमें सहकारी समितियों पर डीएपी 2 लाख 28896 मीट्रिक टन, एनपीके 1 लाख 34 हजार मीट्रिक टन तथा यूरिया 5 लाख 3201 मीट्रिक टन है।

अब गेहूं की बुआई के लिए नहीं मिल रही खाद

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसानों को लगातार खाद संकट से जूझना पड़ रहा है। धान के बाद अब गेहूं और अन्य फसलों की बुआई के लिए खाद नहीं मिल रही है। डीएपी, एनपीके आदि अन्य उर्वरकों के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं। सपा प्रमुख ने रविवार को जारी बयान में कहा कि लखीमपुरखीरी, महोबा, फतेहपुर, बदायूं, अमेठी समेत अन्य जिलों में सहकारी समितियों पर किसानों की लम्बी-लम्बी लाइनें लग रही हैं। किसान दिन भर इंतजार करते है लेकिन उन्हें खाद नहीं मिलती है। हर दिन सैकड़ों किसान निराश होकर वापस लौट रहें है। प्रदेश में जबसे भाजपा सरकार आयी है खाद संकट कम नहीं हो रहा है। खाद की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जारी है। इस गोरखधंधे में भाजपा के लोग शामिल है। सरकार के पास किसानों के लिए झूठे आश्वासन के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों को बर्बाद कर दिया है। चाहती है कि किसान परेशान होकर खेती करना छोड़ दें, जिससे बीजेपी किसानों की जमीन औने-पौने दाम पर उद्योगपतियों को दे दे। भाजपा पूरी साजिश के तहत किसानों को खेती और उनकी जमीनों से दूर कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में धान की फसल के दौरान खाद्य के लिए कई जगहों पर किसानों पर लाठीचार्ज हुआ। अब वही स्थिति गेहूं की फसल के लिए भी है।

राजनीति

दिल्ली प्रवास के दूसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह से मिले

यूपी में सरकार-संगठन में फेरबदल और समन्वय पर मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली प्रवास के दूसरे दिन रविवार को भी राजनीतिक रूप से बेहद सक्रिय रहे। उन्होंने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से अलग-अलग घंटेभर तक मुलाकात की। मुख्यमंत्री की ओर से इसे शिष्टाचार भेंट बताते हुए दोनों नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त करने की बात कही गई है। लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे मात्र औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि यूपी में सरकार-संगठन में फेरबदल और समन्वय को सुदृढ़ करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी और भाजपा के दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बैठक में नए लंबे समय से अटके प्रदेश अध्यक्ष चुनाव, संगठनात्मक गतिविधियों, केंद्र और राज्य की योजनाओं की प्रगति और पार्टी के भविष्य के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने नड्डा को 'विकसित उत्तर प्रदेश' नामक पुस्तक भेंट की, तो अमित शाह को उन्होंने एक गणेश प्रतिमा दी। माना जा रहा है कि यह मुलाकातें 2027 के विधानसभा चुनावों की दिशा में संगठन को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेतृत्व उत्तर प्रदेश में अगले दो वर्षों के भीतर नए राजनीतिक समीकरणों, जातीय संतुलन और जनसंपर्क अभियानों को लेकर सक्रिय रूप से तैयारी कर रहा है। इसी क्रम में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल को लेकर मुख्यमंत्री योगी को अहम जिम्मेदारी दी गई है।

सूत्र बताते हैं कि केंद्र और राज्य के बीच समन्वय को लेकर शीर्ष स्तर पर मंथन चल रहा है। अमित शाह के साथ बैठक में प्रदेश संगठन की सक्रियता, जिला स्तर पर पार्टी की पकड़ और विकास योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई। वहीं जेपी नड्डा के साथ मुलाकात में आगामी राजनीतिक अभियान और जनसंवाद कार्यक्रमों की समीक्षा हुई। मुख्यमंत्री ने नड्डा से प्रदेश में चल रहे जनसंपर्क अभियानों, 'समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश <bha>@</bha>2047' महाभियान और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा को लेकर चर्चा की। आने वाले महीनों में पार्टी राज्य में बड़े स्तर पर जनसंपर्क अभियान और युवा सम्मेलन आयोजित करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री का यह दिल्ली दौरा ऐसे समय हुआ है जब राज्य में विकास परियोजनाओं के साथ-साथ बड़े धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों की तैयारियाँ जोरों पर हैं। 25 नवंबर को अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम और उसी सप्ताह लखनऊ में होने वाली अंतरराष्ट्रीय स्काउट-गाइड जंबूरी के आयोजन को लेकर भी मुख्यमंत्री वरिष्ठ नेताओं से राय-मशविरा कर रहे हैं।

बेहद अहम था इसबार योगी का दिल्ली दौरा

मुख्यमंत्री योगी का इसबार दिल्ली दौरा कई स्तरों पर अहम माना जा रहा है। शनिवार को उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की थी। अगले दिन दो प्रमुख रणनीतिकारों अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात किसी बड़े राजनीतिक संदेश की ओर संकेत करती प्रतीत होती हैं। सूत्रों के मुताबिक, योगी ने दिल्ली प्रवास के दौरान सियासी और रणनीतिक कुटनीति के साथ मंत्रिपरिषद के कुछ विभागों में संभावित बदलाव, आगामी अयोध्या और लखनऊ में होने वाले बड़े कार्यक्रमों की रूपरेखा और प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं पर मार्गदर्शन हासिल किया।

बिहार चुनावः उत्तर प्रदेश बॉर्डर पर शराब, नकदी की धर पकड़ तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- खासकर राजनीतिक दलों के नेताओं, वाहनों की हो रही तलाशी
- करोड़ों रुपए कैश के साथ-साथ शराब, हथियार, सोना-चांदी सहित अन्य संदिग्ध वस्तुएं जब्त

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस बार शराब ही नहीं नकद बरामदियों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। बीते 90 दिनों में उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से वहां पहुंचाए गए लगभग 72 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। पटना जिले में ही एक ही दिन में 1.35 करोड़ रुपये बरामद किए गए, जो कथित तौर पर राजनीतिक दल के स्थानीय कार्यकर्ताओं से जुड़े वाहनों से मिले थे।

इस धरपकड़ में सैकड़ों लीटर शराब भी पकड़ी है। कई जगह यह शराब झारखंड और उत्तर प्रदेश से लाई जा रही थी। सीमा चौकियों पर तैनात विशेष निगरानी दल ने अब तक लगभग 1,100 वाहनों को जब्त किया है, जो अवैध शराब या नकद ले जा रहे थे।

दरअसल, बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, लेकिन इसके बावजूद वहां शराब तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तस्कर एक बार फिर सक्रिय हैं और बड़े पैमाने पर शराब की तस्करी की जा रही है। हालांकि, चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह से सतर्क है और लगातार वाहन चेकिंग अभियान चला रही है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य भर में पुलिस की चौकसी बढ़ गई है। सीमा से सटे इलाकों के साथ-साथ अलग-अलग जिलों में चेक पोस्ट बनाकर आने-जाने वाली हर गाड़ियों की सघन जांच जारी है। इसका नतीजा है कि राज्य में बीते कुछ माह में करोड़ों रुपए कैश के साथ-साथ शराब, हथियार, सोना-चांदी सहित अन्य संदिग्ध वस्तुएं जब्त की गई हैं। बीते तीन महीनों में राज्य के अलग-अलग जिलों से इतनी अधिक जब्ती हुई कि जब्तियों का आंकड़ा रिकॉर्ड तोड़ रहा है. जुलाई से अक्टूबर तक राज्य में लगभग 270 करोड़ रुपये की नकद और समान मूल्य की अवैध वस्तुएं जब्त की गईं।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

कोटेदार ने फर्जी तरीके से बनवाई कक्षा 6 की टीसी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- शिकायत के बाद बीएसए फर्रुखाबाद ने कराई तीन अधिकारियों से जांच तो हुई पुष्टि
- अब डीएम व जिला पूर्ति अधिकारी के संज्ञान में जाएगा फर्जीवाड़ा निरस्त हो सकती दुकान

अमृत विचार। ब्लॉक उमर्दा क्षेत्र के मिरुअन मड़हा की महिला कोटेदार ने कक्षा 06 का स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) फर्जी तरीके से बनवाया है। इसकी पुष्टि तीन बीईओ की जांच में हुई है। फर्रुखाबाद बीएसए ने इसको लेकर शिकायतकर्ता को पत्र भी जारी किया है।

बताया गया है कि गांव मिरुअन मड़हा के मूल निवासी व हाल निवासी कन्नौज हरिशंकर चतुर्वेदी ने कोटेदार नन्ही देवी की कक्षा 06 की टीसी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। साथ ही सत्यापन रिपोर्ट मांगी। उसके बाद बीएसए अनुपम अवस्थी ने 03 सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी। उसके बाद जांच टीम में शामिल बीईओ बढ़पुर, फर्रुखाबाद व फर्रुखाबाद मुख्यालय ने आदर्श कृषक जूनियर हाईस्कूल जल्लापुर, जैतपुर जिला फर्रुखाबाद से जारी नन्ही देवी पुत्री मैकूलाल की टीसी की सत्यापन आख्या मांगी। विद्यालय के वर्तमान प्रबंधक राजेश कुमार ने अभिलेख पेश किए।

पत्रावली परीक्षण में सामने आया कि नन्ही देवी की टीसी दो बार निर्गत हुई है। पहली बार टीसी में पूर्व विद्यालय में पढ़ने के संबंध में प्राइमरी अनुभाग अंकित है जबकि द्वितीय प्रति में पूर्व स्कूल में पढ़ने को लेकर प्राइमरी विद्यालय जल्लापुर अंकित है। पत्रावली में संरक्षित विद्यालय की प्रधानाध्यापक रामचहेती ने 18 जुलाई को पत्र भेजकर बताया कि आदर्श कृषक जूनियर हाईस्कूल जल्लापुर करीब 15 साल से बंद चल रहा है। सभी महत्वपूर्ण अभिलेख एवं सामग्री पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है।

तथ्यों को छिपाते हुए बीईओ से कराए हस्ताक्षर

- बीएसए फर्रुखाबाद अनुपम अवस्थी ने जारी किए पत्र में कहा है कि जन्मतिथि व टीसी की जांच करने की मांग हरीशंकर चतुर्वेदी ने की है। उसके बाद नियम विरुद्ध तरीके से अभिलेख तैयार करने या तथ्यों को छिपाते हुए बीईओ मोहम्मदाबाद से नन्ही देवी की टीसी को प्रति हस्ताक्षरित कराया गया है। उधर, शिकायतकर्ता का आरोप है कि उचित दर विक्रेता का लाइसेंस लेने के लिए दुकानदार का हिसाब करने के लिए शिक्षित होना जरूरी है। नन्ही देवी ने फर्जी टीसी जारी कराई है उसकी पुष्टि बीएसए ने की है। अब इस मामले को डीएम व डीएसओ के समक्ष रखा जाएगा।

प्रबंधक बोले, पिता के निधन से विवाद में बंद हो गया स्कूल

- फर्जी टीसी के मामले में वर्तमान प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि पूर्व में स्कूल का संचालन उनके पिता मोतीलाल ने किया था जो अब नहीं रहे हैं। पिता के निधन के बाद पारिवारिक विवाद के चलते स्कूल का संचालन करीब 15 साल पहले बंद हो चुका है। पत्र में कहा गया है कि पंजीकरण 2065 के संबंध में काफी खोजबीन करने पर कोई भी अभिलेख प्राप्त नहीं हुआ। नन्ही देवी की टीसी को किसने हस्ताक्षरित किया कोई जानकारी नहीं है। पत्रावली में संरक्षित अभिलेखों, प्रबंधक राजेश कुमार व प्रधानाध्यापक रामचहेती की ओर से दिए गए कथनों से स्पष्ट है कि नन्ही देवी की टीसी आदर्श कृषक जूनियर हाईस्कूल जल्लापुर से जारी नहीं हुई है।

कला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

कला प्रतियोगिता में छात्र संजय ने पाया प्रथम स्थान

गुरसहायगंज, कन्नौज। सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में ब्लॉक सभागार में ब्लॉक स्तरीय कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रविवार को ब्लाक तालग्राम सभागार में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में ब्लॉक स्तरीय कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीडीओ उमाशंकर साहू व बीईओ रमेश चन्द्र चौधरी ने संयुक्त रूप से सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय डुंडवाबुजुर्ग, महोना, पनगवां, तेराजाकेट, गुरसहायगंज, सरायप्रयाग, रौतामई के लगभग 30 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसमें कंपोजिट विद्यालय डुंडवाबुजुर्ग कक्षा 08 के छात्र संजय कुमार ने प्रथम, तेराजाकेट कंपोजिट विद्यालय की छात्रा ऋतिका शाक्य ने द्वितीय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय गुरसहायगंज व पनगवां की छात्राओं श्रेया कश्यप व डिंपल ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान एडीओ पंचायत रवि प्रताप सिंह, एआरपी ऋषि अग्निहोत्री, मो. नईम, शकील खां, जयवीर, हितेंद्र, जाबिर अहमद आदि मौजूद रहे।

21 कुंडी शतचंडी महायज्ञ से पहले भव्य कलश यात्रा

मानीमऊ, कन्नौज। 21 कुंडीय शतचंडी महायज्ञ व श्रीमद्भागवत महापुराण एवं संत महामहोत्सव के 19वें आयोजन से पहले मानीमऊ में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसके साथ ही श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हो गया। रविवार को मानीमऊ गांव में आनंदेश्वर भगवान के मंदिर पर प्रति वर्ष की तरह महायज्ञ व श्री मद भागवत कथा के प्रथम दिन कलश यात्रा निकाली गई। इसमें गांव व आसपास के इलाकों के महिला, पुरुष, साधु, संत ने भाग लिया। आनंदेश्वर भगवान के पीठाधीश कौशल महाराज जी के संयोजन में होने वाले आयोजन के प्रथम दिन वृंदावन से पधारे शिवम शुक्ला महाराज के द्वारा कलश पूजन हुआ। कलश यात्रा के साथ ही भागवत कथा का शुभारंभ हो गया। कथा 01 नवंबर तक चलेगी।

मानीमऊ में शतचंडी महायज्ञ से पहले कलाश यात्रा निकालते पं. कौशलजी महाराज व श्रद्धालु।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में 2830 मरीजों को मिला उपचार

कन्नौज। जिले के सभी 33 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा तीन नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 2830 मरीजों की जांच के बाद दवा देकर इलाज किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि नोडल अधिकारी आरोग्य स्वास्थ्य मेला डिप्टी सीएमओ डॉ.जितेंद्र कुमार तथा समस्त अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों ने आरोग्य स्वास्थ्य मेला को लेकर स्वास्थ्य केंद्रों का भ्रमण किया। मेले में आए रोगियों की निशुल्क जांच, उपचार, बच्चों व महिलाओं का टीकाकरण परिवार कल्याण, हैपेटाइटिस बी व सी कार्ड टेस्ट, टीबी संभावित रोगियों की जांच, नेत्र रोगियों का परीक्षण के अलावा गोल्डन काड बनाए गए। मेले में कुल 18 गोल्डन कार्ड बनाकर वितरित किए गए।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हत्या का आरोप

तिर्वा, कन्नौज। कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे मायके वालों ने हत्या का आरोप लगाकर पुलिस से शिकायत की है। शनिवार की शाम कस्बा में बौद्ध नगर निवासी शिक्षक राज कुमार वर्मा की पत्नी आराधना (39) अपने कमरे में बेहोशी की हालत में पड़ी थी। परिवार के लोगों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। राजकुमार आराधना का शव अपने पैतृक गांव दौलतपुर ले गए। इसी बीच कुरुहापुर थाना अटसु जिला औरैया निवासी मृतका के मायके के लोग आ गए। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने का प्रयास किया किंतु सूचना पर पहुंचे पुलिस दल ने मामले को शांत कर शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया।

जमीन विवाद में झगड़ा, दोनों पक्षों के छह लोग हिरासत में

तिर्वा, कन्नौज। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिलंदापुर में जमीन के बटवारे व स्वामित्व को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार को दोनो पक्षों के लोगों ने प्रार्थना पत्र दिया था लेकिन रात में एक पक्ष के लोगों ने खेत को जोत कर कब्जा कर लिया। रविवार सुबह इसी को लेकर विवाद हो गया। एक दूसरे के पक्ष के लोग हाथ में लाठी डंडा लेकर आमने सामने हो गए। घटना की सूचना मिलते ही उपनरीक्षक राजेंद्र सिंह व हेड कांस्टेबल पवन कुमार मौके पर पहुंचे तथा झगड़ा कर रहे हैं दोनों पक्ष के लोगों को कोतवाली लेकर आए।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

प्राइवेट कंपनी में कार्यरत था, देर रात एनएच 34 पर हुआ हादसा

संवाददाता छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। देर रात हाईवे पर हुए एक हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

शनिवार की रात लगभग 10 बजे एनएच 34 हाईवे पर किसी वाहन की टक्कर लगने से समस्तपुर न्यूराज पोस्ट नभा नौगांव थाना रसूलाबाद, जनपद कानपुर देहात निवासी 25 वर्षीय आशीष यादव पुत्र आदित्य कुमार यादव की मौत हो गई। बताया गया कि आशीष नोएडा में एक प्राइवेट स्पोर्ट कंपनी में कार्यरत थे और दिवाली पर अपने घर आए थे। देर रात वह अपने मित्रों के साथ नोएडा वापस लौट रहे थे। रास्ते में वह पूर्वी बाईपास पर उतरकर अपने मित्र शीलू यादव जो अकबरपुर में होटल के संचालक हैं से मिलने गए। रात करीब 10 बजे शीलू से मिलकर छिबरामऊ की ओर लौटते समय एक अज्ञात वाहन ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें सौ शैया अस्पताल ले गई, यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह अपनी माता रेखा यादव और भाइयों अभिषेक, अश्वनी और आकाश को रोता-बिलखता छोड़ गए। पुलिस ने वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

अज्ञात वाहन ने कार में मारी टक्कर, क्षतिग्रस्त

- **सौरिख।** एक्सप्रेस-वे पर आगे चल रहे वाहन को बचाने के प्रयास में कार चालक ने ब्रेक लगाए तो पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। हालांकि हादसे में सभी कार सवार सुरक्षित रहे। हरियाणा के गुरुग्राम के भीमखेड़ी निवासी अशोक कुमार पाण्डेय पुत्र बब्बन पाण्डेय परिवार के साथ अयोध्या रामलला के दर्शन कर वापस कार से लौट रहे थे। कार अशोक ही चला रहे थे। सौरिख थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 158 पर आगे चल वाहन को बचाने के लिए प्रयास में अशोक ने कार में ब्रेक लगाए। इसी दौरान पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद जब तक अशोक परिवार समेत कार से बाहर आए तब तक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पर यू पीडा के सुरक्षा अधिकारी मनोहर सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सभी को सुरक्षित टोल प्लाजा पर पहुंचाया।

हादसे में क्षतिग्रस्त हुई कार।

बाइकों की भिड़ंत में चार लोग घायल

- **गुरसहायगंज।** हाईवे का डिवाइडर पार कर रहे बुलट मोटरसाइकिल सवार लोगों को अन्य बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे दोनों पर सवार चार लोग घायल हो गए। रविवार की दोपहर बाद करीब तीन बजे बुलट सवार दो लोग ग्राम तेराजाकेट के निकट डिवाइडर पार कर रहे थे। तभी सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। इससे बुलट सवार ग्राम रजलामऊ निवासी यादराम (52), थाना बिल्हौर के ग्राम बछना निवासी उसका साला शिवम (28) व बाइक पर सवार बहराईच के कुंडासर स्वरताली निवासी रमेश चन्द्र पांडेय (48) उसका पुत्र पुत्र रौनक पांडेय (20) घायल हो गए। आनन फानन स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस से घायलों को नगर के सीएचसी में भर्ती कराया।

बाइक की टक्कर से ई-रिक्शा पलटा चालक घायल

सौरिख। तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल की टक्कर से ई रिक्शा पलट गया। हादसे में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने ई रिक्शा चालक को सौरिख सीएचसी में भर्ती कराया। ई रिक्शा चालक की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नगला बीरभान निवासी सुदीप यादव पुत्र दलबीर यादव ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया दिनांक 24 अक्टूबर 2025 को अपना ई रिक्शा लेकर घर से बाहर जा रहा था। जैसे ही गांव के बाहर पहुंचा तभी तालग्राम थाना क्षेत्र के गांव मझपूर्वा (जलालपुर) निवासी गोविंद पुत्र सुरेश अपनी तेज रफ्तार बुलेट मोटरसाइकिल से सीधी टक्कर मार दी। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने सुदीप को सीएचसी सौरिख भर्ती कराया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की गई जान

संवाददाता, गुरसहायगंज, कन्नौज

- ट्रैक्टर चालक को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

अमृत विचार। रिश्तेदारी से घर लौट रहे बाइक सवार युवक को ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी। इससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर व बाइक को मार्ग से हटा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना कमालगंज के ग्राम शेखपुर निवासी रियाज (28) रविवार की शाम बाइक से घर लौट रहा था। तभी कस्बा समधन स्थित फर्रुखाबाद रोड पर तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार रियाज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर भाग रहे ट्रैक्टर चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया और मौके पर पहुंची पुलिस के सुपुर्द कर दिया। युवक का शव देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंचे समधन चौकी प्रभारी दीपक कुमार ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि ट्रैक्टर व बाइक को मार्ग से हटाकर कोतवाली पहुंचा दिया। लोगों ने बताया कि मृतक समधन स्थित रिश्तेदारी में आया था।

चेतावनी : बारिश की संभावना नहीं फिरभी रोकें कृषि कार्य

कन्नौज। जिले में फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं लेकिन फिर भी किसान सशंकित हैं। इसको देखते हुए कृषि मौसम वैज्ञानिक ने सिर्फ 24 घंटे के लिए कृषि संबंधी सिंचाई, निराई, बुआई जैसे कार्य सावधानी के तौर पर रोकने की सलाह दी है।

कृषि मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने बताया कि इन दिनों बदली छायी है लेकिन बारिश जैसी कोई संभावना नहीं बन रही है। उधर किसानों की तरफ से फोन कर शंका जताई जा रही है कि कहीं बारिश तो नहीं होगी क्योंकि आलू, दलहन के अलावा सब्जी की फसल की बुआई का समय चल रहा है।

स्पर्धा | सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजन

पेंटिंग में यूपीएस हैवतपुर कटरा के राहुल प्रथम

सदर विकास खंड सभागार में पेंटिंग प्रतियोगिता परिणाम के बाद खुशी जताते विद्यार्थी बीडीओ दिनेश चंद्र व अन्य लोग। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- विजेताओं को मिली ट्रॉफी, सभी प्रतिभागियों को दिए प्रमाण पत्र

अमृत विचार। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में ब्लॉक स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता हुई। इसमें यूपीएस हैवतपुर कटरा से कक्षा 07 के छात्र राहुल ने पहला, कंपोजिट विद्यालय अड़ंगापुर की कक्षा 08 की सुनैना ने दूसरा व भिदासिन के अभिषेक पाल ने तीसरा स्थान पाया।

रविवार को विकास खंड कन्नौज के सभागार में आयोजित हुई परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की प्रतियोगिता में निर्धारित थीम्स पर बच्चों ने अच्छी-अच्छी पेंटिंग बनाईं। निर्णायक मंडल ने विजेता प्रतिभागियों का चयन किया। चयनित विद्यार्थियों को मूमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। बीडीओ दिनेश चंद्र ने बच्चों की हौसलाफजाई की। इस अवसर पर एआरपी दिनेश चंद्र, स्नेहलता द्विवेदी, सैफुद्दीन सैफी, सत्यपाल सिंह यादव, आदेश वर्मा, शशि बाथम, गायत्री देवी, मीना यादव, सीमा, आराधना मिश्रा, विजय कटियार एवं कृष्णकांत उपस्थित रहे।

तिर्वा के उमर्दा ब्लॉक सभागार में प्रमाण पत्र व ट्रॉफी के साथ खड़े प्रतिभागी विद्यार्थी, प्रमुख अजय वर्मा व बीईओ विपिन कुमार। अमृत विचार

तिर्वागंज की छात्रा सौम्या अव्वल

तिर्वा, कन्नौज। तिर्वा स्थित उमर्दा विकास खंड सभागार में भी पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में पेंटिंग प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक विद्यालय तिर्वागंज की छात्रा सौम्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय तिर्वागंज की छात्रा खुशी और तृतीय प्राथमिक विद्यालय किनौरा द्वितीय के छात्र हर्ष ने रहे। ब्लॉक प्रमुख उमर्दा अजय वर्मा, बीईओ विपिन कुमार ने सभी प्रतिभागियों व विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर एडीओ पंचायत संजय पाठक, एआरपी अनुराग शुक्ला, राजीव यादव व विजय लक्ष्मी उपस्थित रहीं।

ब्लॉक स्तरीय चित्रकला में दिखाई प्रतिभा

छिबरामऊ। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विकासखंड हाल में ब्लॉक स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें परिषदीय विद्यालयों में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों ने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल में विकासखंड अधिकारी दीपांकर आर्य, खंड शिक्षा अधिकारी आनंद द्विवेदी, योगेश यादव (एआरपी), अच्युत त्रिपाठी (एआरपी), अनिल कुमार (एडीओ-आईएसबी), और अनूप मिश्रा शामिल थे। विजेताओं में लुबना (कंपोजिट विद्यालय, छिबरामऊ) ने प्रथम, अलैका बानो ने द्वितीय, और अनुष्का (उच्च प्राथमिक विद्यालय, कुंवरपुर बनवारी) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

it is HE who cures
खैराबाद आई हॉस्पिटल एवं महेन्द्रा आई इंस्टीट्यूट
डॉ. मनीष महेन्द्रा | डॉ. शैली महेन्द्रा
QCI Certified
NABH Certified
मोतियाबिंद का उपचार
दूर पास दोनों चश्मे से आजादी
1- State of art Modular Operation Theatre.
2- High end Centurion Phaco machine for cataract surgery.
3- IOL MASTER 700 for precise power calculation.
4- OCT for retina and glaucoma investigations.
5- ICL surgery for removal of high power glasses.
6- Premium Trifocal /EDOF /Toric lenses for correction of both distance and near vision.
7- Wavefront guided LASIK LASER for removal of glasses.
CGHS, ECHS, Ayushman Bharat & TPA Cashless facility available
Pentacam Test For Cornea Evaluation. First Time in Kanpur
CATARACT | LASIK | SQUINT | RETINA
GLAUCOMA | ICL SURGERY
Removal of High Power Glasses
9336831175, 9336393839, 9918335544
Swaroop Nagar, Near Moti Jheel Metro Station
director.keh@gmail.com | www.mahendraeyehospital.com
Hospital Timing 9:00 AM to 7:00 PM

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त समितियां कराएंगी बाल रामलीला का मंचन

छिबरामऊ। नगर के मोहल्ला बनवारी नगर स्थिति एसबीवीएस सभागार में आयोजित बैठक में "मेरा शहर, मेरी जिम्मेदारी" के आयोजक गौरव त्रिपाठी ने कहा सनातन धर्म न केवल जीवन का पथ प्रदर्शक है बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपने संस्कारों और परंपराओं से जोड़ने की प्रेरणा देता है। कहा, मोहल्ला समितियों के माध्यम से नगर के कोने कोने से प्रतिभाओं को खोजने का काम भी किया जायेगा। इस अवसर पर नगर के विभिन्न मोहल्लों से आए धार्मिक समितियों के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। समारोह में लोगो ने सनातन धर्म के गौरव एवं परंपराओं को जीवंत रखने पर अपने विचार रखे। संजीव चौहान एवं अरुणेश चतुर्वेदी के संचालन में हुए कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। बैठक में तय हुआ कि आने वाले वर्षों में समितियों के द्वारा संयुक्त रूप से बाल रामलीला का मंचन करवाया जायेगा। इस मौके पर राजीव, गुड्डू, विशेष, कर्तव्य, शानू, सुधीर आदि मौजूद रहे।

एमपी की फैक्ट्री में आग लगने से फर्रुखाबाद के दूसरे युवक की भी मौत

फर्रुखाबाद। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में नूराबाद थाना क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में आग लगने से यहां के जहानगंज थाना क्षेत्र के निवासी तीन दोस्त झुलस गए। इसमें एक की पहले और दूसरे की उपचार के दौरान मौत हो गई। रविवार को जैसे ही मृतक का शव गांव पहुंचा तो मातम पसर गया। जहानगंज थाना क्षेत्र के गांव इस्लामगंज निवासी अहिवरन कश्यप का 21 वर्षीय पुत्र गोपी कश्यप अपने गांव के दोस्तों दुर्गेश कश्यप और अनुपम के एमपी के भिंड जिले के मुरैना के पास स्थित एक फैक्ट्री में काम करने गया था। फैक्ट्री में 16 अक्टूबर की रात आग लग गई, जिससे तीनों दोस्त गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला और पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, बाद में उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली रेफर किया गया। 21 अक्टूबर को इलाज के दौरान दुर्गेश की मौत हो गई थी। शनिवार सुबह गोपी ने भी दिल्ली में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

युवा सम्मेलन में दिलाया गया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

फर्रुखाबाद। रविवार को आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत युवा सम्मेलन का आयोजन कायमगंज स्थित रोज गार्डन में हुआ। इसमें मुख्य अतिथि कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने युवाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मयंक सिंह बुंदेला ने की। मुख्य अतिथि ने स्वदेशी अपनाओं पर जोर देते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान तभी सफल होगा जब देश की 140 करोड़ की आबादी को स्वदेशी वस्तुएं को उपयोग में लाना पड़ेगा। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा, कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के मंत्री देवेंद्र देव गुप्ता, आलू विपणन संघ के सभापति विमल कटियार, पूर्व राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मिथिलेश अग्रवाल, जिला महामंत्री डीएस राठौर आदि मौजूद रहे।

प्राविधिक सहायक आशीष कुमार बैठक से अनुपस्थित, निलंबित होंगे

फार्मर रजिस्ट्री में सुस्ती पर चढ़ा डीएम का पारा, एडीओ का वेतन रुकेगा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। शासन की सख्ती के बाद फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों में लापरवाही पर जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने वेतन काटने, चेतावनी, प्रतिकूल प्रविष्टि एवं निलंबन का फरमान जारी किया है। उन्होंने एडीओ (पंचायत) तालग्राम राजेंद्र सिंह के कार्य में लापरवाही एवं फोन रिसीव न करने की शिकायत पर एक दिन का वेतन रोकने व स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक लेते जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, साथ में एडीएम देवेंद्र सिंह, बीडीओ जलालाबाद अर्पित कुमार तथा एसडीएम सदर वैशाली।

कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में बैठक में डीएम ने कई अधिकारियों-कर्मचारियों की लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। विकासखंड सौरिख के एडीओ (कृषि) दिलीप कुमार की ओर से असंतोषजनक उत्तर दिए जाने पर उन्हें चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। हसेरन के एडीओ (कृषि) सर्वेश कुमार के समय से कार्यालय में उपस्थित न रहने एवं कार्य के प्रति शिथिलता बरतने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दर्ज करने का फरमान भी जारी हुआ। प्राविधिक सहायक आशीष कुमार को फार्मर रजिस्ट्री कार्य में लापरवाही एवं बैठक में अनुपस्थित रहने के कारण निलंबित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कन्नौज के प्राविधिक सहायक उपेंद्र सिंह, अमित कुमार, संजीव कुमार, एटीएम रविंद्र कुमार एवं गुगरापुर के प्राविधिक सहायक प्रदीप कुमार, एटीएम आदित्य कुमार, नीलेश व छिबरामऊ के प्राविधिक सहायक राहुल पालीवाल व उमर्दा के एटीएम हरिओम, हसेरन के प्राविधिक सहायक कुलदीप, पीपीएस दीपक, तालग्राम के प्राविधिक सहायक सतीश, जितेंद्र, शिवसिंह, बीटीएम राजीव दुबे, एटीएम देवेश कुमार, सौरिख के प्राविधिक सहायक शान मोहम्मद, जलालाबाद के एटीएम शैलेंद्र कुमार से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए।

डुग्गी पिटवाकर किसानों को जागरूक करें

- जिलाधिकारी ने सभी जन सेवा केंद्रों को तत्काल सक्रिय (एक्टिव) करने, कर्मचारियों को अलर्ट मोड में कार्य करने को कहा। सचिव, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, प्रधान एवं राशन विक्रेताओं के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य को समय से पूरा करने को कहा। कहा कि जनपद के लगभग 1200 जन सेवा केंद्रों एवं 499 ग्राम पंचायतों में फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को मिशन मोड में सम्पन्न कराया जाए। डीपीआरओ राजेंद्र प्रकाश को निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायतों में डुग्गी पिटवाकर किसानों को जागरूक किया जाए ताकि किसान अपनी फार्मर आईडी (रजिस्ट्री) शीघ्र बनवा सकें।

चालक व परिचालक ने दूसरे कंडक्टर को जमकर पीटा

कन्नौज। सवारी बैठाने को लेकर हुए विवाद में रोडवेज बस के चालक और परिचालक ने दूसरे डिपो के एक कंडक्टर की पिटाई कर दी। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

बताया गया कि छिबरामऊ के ब्राहिमपुर निवासी कंडक्टर विनीत सिंह सेंगर की तैनाती साहिबाबाद डिपो में है। बस का संचालन तालग्राम कस्बे से दिल्ली के बीच होता है। उसका कहना है कि वह शनिवार की शाम तालग्राम से सवारियां लेकर दिल्ली की ओर जा रहा था तभी तभी कन्नौज डिपो की बस के चालक व परिचालक ने बस रुकवा कर उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि आरोपियों ने पहले भी कई बार तालग्राम से सवारियां नहीं ले जाने को लेकर धमकी दी थी। कहा कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बस का संचालन तालग्राम और दिल्ली रूट पर किया जा रहा है। पीड़ित ने आरोपी चालक व परिचालक के खिलाफ छिबरामऊ कोतवाली पुलिस में तहरीर दी है।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

सौ शैय्या अस्पताल में बाहर से लाया गया ऑक्सीजन सिलेंडर। अमृत विचार

सौ शैय्या अस्पताल में बाहर से लाने पड़ रहे ऑक्सीजन सिलेंडर

संवाददाता, छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। विकासखंड के ग्राम नगला दिलु स्थित सौ शैय्या अस्पताल में ऑक्सीजन गैस की कमी मरीजों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। ऑक्सीजन प्लांट पिछले चार-पांच महीनों से बंद पड़ा है, जिसके कारण तीमारदारों को निजी खर्चे पर ऑक्सीजन सिलेंडर लाने पड़ रहे हैं।

एक वीडियो सामने आया है जिसमें तीमारदार अस्पताल के बाहर से सिलेंडर लाते नजर आ रहे हैं। तीमारदारों ने बताया कि डॉक्टरों ने स्पष्ट कहा कि सिलेंडर बाहर से लाना होगा। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर करती है। डॉक्टरों ने बताया कि ऑक्सीजन प्लांट की खराबी की सूचना अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक इसे ठीक नहीं कराया जा सका है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है, लेकिन सवाल यह है कि जांच पूरी होने तक मरीजों का क्या होगा।

ग्रामीणों को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

गुरसहायगंज। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए नए अस्पतालों का खुलना बहुत जरूरी है। इससे मरीजों को सुलभ और बेहतर इलाज मिल सकेगा। वहीं युवाओं के लिए मेडिकल के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। स्वास्थ्य सेवाएं लोगों की पहुंच में होगी। यह बात रविवार को पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी ने समधन स्थित अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद कहीं। इस दौरान रफी अनवर सिद्दीकी, वसीम उर्फ लाला दुबे, पूर्व सभासद अयूब, शान अहमद सिद्दीकी, मुजफ्फर खान, अकील खान मौजूद रहे।

आरोग्य मेला : समय से पहले बंद किया अस्पताल

छिबरामऊ। नगर के मोहल्ला सैय्यद बाडा में स्थित हेल्थ एवं वैलनेस सेंटर (शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) में रविवार को आयोजित आरोग्य मेले में भारी अव्यवस्था देखने को मिली। मेले का समय सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित था, लेकिन डॉक्टर और स्टाफ ने दोपहर 2 बजे ही काउंटर और अस्पताल बंद कर ताला लगा दिया। डॉक्टर, फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय सहित पूरा स्टाफ समय से पहले चला गया, जिससे मरीजों को निराशा हाथ लगी। इस संबंध में जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी और सीएमओ स्वदेश गुप्ता से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। वहीं, एसीएमओ के.पी. त्रिपाठी ने कहा कि रविवार को अस्पताल बंद रहता है। जब उन्हें मेले की जानकारी दी गई, तो उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से बात कर जानकारी लेने की बात कही।

अस्पताल में लगा ताला।

नगला चौबे में राम जन्म लीला का मंचन, लगे जयकारे

छिबरामऊ। क्षेत्र के खानपुर कसावा स्थित नगला चौबे में 50 वर्षों से चली आ रही प्रसिद्ध रामलीला में श्रीराम जन्म लीला का सजीव मंचन हुआ। अयोध्या नगरी के राजा दशरथ की संतानहीनता से उत्पन्न चिंता से कथा शुरू हुई। बाद में यज्ञ से प्राप्त तीन दिव्य फलों को रानियों कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा को वितरित करने पर राम, लक्ष्मण, भरत एवं शत्रुघ्न का जन्म हुआ। राम जन्म होते ही मंच पर 'जय श्री राम' के उद्घोष गूंज उठे। लीला देख दर्शक भावविभोर हो गए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

सिंचाई की नाली पर दबंगों का कब्जा, लाभ से वंचित किसान

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। खेतों की सिंचाई के लिए रजवाह की नाली पर असरदारों का कब्जा है। मामले की शिकायत जिले के कई अधिकारियों से हुई लेकिन अब तक कोई हल नहीं निकला है। मामला तिर्वा तहसील इलाके की ग्राम पंचायत लाख के मजरा कीरतपुर का है।

गांव कीरतपुर निवासी एवं जिला कचहरी के अधिवक्ता कौशलेंद्र प्रताप त्रिपाठी ने बताया कि फसलों की सिंचाई का साधन तिर्वा रजवाह है। वर्तमान में गाटा संख्या 3333, 3224 के बीच नाली संख्या 3423 व 3320 से गांव में खेती की सिंचाई होती रही है। वर्तमान में गांव के ही कुछ असरदार लोगों ने नालियों को करीब 100 से 150 मीटर लंबाई में अपने खेतों में शामिल कर लिया है। इससे करीब एक सैकड़ा किसानों के खेतों में रजवाह का एक बूंद पानी भी नहीं पहुंच रहा है और जमीन असिंचित होने के कारण बंजर होने की कगार पर है। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस वजह से किसानों को उचित कृषि उपज नहीं मिल रही है। गाटा संख्या 3427 में जो तिर्वा रजवाह से करीब 02 किलोमीटर दूर है राजकीय नलकूप लगवाए जाने के लिए नलकूप खंड में 5 साल पहले से आवेदन है। आरोप है कि मौके पर जाए बिना सींचपाल अवनीश कुमार ने गलत आख्या लगा दी। 24 फरवरी 2023 को पुनः आख्या के लिए प्रार्थना पत्र एक्सईएन सिंचाई खंड को दिया गया लेकिन गलत आख्या फिर से दे दी गई। अधिवक्ता का आरोप है कि कुलावा व नाली के करीब किसानों के खेतों को अनैतिक रूप से लाभ पहुंचाया जा रहा है। सींचपाल ने मानक से हटकर अपने चहेते किसानों को कुलावा गड़वा दिया गया।

बीज भंडार पर छापा, नकली कीटनाशक दवाएं मिलीं

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। क्षेत्र में कृषि विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में नकली दवाओं का बड़ा मामला सामने आया है। कृषि रक्षा अधिकारी और एक निजी कंपनी के अधिकारियों ने रविवार को कुंदन गणेशपुर स्थित मां भवानी बीज भंडार पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में नकली कीटनाशक दवाएं बरामद कीं।

किसानों को आलू की फसल में लगने वाले घुघिया रोग से बचाव के लिए दवाएं बेची जा रही थीं। छापेमारी के दौरान दुकान से 46 पैकेट संदिग्ध दवा बरामद की गई, जो टूरो बॉडी कॉन्सुलेशन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के नाम पर नकली पैकिंग में तैयार किए गए थे। बताया जा रहा है कि यह दवाएं असली कंपनी की नहीं थीं, बल्कि धोखे से नकली लेबल लगाकर बाजार में बेची जा रही थीं। यह नकली दवाएं किसानों को महंगे दामों पर असली दवा बताकर बेची जा रही थीं, जिससे फसल को नुकसान पहुंचने की संभावना थी। छापेमारी के दौरान दुकान से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की गई। मौके पर पुलिस ने सभी पैकेट सील कर जब्त कर लिए हैं और दुकान के मालिक से पूछताछ की जा रही है।कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अन्य दुकानों की भी जांच की जाएगी, ताकि किसानों को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे नकली उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। थाना प्रभारी राजेश राय ने बताया कि मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। अभी तक तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। एक ईंट भट्टे पर काम करने वाली एक श्रमिक महिला सोनिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना शनिवार रात की है।

जानकारी के अनुसार, बिहार के नवादा जिले के सितरमपुर निवासी रामवली अपनी 32 वर्षीय पत्नी सोनिया और परिवार के साथ फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के महरुपुर सहजू गांव स्थित गौरव कटियार के ईंट भट्टे पर काम करता था। शनिवार रात सोनिया की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उसे एक निजी चिकित्सक के पास ले गए, जहां उसकी हालत और खराब हो गई। सूचना मिलने पर ईंट भट्टा मालिक मौके पर पहुंचे और सोनिया को लोहिया जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दी। रविवार सुबह करीब 11.15 बजे दरोगा राहुल कुमार और एक महिला सिपाही लोहिया जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला की मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में घायल वृद्ध की मौत

- **फर्रुखाबाद।** मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के गांव मुडगांव निवासी 59 वर्षीय रामनरेश की सड़क दुर्घटना में घायल होने के छह दिन बाद उपचार के दौरान रविवार को मौत हो गई। यह हादसा 20 अक्टूबर 2025 को दिवाली के दिन हुआ था, जब वे पूजा सामग्री लेने गए थे। 26 अक्टूबर 2025 को सुबह करीब 7 बजे उन्होंने आगरा के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। रामनरेश पुत्र दलू 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर लगभग 1:30 बजे गैसिंगपुर तिराहे पर खड़े थे। इसी दौरान मोहम्मदाबाद की ओर से आ रहे एक बाइक सवार ने उन्हें तेज गति और लापरवाही से टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल रामनरेश को तत्काल डायल 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल राम मनोहर लोहिया ले जाया गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें सैफई रेफर कर दिया। सैफई में भी उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ, जिसके बाद परिजन उन्हें आगरा के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले गए। आगरा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 26 अक्टूबर 2025 को सुबह करीब 7 बजे रामनरेश ने अंतिम सांस ली। उनके पुत्र चंदन ने घटना की सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी। मृतक रामनरेश अपने परिवार का पालन-पोषण खेती-बाड़ी करके करते थे।

जंबूरी संगठन के उद्देश्यों और प्रशिक्षण पर मंथन

फर्रुखाबाद। शहर की भारतीय पाठशाला में रविवार को जंबूरी प्रशिक्षण के संबंध में एक सारगर्भित एवं प्रेरणादायी संगोष्ठी हुई।

संगोष्ठी में मयंक शर्मा (सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने जंबूरी संगठन के उद्देश्यों एवं प्रशिक्षण की उपयोगिता बताई। अध्यक्षता करते हुए जिला स्काउट गाइड मुख्य आयुक्त एवं भारतीय पाठशाला के प्रधानाचार्य दिनेश वर्मा ने कहा जंबूरी प्रशिक्षण शिविर से पूर्व 6 एवं 7 नवंबर को कायमगंज तथा 8 एवं 9 नवंबर को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। डॉ. महेश चंद्र राजपूत, चमन शुक्ला, सर्वेश कुमार, महेश चंद्र राजपूत ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान आईटी इंचार्ज योगेश कुमार प्रजापति, संतोष कुमार त्रिपाठी (प्रधानाचार्य रस्तोगी इंटर कॉलेज एवं स्काउट गाइड कोषाध्यक्ष), इंदू मिश्रा प्रधानाचार्य एन.ए.के.पी. इंटर कॉलेज, विनीत चौहान जनता राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, गजेंद्र सिंह जिला संगठन कमिश्नर, अनुज तिवारी स्काउट लीडर सीपी विद्या निकेतन इंटर कॉलेज कायमगंज, श्रवण कुमार मिश्रा स्काउट लीडर सीपी इंटरनेशनल स्कूल, पुष्पेंद्र शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते सहायक प्रदेशिक संगठन आयुक्त मयंक शर्मा।

कार्यक्रम

प्रोफेसर रत्नेश को प्रमोद चंद्र मिश्र व सत्यप्रकाश अग्रवाल को कर्मयोगी सम्मान

स्मृति दिवस पर याद किए गए पूर्व विधायक

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। स्व. विमल प्रसाद तिवारी स्मृति संस्थान एवं हेमवती नंदन बहुगुणा स्मारक समिति की ओर से पुण्यतिथि पर पूर्व विधायक स्व. विमल प्रसाद तिवारी को याद किया गया। उनके बताए रास्ते पर चलने और उनके सिद्धांतों का आचरण करने की अपील की गई।

नाला मछरट्टा स्थित एनकेपी डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित स्मृति कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर प्रमोद चंद्र मिश्रा सम्मान से जिले के प्रसिद्ध शिक्षाविद् एवं साहित्यकार प्रोफेसर रामबाबू मिश्र रत्नेश को विभूषित किया गया। समाजसेवा एवं अन्य क्षेत्रों में बिना किसी स्वार्थ के अपनी सेवाएं देने वाले व्यवसायी सत्यप्रकाश अग्रवाल को कर्मयोगी सम्मान व पर्यावरण के क्षेत्र में उनके कार्यों को देखते हुए पर्यावरण सम्मान से भी सम्मानित किया गया। स्व. पूर्व विधायक की स्मृति में इस बार एनएकेपी डिग्री कॉलेज व एनकेपी इंटर कॉलेज की शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया।

रामबाबू मिश्र रत्नेश को सम्मानित करते अतिथि। अमृत विचार

इस मौके पर कहा गया कि स्व. विमल प्रसाद तिवारी ने जीवन भर ईमानदारी के साथ समाज सेवा को प्राथमिकता देते हुए राजनीति की और बताया कि वास्तव में राजनीति के माने क्या होते हैं। स्व. तिवारी का मानना था की राजनीति के मूल में समाज सेवा की भावना होना अत्यंत आवश्यक है अन्यथा राजनीति स्वार्थ नीति बन जाती है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक सदर मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने स्वर्गीय विमल प्रसाद तिवारी एवं स्वर्गीय ब्रह्म दत्त द्विवेदी के चुनावों के संस्मरण सुनाएं और कहा कि स्वस्थ राजनीति का पाठ पढ़ाने विमल प्रसाद तिवारी राजनीतिक क्षेत्र में हमेशा मील के पत्थर रहेंगे। कार्यक्रम की अतिथि महिला आयोग की पूर्व प्रदेश सदस्य मिथिलेश अग्रवाल ने स्व. तिवारी को नमन निवेदित करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की बात कही।

डॉ. शिवओम अंबर, रामबाबू मिश्र रत्नेश, संस्था के सचिव आदेश तिवारी आदि लोगों ने विचार रखे और स्वर्गीय तिवारी को नमन निवेदित किया। कार्यक्रम का संचालन कवियत्री श्रीमती प्रीति पवन तिवारी ने किया। स्वागत भाषण आदेश तिवारी ने दिया। अतिथियों का स्वागत संस्था के उपाध्यक्ष संजीव अग्निहोत्री बिटाना ने किया। व्यापारी नेता संजय गर्ग, सरदार जगदीप सिंह आदि ने अतिथियों को सम्मानित किया।

जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ेंगे प्रधान विमल यादव

फर्रुखाबाद। शमसाबाद ब्लाक की ग्राम पंचायत बैरमपुर में किए गए विकास के बाद समाजसेवी एवं प्रधान विमल यादव शमसाबाद प्रथम से निर्दलीय जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ेंगे। विमल यादव ने कहा मैं अपने शमसाबाद को विकसित देखना चाहता हूं।

विमल यादव।

समाजसेवी, केपी सिंह हॉस्पिटल रखा फतेहगढ़ के डायरेक्टर राजेन्द्र सिंह यादव व मीरा यादव के पुत्र विमल यादव ने अपनी विकासवादी सोच, आदर्श व्यक्तित्व से ग्राम बैरमपुर की मुखिया की गद्दी हासिल की थी। 26 आवास, तीन दर्जन हैंडपम्प, पक्की सड़कें, पक्की नालियां, ग्रामीणों के शौचालय बनाकर उन्होंने बैरमपुर को आदर्श गांव की श्रेणी में ला खड़ा किया। अब वह जिपंस का चुनाव लड़ेंगे।

महिला को रिश्तेदारों ने पीटा, हालत गंभीर

फर्रुखाबाद। कमालगंज थाना क्षेत्र के गदनपुर देवराजपुर गांव में रविवार सुबह एक महिला को उसके रिश्तेदारों ने पीट दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को पहले कमालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, महिला भैया दूज का त्योहार मनाने अपने भाई के घर आई थी। रविवार सुबह परिजनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। मारपीट में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही कमालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नंद-भाभी में मारपीट तीन घायल

- **फर्रुखाबाद।** राजेपुर थाना क्षेत्र के जिठोली गांव में घरेलू विवाद को लेकर ननद-भाभी के बीच मारपीट हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने आए महिला के दो पुत्र भी घायल हो गए। घटना के बाद पीड़ित महिला ने अमृतपुर के सीईओ संजय वर्मा को शिकायत पत्र दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर लिया। घायलों को राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया।

दो बाइकों की टक्कर में युवक घायल

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र के चाचूपुर में इटावा-बरेली हाईवे पर दो बाइकों की टक्कर हो गई। इस हादसे में एक बाइक सवार घायल हो गया, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

पुलिस को सूचना मिलते ही थाना पुलिस तत्काल सक्रिय हो गई और मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि यह मामला लूट का नहीं, बल्कि दो बाइकों की टक्कर का था। घायल बाइक सवार ने पुलिस को गुमराह करने के लिए लूट की झूठी जानकारी दी थी। फर्जी लूट की सूचना देने के आरोप में पुलिस ने घायल बाइक सवार की बाइक को थाने में खड़ा करा दिया है। पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। राजेपुर थाना अध्यक्ष सुदेश कुमार ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर हुई थी। घायल बाइक सवार ने लूट की फर्जी सूचना दी थी। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

श्रीमद भागवत कथा का आयोजन आज से

महेवा । जिला मुख्यालय स्थित गायत्री पार्क फ्रेंड्स कालोनी इटावा में आज 27 अक्टूबर सोमवार से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन होगा कथा 2 नवंबर तक चलेगी जिसमें परीक्षित कृष्णा एवं जितेंद्र कुमार पोरवाल होंगे कथा वाचक के रूप में प्रसिद्ध कथा वाचक साकेत बिहारी दीक्षित श्रीधाम वृंदावन धाम अमृत रूपी कथा सुनाएंगे। इसी क्रम में जनपद के महेवा विकास खंड क्षेत्र के ग्राम गौतमपुर में भी आज 27 अक्टूबर सोमवार से 3 नवंबर तक चलेगी जिसमें 2 नंवबर को कथा समापन एवं 3 नवंबर को भंडारे के साथ समापन होगा वहीं परीक्षित के रूप में राधा एवं अलकेश त्रिपाठी होंगे, कथा का वाचन काशी विश्वविद्यालय के आचार्य पंडित राजनरायन मिश्र महाराज करेंगे ।

लापता लेपर्ड सफारी में वापस लौटा

इटावा। लेपर्ड सफारी के बाड़े से निकल कर लेपर्ड सफारी में लापता हुआ लेपर्ड आज सुबह वापस लौट आया। सफारी पार्क के उप निदेशक विनय सिंह ने बताया कि कल सुबह एक 12 वर्षीय कार्तिक नाम का लेपर्ड कांच के बाड़े में भेजते समय गलत गेट खुल जाने से बाड़े से बाहर निकल कर सफारी में लापता हो गया था। सफारी के अधिकारी और कर्मचारियों की टीम लापता लेपर्ड को खोजने में जुटी हुई थी। आज सुबह तेंदुए को वापस सफारी में लाया गया, इसके बाद सफारी प्रशासन ने राहत की सांस ली।

एमएम चाप शॉप का राजू गुप्ता ने किया शुभारंभ

इटावा। पक्का तालाब रोड निकट चाणक्य होटल स्थित दिल्ली का मशहूर शुद्ध शाकाहारी एमएम चाप का मुख्य अतिथि समाजसेवी राजू गुप्ता ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर ऋषभ राठी, शुभम दुबे, मो. इस्माइल सलमान, मिंकू, पुष्कल दत्त दुबे ने समाजसेवी राजू गुप्ता का शाल ओढ़ाकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी राजू गुप्ता ने कहा शहर में स्थित एम.एम. चाप पर लोगों को विभिन्न प्रकार के व्यंजन का आनन्द मिलेगा। समाजसेवी राजू गुप्ता ने इस प्रतिष्ठान की सराहना करते हुए कहा कि एम.एम. चाप शॉप न केवल लोगों को बेहतरीन स्वाद प्रदान करेगा बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। एम.एम. चाप के शुभारंभ के अवसर पर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित, कामिल क़ुरैशी, चांद मंसूरी, हाजी अजीम वारसी, उद्योग मंच जिलाध्यक्ष भारतेंदु भारद्वाज, रियाज अब्बासी, करणी सेना के जिलाध्यक्ष धृतेंद्र प्रताप सिंह, राहुल गुप्ता, अदनान क़ुरैशी, शावेज़ नक़्वी आदि रहे।

सफारी पार्क में कार्यशाला शुरू

इटावा। सफारी पार्क इटावा में सफारी कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य और निरोगी काया के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सफारी पार्क के निदेशक डा. अनिल पटेल ने किया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता डा. एस पी सिंह, आयुर्वेदाचार्य मैनपुरी द्वारा योग, आहार एवं निद्रा के महत्व को विस्तार पूर्वक समझाया गया और कुछ महत्वपूर्ण प्राणायाम एवं आसनों को करने के तरीकों को उपस्थित लोगों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए इससे होने वाले फायदों के संबंध में अपने अनुभव साझा किये। कार्यशाला में बैडमिंटन कैम्प के खिलाड़ियों सहित सफारी पार्क के लोगों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मोटर फुंकने से जलापूर्ति ठप

कालपी। तकनीकी समस्याओं की वजह से जल संस्थान के दो अलग-अलग स्थानों में स्थापित नलकूपों में खराबी आ गई। इससे आधा दर्जन मोहल्लों में पानी की सप्लाई प्रभावित हो गई। विभागीय अभियंता बासित अली के मुताबिक एक नलकूप रातोंरात ठीक कर दिया गया है, जबकि दूसरे नलकूप को सुधारने का काम चल रहा है। बीती शाम को कोतवाली में स्थित नलकूप नंबर -10 की मोटर फुंक गई फलस्वरूप महमूदपुरा, इंदिरा नगर, मनीगंज आदि मुहल्लों की आपूर्ति प्रभावित हो गयी। सूचना पाकर अवर अभियंता बासित अली ने नलकूप का जायजा लिया। अवर अभियंता की मौजूदगी में रातोंरात नलकूप के फुंके सबर्मिबल की मोटर को निकाल कर नई मोटर स्थापित करके पानी की सप्लाई शुरू की गई। वहीं रविवार को हरीगंज नलकूप नम्बर -1 के सबमर्सिबल मोटर के पाइप के भीतर रोटर टूट गया। फलस्वरूप दमदमा राजघाट आदि मुहल्लों में पानी की सप्लाई ठप हो गई।

पंचायत भवन व अंत्येष्टि स्थलों का कार्य नवम्बर तक पूर्ण करायें : डीएम

जिलाधिकारी ने बैठक में विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए दिये निर्देश

कार्यालय संवाददाता इटावा

बैठक में मातहतों को दिशा-निर्देश देते जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल। अमृत विचार

अमृत विचार । जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, गौशाला, पीएम सूर्य घर, आईजीआरएस, डीसीएनआरएलएम, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, सांसद निधि, अन्नपूर्णा योजना, डिजिटल लाइब्रेरी आदि की समीक्षा बैठक की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि संबंधित अधिकारी द्वारा निर्माणाधीन राशन की दुकानों का कार्य समय से पूर्ण कराया जाए। मनरेगा के अंतर्गत अन्नपूर्णा भवन बनवाए जाएं। उन्होंने एडीओ पंचायत की ग्राम पंचायतों पर साफ-सफाई कराने एवं दूषित पानी को नालियो द्वारा नजदीकी तालाबों में ले जाने हेतु निर्देश दिए।

उन्होंने बीडीओ को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी ग्राम पंचायतों व ब्लॉकों मे स्वच्छता के साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएं एवं साप्ताहिक समीक्षा भी की जाए। गौशालाओं में साफ-सफाई कराई जाए एवं हरे चारे की नियमित, स्थायी व्यवस्था करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिये। सभी गौशालाओं में चारा काटने की मशीन उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पशु एम्बुलेंस के लिए 1962 पर कॉल करें, जिससे तत्काल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कुपोषित गोवंशो का समय से उपचार किया जाये। हर ब्लॉक में ग्राम पंचायत चिन्हित किए जाएं एवं वहां के लोगों को प्रशिक्षण दिया जाए जिससे वर्मी कम्पोस्ट का कार्य चालू कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन पंचायत भवन, अंत्येष्टि स्थलों का कार्य नवम्बर तक पूर्ण कराया जाए। उन्होंने दिव्यांगजन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सांसद निधि के अंतर्गत सोलर स्ट्रीट लाइट लगाई जाएं। बैठक में सीडीओ अजय कुमार गौतम, जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, एसडीएम न्यायिक राकेश प्रसाद, जिला पंचायत राज अधिकारी बनवारी सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रमेश चंद्र, सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

अधीक्षण अभियंता विद्युत आईटी सेल आगरा ने किया निरीक्षण

जसवंतनगर। अधीक्षण अभियंता विद्युत आईटी सेल आगरा हरीश चौधरी ने रविवार को अचानक यहां स्थित विद्युत उपकेंद्र का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने बलरई फीडर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक मशीन बंद पाई गई जिसे तुरंत दुरुस्त करवाने के निर्देश दिए गए। उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने, बिना वजह कटौती या लोड शेडिंग की स्थिति न उत्पन्न हो, हर घंटे की वितरण रिपोर्ट मंडल कार्यालय भेजने, सप्लाई पर सतत निगरानी रखने के अधीनस्थों को निर्देश दिये। मशीनों के रखरखाव व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया गया और कर्मचारियों को प्रेरित किया गया कि वे जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ काम करते रहें।

उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति सिस्टम में कोई भी लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण तृतीय कृष्ण कुमार, एसडीओ आनंद पाल सिंह अवर अभियंता कौशल पांडे समेत स्थानीय विद्युत अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

फिशर फॉरेस्ट पौधशाला में किया नेचर वॉक

फिशर फॉरेस्ट पौधशाला क्षेत्र में नेचर वॉक करते डॉ. डीके दुबे व अन्य।

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। सोसाइटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के नेतृत्व में महासचिव डॉ राजीव चौहान ने फिशर फॉरेस्ट पौधशाला क्षेत्र में नेचर वॉक कराया। उन्होंने यहां पर तैयार किये जा रहे पेड़ पौधों एवं पाई जाने वाली जैव विविधता का अवलोकन कराया ।

जनपद के प्रकृति प्रेमियों के लिए आयोजित नेचर वाक का शुभारंभ बीएन सिंह बायोलॉजिस्ट लाइन सफारी ने किया। उन्होंने बताया कि सर्दी का मौसम प्रारंभ हो रहा है और इस समय प्रवासी पक्षियों का आना शुरू हो जाता है वन एवं जल क्षेत्र प्रवासी पक्षियों के लिए उपयुक्त आवास स्थल होते हैं इसीलिए हम लोग जल एवं वन क्षेत्र में नेचर वॉक किया करते हैं ।

डॉ अत्री गुप्ता द्वारा प्रतिभागियों को पेड़ पौधों की 64, चिड़ियों की 17, कीटों की 6 एवं तितलियों की 8 प्रजातियों से रूबरू कराया गया। इसमें जनपद के प्रतिष्ठित हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ देवेंद्र दुबे द्वारा विभिन्न पौधों का औषधीयों में हो रहे इस्तेमाल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रकृति प्रेमियों में डॉक्टर, शिक्षक-शिक्षिकाएं, बच्चे एवं अन्य लोग शामिल रहे। दो घंटे के नेचर वॉक के दौरान डॉ मंजुल चतुर्वेदी ने प्रकृति से जुड़े हुए विभिन्न रोचक तथ्यों से भी अवगत कराया ।

छठी मइया पुस्तक का हुआ विमोचन

कार्यालय संवाददाता इटावा

पुस्तक के लोकार्पण अवसर पर मौजूद सदर विधायक व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार । छठ पर्व पर 'छठी मईया' पुस्तक के आवरण का लोकार्पण सदर विधायक सरिता भदौरिया द्वारा किया गया।

छठी मईया पुस्तक की लेखिका ऋचा राय हैं जिन्होंने यह पुस्तक जगत पिता सूर्य नारायण एवं छठी माता को समर्पित की है। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित सदर विधायक सरिता भदौरिया ने ऋचा राय की रचनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इटावा में सब कुछ था परंतु ऋचा जैसी कोई कवयित्री नहीं थी। ऋचा ने इटावा को छठ से जोड़ने का एक नवीन प्रयास किया है जिससे हमारी सांस्कृतिक सामाजिक एवं धार्मिक विचारशक्ति दृढ़ हुई है। उन्होंने छठ व्रत को समाज के सभी वर्गों को जोड़ने वाला बताया। कार्यक्रम में देश में विख्यात जनपद

- लेखिका ऋचा राय ने इस पुस्तक में छठ व्रत के महत्व पर डाला प्रकाश

के कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। डॉ.राजीव राज, राम जनम सिंह, डॉ.शिव गोपाल अवस्थी, रजनीश त्रिपाठी लपेटे में नेताजी शो से प्रसिद्ध अवनीश त्रिपाठी, नेहा शर्मा आदि ने अपनी बात रखी। छठी मईया पुस्तक के माध्यम से ऋचा राय ने छठ व्रत का सम्पूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में छठ व्रत ही एकमात्र पर्व है जो वैदिक मान्यताओं को संजोए हुए है इसलिए छठ व्रती होने के नाते उन्होंने छठ के प्रति अपने अनुभव के सापेक्ष छठ के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक आदि दृष्टिकोण पर यह रचना की है। कार्यक्रम में डॉ. ऊष्मा मिश्रा, गुड्डी बाजपेई, सीमा सिंह, मांडवी मिश्रा, अनामिका पांडेय, कामना सिंह आदि मौजूद रहीं।

सूने घर से नकदी व आभूषण चोरी

जसवंतनगर। क्षेत्र के ग्राम नगला कंचनियाँ में एक सूने घर से चोरी का मामला सामने आया है। गृहस्वामिनी गीता पत्नी बीरेंद्र सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि उनके घर से नकदी और चांदी के आभूषण चोरी हो गए हैं। गीता अपने पति और बच्चों के साथ गत 23 अक्टूबर को मायके जैतपुर गई हुई थी, जिसके कारण उनका घर सूना था। जब वे तीन दिन वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चोर घर से सोने व चांदी के आभूषण समेत 8 हजार रूपये नकद और सूटकेस चुरा ले गए। चोरी हुए सूटकेस में जरूरी कागजात व अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। गीता ने अपनी शिकायत में अपने देवर और कुछ अज्ञात व्यक्तियों पर चोरी का आरोप लगाया है।

सड़क पर मिला पर्स पुलिस ने लौटाया

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

अमृत विचार । पुलिस हर जगह पर अपनी ड्यूटी पूरी तत्परता से करती है । पुलिस की मानवता, सेवाभाव व इमानदारी लोगों को नसीहत देकर जाती है। इससे लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

शनिवार शाम को बलरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस कर्मी रवि देव एवं अजय कुमार फैंटम मोबाइल पर गश्त के दौरान भ्रमणशील थे तभी बलरई नहर पुल के पास सड़क किनारे एक लेडीज पर्स पड़ा हुआ मिला। पर्स में सोने के जेवरात, दो मोबाइल फोन, तीन हजार रुपये सभी की कुल कीमत लगभग पांच लाख रुपये एवं कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए। पर्स में रखे प्रपत्रों पर अंकित मोबाइल नंबरों के आधार पर संपर्क कर पर्स की पहचान रामदेवी पत्नी श्रीकृष्ण

खोये हुए पर्स को महिला को लौटाता पुलिस कर्मी। अमृत विचार

- पर्स में पांच लाख के जेवरात समेत अन्य कीमती सामान रखे थे

राजपूत निवासी ग्राम समाराम का पुरवा थाना दिबियापुर जिला औरैया के रूप में की गई। पुलिस द्वारा उक्त महिला को तत्काल बुलवाकर पर्स में रखे गए समस्त सामान को चेक कराकर उसके सुपुर्द किया गया। अपने खोये हुए कीमती सामान की वजह से माथे पर चिंता की लकीरों से घिरी महिला को जब खोया हुआ सामान सहित पर्स मिला तो उसका चेहरा खुशी से खिल गया। घटना के संबंध में पुलिस के उच्च अधिकारियों द्वारा महिला से वार्ता की गई। महिला राम देवी व उसके परिवार ने इटावा पुलिस की ईमानदारी एवं सेवाभाव के लिए आभार प्रकट किया। पुलिस की इस ईमानदारी, सतर्कता एवं संवेदनशीलता के लिए राहगीरों एवं स्थानीय नागरिकों ने भी उनकी खुलकर सराहना की। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा सराहनीय कार्य करने वाले आरक्षियों को सम्मानित किया गया, जिससे अन्य कार्मिकों में भी उत्साह व्याप्त हुआ।

बाइक गाय से टकराई तीन लोग हुए घायल

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार । थाना बकेवर क्षेत्र के अन्तर्गत बकेवर- लखना मार्ग पर औरैया जिले के अजीतमल कोतवाली के अटसू के ग्राम लाल का पुर्वा से अपनी भतीजी के साथ मोटर साइकिल से बहन को उसकी ससुराल करौंधी छोड़ने जा रहे युवक की मोटरसाइकिल गाय से टकरा गई। इससे युवक, उसकी बहन व भतीजी घायल हो गईं। सभी घायलों को 50 शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां पर प्राथमिक इलाज के बाद शिवम को जिला अस्पताल भेज दिया गया।

इस सम्बन्ध में बताया जाता है कि शिवम पुत्र राजवीर सिंह निवासी लाल का पुर्वा अटसू अजीतमल अपनी मोटरसाइकिल से अपनी

- बहन को उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा था युवक

बहन पूजा पत्नी विकास बाबू निवासी करौंधी को अपनी भतीजी आस्था पुत्री नरेशबाबू को लेकर छोड़ने जा रहा था कि तभी बकेवर लखना मार्ग पर मां कालिका गैस गोदाम के पास अचानक सड़क पर गाय के निकलने से बाइक गाय से टकरा गई, जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर कर घायल हो गये। तीनों घायलों को बसपा नेता जेडी दोहरे ने 50 शैय्या अस्पताल में ले जाकर उपचार के लिए भर्ती कराया जहां पर चिकित्सक रविन्द्र शाहू ने उपचार करते हुए शिवम को गम्भीर चोटें होने पर लहुलुहान होने के चलते जिला अस्पताल रिफर कर दिया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर होंगे अनेक कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । विधायक सरिता भदौरिया ने भाजपा कार्यालय पर प्रेसवार्ता में कहा कि सरदार पटेल के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्ष से हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस बार भी 31 अक्टूबर को जनपद में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जाएगा। इसका शुभारंभ जिला मुख्यालय स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया जाएगा। 'रन फॉर यूनिटी' यात्रा में आर्मी के रिटायर्ड जवान, अन्नदाता, श्रमिक, भाजपा के अनुशांगिक संगठन,

प्रेसवार्ता में कार्यक्रमों की जानकारी देतीं सदर विधायक सरिता भदौरिया।

एनएसएस, एनसीसी, स्काउट गाइड सभी को जोड़ा जाएगा। 31 अक्टूबर को भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा जनपद के सभी बूथों पर सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। विद्यालयों एवं पार्कों में कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। लौह पुरुष के महान व्यक्तित्व पर निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जायेंगी। प्रेसवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष अरुण कुमार अन्नू गुप्ता, प्रेमदास कठेरिया, सावित्री कठेरिया, रामकुमार चौधरी, राहुल राजपूत, रजत चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी रोहित शाक्य, सोशल मीडिया जिला संयोजक विमलेश शाक्य, समीर सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

आनन्द स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी समारोह आज से

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । जनता कॉलेज बकेवर के संस्थापक सेक्रेटरी एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् आनन्द स्वरूप मिश्र जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में दो दिवसीय भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने बताया कि यह आयोजन 27 एवं 28 अक्टूबर 2025 को विविध कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा।

27 अक्टूबर 2025 को कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड रिबन क्लब, रोवर्स रेंजर्स इकाई के साथ जनता कॉलेज बकेवर तथा जनता विद्यालय इंटर कॉलेज बकेवर की एनसीसी इकाई के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान जागरूकता संगोष्ठी एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा । इसके अलावा तमाम प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जायेगा।

28 अक्टूबर 2025 को मुख्य कार्यक्रम के रूप में जन्म शताब्दी समारोह का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व एयर चीफ मार्शल राकेश कुमार सिंह भदौरिया उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में बांके बिहारी हाई पावर मैनेजमेंट कमेटी वृंदावन, मथुरा के अध्यक्ष एवं उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के पूर्व न्यायमूर्ति अशोक कुमार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में सांसद इटावा जितेंद्र दोहरे, पूर्व सांसद राज्यसभा व पूर्व छात्र प्रो. रामबख्श वर्मा, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक आदि मौजूद रहेंगे।

चिकित्सा | मर्म चिकित्सा शिविर का माह में तीसरी बार हुआ आयोजन

बिना दवाओं के मरीजों का किया उपचार

कार्यालय संवाददाता उरई

मरीज की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

अमृत विचार । बॉब हेल्थ अकादमी के तत्वावधान में अक्टूबर माह में लगातार तीसरी बार निःशुल्क मर्म चिकित्सा शिविर का आयोजन माहिल तालाब पार्क उरई में प्रातः 6:00 बजे से किया गया । इसमें करीब दो सैकड़ा लोगों ने प्रतिभाग़ कर विभिन्न बीमारियों जैसे घुटने का दर्द, कमर का दर्द, स्पाइन का दर्द ,माइग्रेन, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, साइटिका, स्पॉन्डिलाइटिस, एसिडिटी, पार्किंसनस, पैरालिसिस जैसी बीमारियों की मर्म चिकित्सा द्वारा उपचार किया गया।

निःशुल्क मर्म चिकित्सा शिविर में एक विशेष बात होती है कि इस चिकित्सा शिविर में किसी भी प्रकार की कोई दवा नहीं दी जाती है एवं रोगियों का उपचार जल पिलाकर एवं मानव शरीर में स्थित 107 मर्म बिंदुओं को उपचारित करके रोग की जड़ पर कार्य किया जाता है। मर्म चिकित्सा के अनुभवी विशेषज्ञ विक्रम पटेल ने बताया कि यह तीसरा निःशुल्क मर्म चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया इससे पूर्व में जिन मरीजों का उपचार किया गया उनमें से सभी ने अपने रोगों में पर्याप्त राहत होने का अनुभव महसूस किया है।

ज्ञात हो वाव हेल्थ अकादमी के संस्थापक वैभव साठे मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ नाड़ी विशेषज्ञ एवं फूड साइंटिस्ट है उनके द्वारा संपूर्ण भारत में मेडिसिन फ्री लाइफ का महाअभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में यह निःशुल्क मर्म चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया है। आज भी शिविर में प्रतिभाग़ करने वाले लोगों ने अपनी बीमारियों में चिकित्सा के उपरांत तुरंत राहत होने का अनुभव प्राप्त किया यह चिकित्सा उपस्थित लोगों ने पहली बार अनुभव की जिसमें बिना दवा के किसी भी प्रकार के दर्द को तुरंत ठीक किया जा सकता है। इस शिविर के आयोजक मंडल ने आगे भी इस तरह के शिविर के आयोजित होने की बात कही आयोजक मंडल में मुख्य रूप से रविन्द्र शर्मा (देशी रसोई) मलखान सिंह एवं बृज बिहारी साहू की भूमिका रही।

राज्य मंत्री को बताई कालपी की समस्याएं

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। रविवार को भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति के जिला उपाध्यक्ष रविंद्र कोरी ने साथियों समेत प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल पंत मन्नू कोरी से मुलाकात करके क्षेत्र के विकास के बारे में चर्चा की।

लखनऊ आवास में भाजपा नेता रविंद्र कोरी, अभिषेक कुमार, शिशुपाल सिंह, के द्वारा श्रम मंत्री मनोहर लाल से भेंट करके जिले में सड़कों के निर्माण, यमुना नदी की रिटर्निंग वॉल आदि के बारे में चर्चा करते हुए क्षेत्रीय विकास कार्यों के बारे में बतलाया। वहीं राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा योगी आदित्यनाथ की सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनहित कार्य योजनाओं का अधिक से अधिक जनता के बीच में प्रचार करके लाभान्वित करने में अग्रणी भूमिका का निर्वाह करें।

राज्य मंत्री मनोहर लाल पंत मन्नू कोरी से भेंट करते भाजपा नेता रविंद्र कोरी व अन्य।

कालपी प्रेस क्लब का शपथ ग्रहण 16 को

कालपी। कालपी प्रेस क्लब कालपी की एक अहम बैठक रविवार को किसान मार्केट स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता क्लब के संरक्षक सतीश द्विवेदी ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 16 नवंबर को भव्य तरीके से किया जाएगा। कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए आयोजन समिति का गठन भी किया गया, जिसमें कई वरिष्ठ पत्रकारों को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में तय किया गया कि कालपी प्रेस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह में जिले और प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार, प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। समारोह में क्लब के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी विधिवत शपथ ग्रहण करेंगे और पत्रकारिता की निष्पक्षता, सत्यता एवं समाज हित के प्रति समर्पित रहने की शपथ लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मामूली बात पर तीन युवकों ने ई-रिक्शा चालक को पीटा

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र में एक ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। निविया चौराहे पर सवारी भरते समय तीन युवकों ने उससे गाली-गलौज की और विरोध करने पर पिटाई कर दी। दहेलिया निवासी ई-रिक्शा चालक निविया चौराहे पर सवारियां भर रहा था। इसी दौरान निविया के तीन युवक वहां पहुंचे और उससे गाली-गलौज करने लगे। जब चालक ने इसका विरोध किया, तो युवकों ने उससे मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान आसपास के दुकानदारों ने बीच-बचाव किया। हालांकि, तीनों युवक मारपीट करने के बाद मौके से फरार हो गए। पीड़ित ई-रिक्शा चालक ने राजेपुर थाने पहुंचकर सीओ संजय वर्मा अमृतपुर को शिकायत पत्र दिया है।

खड्ढे में गिरा कंटेनर लगा जाम

फर्रुखाबाद। अमृतपुर तहसील क्षेत्र में इटावा बरेली नेशनल हाईवे पर एक कंटेनर हादसे का शिकार हो गया। कंटेनर नेशनल हाईवे से उतरकर खड्ड में जा गिरा। गनीमत रही कि कंटेनर के चालक और उसके सहयोगी को अधिक चोट नहीं आई। दो क्रेन की सहायता से कंटेनर को बमुश्किल खड्ड से बाहर निकाला जा सका। लखनऊ से एक खाली कंटेनर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के लिए शाम को रवाना हुआ था। रविवार दोपहर को थाना राजेपुर क्षेत्र में इटावा बरेली नेशनल हाईवे पर ग्राम भुड्डनपुर में हादसे का शिकार हो गया। कंटेनर नेशनल हाईवे से उतरकर खड्ड में जा गिरा और बाई तरफ पलट गया। कंटेनर के चालक मनोज कुमार को और उसके सहयोगी को बाहर निकाला गया। कंटेनर को निकालने के लिए दो क्रेन को बुलाया गया।

ट्रक फंसी बंच केबल दो पोल गिरे

कायमगंज। देर शाम कम्पिल रोड पर उस वक्त हडकंप मच गया जब कम्पिल रोड से फर्रुखाबाद की ओर जा रहा तंबाकू लदा एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक ऊपर से निकली बिजली की बंच केबल में उलझ गया। हादसा नगर के सबसे व्यस्ततम क्षेत्र ट्रांसपोर्ट चौराहे के समीप पंजाब नेशनल बैंक के पास हुआ। ट्रक ओवरलोड था और उसकी ऊंचाई के कारण वह ऊपर से गुजर रही केबिल को खींचता चला गया। गनीमत रही बड़ा हादसा नहीं हुआ।

महिला थाने में मौजूद दंपति। अमृत विचार

14 जोड़े फिर एक-दूसरे के साथ रहने को राजी

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार महिला थाना ककोर प्रभारी उप निरीक्षक पूजा राठौर की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट नई किरण का आयोजन किया गया। इसमें रविवार को महिला थाना ककोर में 40 फाइलें दायर की गईं, इनमें कुल 14 परिवार जो आपसी वैचारिक मतभेद की वजह से कुछ दिनों से अलग रह रहे थे एक दूसरे के साथ रहने को राजी नहीं थे। जिसके कारण परिवार टूटने की कगार पर था, जिसे समझा बुझाकर पति-पत्नी के मध्य मन-मुटाव कलह को दूर कर एक साथ रहने को राजी कर परिवार से मिलाया गया। नई किरण प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बिखरे परिवारों को एक सूत्र में बांधने का प्रयास हो रहा है।

साढ़े 12 फीट ऊंची महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगेगी

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- शहर के नहर तिराहे पर लगेगी, सौंदर्यीकरण भी होगा

अमृत विचार। शहर को सजाने संवारने के लिए शासन की ओर से एक और कदम बढ़ा दिया गया है। लंबे अरसे से चली आ रही क्षत्रिय महासभा की मुहिम और नगर पालिका परिषद के सहयोग से शहर के दिबियापुर रोड पर नहर तिराहे के पास महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसके लिए निदेशक भारतीय संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश शासन से स्वीकृति मिल गई है।

शासन की ओर से जारी किए गए पत्र में औरैया जनपद समेत कन्नौज और बहराइच जिले में महानुभावों की प्रतिमाएं स्थापित किए जाने को लेकर उक्त जनपदों के जिलाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। इस पत्र में भारतीय संस्कृति विभाग के अपर निदेशक की ओर से जारी पत्र में औरैया शहर के नहर तिराहे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित किए जाने के अलावा कन्नौज जनपद के छिबरामऊ अंबेडकर पार्क में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने की स्वीकृत की गई है। इसी क्रम में बहराइच जिले के नानपारा तहसील के गांव गहोरबा के अंबेडकर पार्क में संविधान निर्माता डॉ भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापित की जाने की अनुमति प्रदान की गई है। शासन की ओर से जारी किए गए पत्र में उक्त जनपदों के जिला अधिकारियों से मूर्ति स्थापित कराए जाने की कार्रवाई करते हुए 10 बिंदुओं पर अपनी संस्तुति सहित आख्या शासन को शीघ्र उपलब्ध कराए जाने को कहा गया है। औरैया शहर के दिबियापुर रोड पर नहर तिराहे के पास महाराणा प्रताप की साढ़े 12 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर कदम बढ़ा दिए गए हैं।

प्रतिकात्मक फोटो।

क्षत्रिय महासभा का रंग लाया प्रयास

औरैया। शहर समेत कन्नौज व बहराइच जनपदों में महानुभावों की मूर्ति स्थापना को लेकर अरसे से मांग की जा रही थी। इस क्रम में शहर में महाराणा प्रताप की अस्वारोही प्रतिभा स्थापित किए जाने को लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा औरैया के संरक्षक कुंवर रविंद्र सिंह की मुहिम रंग लाई है। वहीं कन्नौज जिले में डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की पहल सभापति शिक्षा का व्यवसाय कारण जांच समिति के डॉक्टर मानवेंद्र प्रताप सिंह ने शुरू की तो वहीं बहराइच जिले के जिलाधिकारी की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर गहोरबा गांव में आंबेडकर की प्रतिमा लगाए जाने की अनुमति प्राप्त हुई है। क्षत्रिय महासभा के संरक्षक कुंवर रविंद्र सिंह कुशवाह, जिला अध्यक्ष रामकृपाल सिंह, दिनकर प्रताप सिंह चौहान, रामवीर चौहान, भूपेंद्र सिंह, अंकित सिंह कल्लू, शिवपाल सिंह जादौन, विजय सिंह तोमर, मलखान सिंह बड़े सिंह गौर, विशाल सिंह चौहान, अवधेश भदोरिया आदि लोगों में खुशी जाहिर करते हुए प्रदेश सरकार को बधाई दी है।

सराहनीय रहा नगर पालिका का सहयोग

औरैया। महाराणा प्रताप की अस्वारोही प्रतिमा स्वीकृति से क्षत्रिय महासभा खुश है। मूर्ति स्थापना को लेकर उनकी अरसे पहले की गई मांग अब पूरी हुई है। इसके लिए चेयरमैन का आभार।

– कुंवर रविंद्र सिंह संरक्षक, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा औरैया

27 लाख रुपये से होगा सौंदर्यीकरण

औरैया। शहर की दिबियापुर रोड पर नहर तिहारे पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही इस तिराहे को 27 लाख रुपये से सौंदर्यीकरण कराया जाएगा।

– अनूप गुप्ता, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, औरैया

एटीएम बदलकर ठगी के तीन आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

ठगे थे एक लाख रुपये, आरोपियों के कब्जे से तमंचा, कारतूस, 62 हजार रुपये बरामद

संवाददाता, बिधूना, औरैया

अमृत विचार। एटीएम बदलकर रुपये उड़ाने वाले गिरोह के तीन सदस्य रविवार को पुलिस मुठभेड़ में दबोच लिए गए। इनमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने इनके कब्जे से तमंचा, कारतूस, 62,300 रुपये और 42 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

थाना बिधूना में 25 सितंबर को एक युवती से एटीएम बदलकर 1 लाख रुपये ठगने का मामला दर्ज हुआ था। घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस व स्वाट/सर्विलांस टीम गठित की गई थी। रविवार को मिश्रीपुर गांव के पास चेकिंग के दौरान पुलिस को संदिग्ध लोग नजर आए। पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे और फायरिंग करने लगे। जवाबी कार्रवाई में प्रेम राठौर के पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी विक्की शर्मा और आकाश चौहान पकड़े गए। पकड़े गए बदमाशों पर आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी व औरैया में ठगी, चोरी, गैंगस्टर, एनडीपीएस समेत दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। घायल बदमाश को सीएचसी बिधूना में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इनके खिलाफ बिधूना थाने में आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पकड़े गए बदमाशों से तमंचा 315 बोर, जिंदा व खोखा कारतूस, 62,300 रुपये नकद और 42 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान सहित स्वाट व सर्विलांस टीम के डेढ़ दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी शामिल रहे।

घटना स्थल पर जांच करती पुलिस। अस्पताल में आरोपी से जानकारी लेते एसपी अभिषेक भारती। अमृत विचार

- मिश्रीपुर गांव के पास चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़, आरोपियों पर आगारा, फिरोजाबाद में दर्ज हैं मामले

एक दर्जन आरोपियों का शांति भंग की आशंका में चालान

बिधूना, औरैया। पुलिस द्वारा शान्ति भंग की आशंका पर लगभग एक दर्जन लोगों का चालान कर उप जिलाधिकारी के न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध लगातार चलाये जा रहे अभियान में शनिवार को थाना पुलिस टीम द्वारा शांतिभंग की आशंका में एक दर्जन लोगों का चालान किया गया है। जिसमें रजनेश बाबू , निवासी ग्राम मऊ धाना विधूना, लोकेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम गूरा, मऊ, पुष्पेन्द्र कुमार गुप्ता, निवासी ग्राम गूरा मऊ, स्वामीदीन, निवासी ग्राम मऊ मूरा, लाखन प्रसाद, निवासी ग्राम मऊ गूरा, छेदीलाल, निवासी ग्राम मऊ गूरा, कमलेश कुमार, ग्राम मऊगूरा, सूरज, निवासी ग्राम चन्दरपुर, जितेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम सराय महाजनान, नरेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम सराय महाजनान को अलग अलग प्रकरण में गिरफ्तार कर उपजिलाधिकारी के समक्ष पेश किया गया।

यज्ञ के दौरान जानकारी देते यज्ञाचार्य। अमृत विचार

राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ में दी आहुतियां

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। गायत्री शक्तिपीठ आर्यनगर में आयोजित 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में रविवार को प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक योग व्यायाम, ध्यान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात 9 बजे से 1 बजे तक देव पूजन एवं गायत्री महायज्ञ में सैकड़ों होताओं ने अपनी आहुतियां समर्पित की। शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे टोलीनायक प्रमोद ने बताया कि उज्ज्वल भविष्य की रचना के लिए नर-नारियों के चिन्तन, चरित्र, व्यवहार उत्कृष्ट होना आवश्यक है। यज्ञाचार्य ने बताया कि पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के अनुसार राष्ट्र को सशक्त, समुन्नत, समृद्धिवान बनाने में स्वस्थ, सज्जन, शालीन, अनुशासित, धर्मनिष्ठ, कर्तव्यनिष्ठ आदि गुणों से युक्त युवा नर-नारियों की महती भूमिका होती है। आयोजको ने बताया कि आज दिनांक 27 को प्रातः 6 से 7 बजे तक योग व्यायाम, ध्यान तथा 9 से 12 बजे तक 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं यज्ञोपवीत, विद्यारम्भ, गुरुदीक्षा आदि विविध संस्कार निशुल्क कराये जायेंगे। सायं वेला में 4 बजे से दीप महायज्ञ में हजारों दीपकों द्वारा परिसर को आलोकित किया जाएगा।

कच्ची दीवार गिरने से वृद्धा की थमीं सांसें

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। ककोर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बिरिया कच्ची दीवार गिरने से वृद्धा की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मुआवजा दिलाये जाने की मांग की है।

ककोर गांव निवासी 62 वर्षीय वृद्धा नाजिमा खातून पत्नी फैज मुहम्मद की मिट्टी की दीवार गिरने से दबकर मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार मृतका के घर की दीवार कच्ची मिट्टी की बनी हुई थी, जिसके सहारे ऊपर छप्पर रखा हुआ था। रविवार दोपहर नाजिमा खातून खाना खा रही थीं, तभी अचानक दीवार भरभरा कर गिर गई। देखते ही देखते पूरा कमरा मलबे में तब्दील हो गया, जिससे नाजिमा खातून दब गईं। ग्रामीणों ने शोर सुनकर मौके पर दौड़ लगाई और कड़ी मशक्कत के बाद शव को मलबे से निकाला। गांव वालों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से दीवार में दरारें आ रही थीं, परंतु मरम्मत नहीं कराई जा सकी। लगातार नमी और पुरानी दीवार के कारण यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोग परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

दीपावली बाद बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़

फर्रुखाबाद। दीपावली और भैया दूज त्योहार के बाद शहर के बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है।

बस स्टैंड पर यात्रियों की संख्या इतनी अधिक है कि कई लोगों को बसों के अंदर बैठने की जगह नहीं मिली। कुछ यात्रियों को तो अपनी मंजिल तक जाने के लिए बसें ही उपलब्ध नहीं हो पाईं। शाहाबाद जाने वाले यात्री रजत ने रविवार को बताया कि वह एक घंटे से अधिक समय से बस का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सुबह से ही बस स्टैंड पर खड़े होने की बात कही । वहीं, दिल्ली जाने वाले यात्री विपिन ने रविवार को बताया कि वह दो घंटे से बस के अंदर बैठे हैं, लेकिन बस आगे नहीं बढ़ रही है।

ऑपरेशन नहीं करने पर डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) एवं विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में विस्तार पूर्वक समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी संबंधित अपनी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए ईमानदारी के साथ हर जरूरतमंद को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएं। कोई भी जरूरतमंद असहज महसूस न करे और वह स्वास्थ्य लाभ लेकर स्वस्थ जीवन व्यतीत करें।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा संचारी रोग के समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि समस्त विभाग अपने निर्धारित गतिविधियों को संपादित कराये तथा विशेष अभियान चलाकर ग्राम एवं वार्डों की सफाई कराये। विगत चरण में अपेक्षित कार्य न करने पर संबंधितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई । बैठक में बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आरबीएस टीम द्वारा अपेक्षा के अनुरूप कार्य न करने पर उनका मानदेय काटने तथा संबंधित सीडीपीओ को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवजात शिशुओं की मृत्यु पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि विकासखंड अयाना, अछल्दा, बिधूना में हुई मृत्यु की ऑडिट कराई जाए तथा कारण भी स्पष्ट किया जाए। इससे आगे उन कारणों की पुनरावृत्ति न हो। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत संस्थागत प्रसव के अलावा जो मिसिंग गर्भवती महिलाएं हैं उनकी ट्रैकिंग आरंभ किए जाने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आशा तथा एएनएम वाइज डाटा प्रस्तुत किया जाए। जननी सुरक्षा के अंतर्गत संस्थागत प्रसव ,टीकाकरण, नसबंदी इत्यादि में अपेक्षित उपलब्धि हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही एफआरयू अजीतमल में डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन न करने पर उनके विरुद्ध शासन को पत्र लिखने के साथ साथ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार त्रिपाठी, डी पी एम व एम ओ आई सी सहित सभी संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

बैठक के दौरान निर्देश देते डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

कार्यक्रम

31 अक्टूबर को भव्य पालकी यात्रा और 1 नवंबर को जन्मोत्सव

नौ दिवसीय खाटूश्याम महोत्सव की शुरू हुई धूम

संवाददाता, बिधूना, औरैया

अमृत विचार। श्री खाटूश्याम बाला जी मन्दिर सांवलिया बिधूना में बाबा श्री खाटूश्याम महाराज का नौ दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव श्रीमद् भागवत कथा के साथ मंगलमय शुभारंभ हो गया है। इस दौरान आस्था और भक्ति का सैलाब उमड़ेगा, जिसमें विशेष रूप से 31 अक्टूबर को बाबा खाटूश्यामजी की भव्य पालकी निशान पद यात्रा और 01 नवम्बर को मुख्य जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा।

महोत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। वृन्दावन से पधारे कथा व्यास आचार्य हीतेश नन्दन दीक्षित श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करा रहे हैं। आयोजक दिनेश तिवारी ने बताया कि 31 अक्टूबर को बाबा खाटूश्याम की भव्य पालकी निशान पद यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा बिधूना के वनखंडेश्वर मंदिर से प्रारंभ होगी और पूरे नगर का भ्रमण करते हुए श्री खाटूश्याम मंदिर, सांवलिया पर समाप्त होगी। इसके पश्चात, 1 नवम्बर को बाबा खाटूश्याम महाराज का मुख्य जन्मोत्सव अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक महोत्सव का समापन 2 नवम्बर को पूर्ण आहुति और विशाल भंडारे के साथ होगा। समस्त धार्मिक अनुष्ठान आचार्य हीतेश नन्दन दीक्षित के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हो रहे हैं। श्याम सेविका श्रष्टि तिवारी, श्याम भक्त अंशुल दुबे, प्रशांत गुप्ता, रितिक बाजपेई, शुभम सिंह, राहुल तिवारी, बंटू सेंगर पूर्व फौजी, गौरव सेंगर सभासद, अनुराग सेंगर व आकाश चौहान और उनकी टीम ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से इस भव्य समारोह में शामिल होकर पुण्य लाभ कमाने का विनम्र आह्वान किया है।

महोत्सव के दौरान कलश लेकर जातीं युवतियां। अमृत विचार

1 नवम्बर को खाटूश्यामजी का विशाल जागरण

औरैया। खाटूश्याम जी के जन्मोत्सव के अवसर पर 1 नवम्बर को लहरापुर के मुख्य बाजार में भव्य एवं विशाल जागरण का आयोजन होगा। आयोजन समिति खाटू श्याम सेवा समिति ने बताया कि इस पावन अवसर पर खाटूश्याम जी का अलौकिक दरवार व झांकी सजाई जाएगी और प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा व अतुल सांवरे झांकी ग्रुप द्वारा पूरी रात्रि भक्ति संगीत व खाटूश्यामजी की झांकी प्रस्तुति की जाएगी। भक्तों में इस आयोजन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। रविवार दोपहर में खाटूश्याम भक्तों ने सैकड़ों की संख्या में बाइकों से शोभायात्रा निकालते हुए लहरापुर क्षेत्र के आसपास के गांवों जैसे झबरा, दिवरी, करचला, ठाकुर गांव, बेल्हूपुर, नवीमोहन, दिवरी, फतेहपुर, इटाहा आदि में जाकर लोगों को होने वाले जागरण के बारे में सूचित किया। जगह-जगह भक्तों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम श्रद्धालुओं की भावना और सेवा भाव को समर्पित है। सभी भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खाटूश्याम जी के इस भव्य जागरण में सम्मिलित होने की अपील की गई है। आयोजन स्थल को रंगीन झालरों और रोशनी से सजाया जाएगा, वहीं सुरक्षा और व्यवस्था के लिए स्थानीय प्रशासन से भी सहयोग लिया जा रहा है। भक्तों का कहना है कि खाटूश्याम जी का यह जन्मोत्सव सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति लेकर आएगा।

जिला वॉलीबाल एसो. के अध्यक्ष बने डॉ. अनुरुद्ध

अजीतमल। रविवार को जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन की बैठक गांधीनगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें जिला वॉलीबॉल ओलंपिक एसोसिएशन कार्यकारणी का गठन किया गया।

उत्तर प्रदेश वॉलीबाल एसोसिएशन से नामित पर्यवेक्षक धीरेन्द्र सचान व जिला ओलंपिक एसोसिएशन के पर्यवेक्षक अवनीश कुमार की मौजूदगी में अजीतमल के गांधीनगर मोहल्ला स्थित कार्यालय में जिला ओलंपिक वॉलीबाल एसोसिएशन का निर्वाचन सम्पन्न हुआ। जिसमें चार वर्ष के लिए निर्वाचित पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चुना गया। जिसमें अनिरुद्ध प्रताप सिंह को अध्यक्ष चुना गया। जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र कुमार राजपूत, महासचिव मनीष मिश्रा, संयुक्त सचिव शिवम कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह व सदस्य बनाए गए।

भागवत सुनने से पाप कर्मों का क्षय होता है

संवाददाता,बेला (औरैया)

अमृत विचार। कस्बा बेला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के अवसर पर कथा वाचक सुशील कुमार महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा श्रवण से मनुष्य का सच्चा मार्गदर्शन होता है इसलिए समस्त श्रोताओं को श्रीमद् भागवत कथा का मन से श्रवण करना चाहिए। कथा से मनुष्य के पाप कर्मों का क्षय होता है। साथ ही पुण्य फलों का उदय होता है।

कस्बा बेला के दिबियापुर रोड पर लुकमान सिंह टीकम सिंह इंटर कॉलेज महू के पूर्व प्रधानाचार्य महेश प्रताप सिंह सेंगर एवं उनकी धर्मपत्नी कुसुमा देवी द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ में सरस कथा वाचक सुशील कुमार महाराज उर्फ दद्दाजी ने प्रवचन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का एक-एक श्लोक मनुष्य के मोक्ष के लिए पर्याप्त है उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से मनुष्य का अंतर ज्ञान विकसित होता है इससे उसका कल्याण होता है। उन्होंने ने कहा कि ईश्वर अपनी रची सृष्टि मानव को कभी भी अकेला नहीं छोड़ता है उसके समुचित मार्गदर्शन के लिए ईश्वर समय-समय पर अपने अवतार पृथ्वी पर भेजता है जो दुष्टों का दमन और सज्जनों की सुरक्षा व मार्गदर्शन करते हैं। कहा कि प्रभु लीलाधारी है। इस मौके पर राधेश्याम सिंह, स्वामी शरण, यतींद्र प्रताप, सुधींद्र प्रताप, अविनींद्र प्रताप, शिवेंद्र प्रताप, शत्रुघ्न सिंह आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

दो भाइयों पर मारपीट करने का लगा आरोप

बिवांर। कस्बे के उमरी रोड के पास के जयशंकर पुत्र राम आसरे कुशवाहा ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि सुबह दरवाजा के सामने पड़ी गोबर की खाद को निकाल रहा था। खाद में दबी अपनी लकड़ी को निकालने पर पड़ोस के दो सगे भाई रवी व अजय पुत्रगण लल्लू प्रजापति आकर अपनी जगह होने की बात को कहने लगे। दोनों भाई अभद्रता करते हुए निकाले जाने से मना करने लगे। विरोध करने पर दोनों भाई मारपीट करने लगे। जिससे शरीर में चोटें आई है। भाई ओम प्रकाश के बीच बचाव के करने पर दोनों भाइयों ने उसके साथ भी मारपीट की। पीड़ित ने दोनों भाइयों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिली है जांच का कार्य कर दोनों भाइयों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

दुकान के बाहर से सोलर प्लेट चोरी

बिवांर। कस्बे के बांधुर तिराहा के पास रहने वाले नफीस खां सब्जी के बिक्री की दुकान किये हैं। दिन में उसने सौर ऊर्जा की बड़ी प्लेट को चार्ज करने के लिए दुकान के बाहर धूप में रख दिया। तभी अज्ञात चोर उसकी प्लेट चोरी कर ले गए। शाम को दुकान में रोशनी के किए जाने के लिए देखने पर प्लेट गायब मिली। तलाश किए जाने पर कोई सुराग नहीं लगा। पास की दुकान में सीसीटीवी फुटेज में देखने पर एक युवक प्लेट को सिर में लिए हुए जा रहा था। पीड़ित ने थाने में चोरी की तहरीर दी है।

मनचले युवक के खिलाफ तहरीर

बिवांर। थानाक्षेत्र के छानी खुर्द गांव के मिजाजी पुत्र लल्लू वर्मा ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि पड़ोस का युवक अशफाक पुत्र मुन्ना खां अपने फोन में चोरी छुपे पुत्री की फोटो बनाकर डाले हुए हैं। अश्लील फोटो के साथ उसे जोड़कर आए दिन परेशान कर रहा है। किसी से बता देने पर जान से मार देने की धमकी दे रहा है। पुत्री को वीडियो वायरल कर जिंदगी के खराब कर देने की धमका दे रहा है। पुत्री के साथ अभद्रता व अश्लील टिप्पणी करता है। जानकारी देने पर उसके पिता से उलाहना देने पर जातिसूचक शब्दों को कहते हुए अभद्रता करने लगा। पिता ने युवक के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिली है, रिपोर्ट दर्ज कर मनचले युवक के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

घर में युवती को पीटा छेड़खानी का आरोप

राठ। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने तहरीर देकर बताया कि शनिवार की देर शाम वह अपने घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव के दो युवक जो कि सगे भाई भी हैं उसके घर में घुस आए। आरोप लगाया कि आरोपी युवकों ने गाली गलौज कर छेड़छाड़ करने लगे। बताया कि जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे जमकर पीटा। मारपीट होती देख उसकी बहन उसे बचाने के लिए दौड़ी तो उसे भी मारा पीटा। पुलिस ने बताया दोनों पक्षों में वार्ता चल रही है।

दिव्यांग ने लगाई आग थम गईं सांसें

राठ। जलालपुर थाने के भेंडी डांडा ग्राम पंचायत के क्योटरा निवासी भगवानदीन (45) पुत्र परसोला ने संदिग्ध हालात में शनिवार रात शराब के नशे में आग लगा ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जब परिजनों ने भगवानदीन को मरा पड़ा देखा तो उनके होश उड़ गए। परिजनों ने बताया कि भगवानदीन जलालपुर थाना क्षेत्र के खंडौत गांव का मूल निवासी था। काफी वर्षों से वह अपने मामा के यहां रह रहा था। उसके नाम पांच बीघा जमीन थी। उसके भतीजे रामकुमार ने बताया कि उसके चाचा भगवानदीन दोनों हाथों से दिव्यांग थे। वह शराब पीने का लती था।

चाचा व चचेरे भाई के खिलाफ दी तहरीर

बिवांर। थाना के बांधुर खुर्द गांव के बृजेंद्र पुत्र यदुनाथ सिंह ने थाना में तहरीर देते हुए बताया कि बाबा रामशरण की लगाई गई बागवानी में चाचा विजय बहादुर अपना अधिकार जमाए हुए गेट में ताला बंद किए हैं। हिस्सा मांगने पर देने से इनकार कर अभद्रता करता है। विरोध करने पर चाचा अपने पुत्र राजकुमार के साथ कुल्हाड़ी लेकर मारने के लिए दौड़ पड़ा। बृजेंद्र अपना बचाव करते हुए भाग गया। चाचा उसको जान से मारने की धमकी दे रहा है। चाचा से परेशान होकर उसने थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि पिता पुत्र दोनों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

बीए की छात्रा ने फंदा लगा आत्महत्या की

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- शनिवार की शाम घर के कमरे में फंदे पर लटता मिला शव
- आत्महत्या की वजह साफ नहीं जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

अमृत विचार। बीए कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा ने संदिग्ध हालात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने जब युवती को घर के कमरे में फंदे पर लटकता देखा तो परिवार में हड़कंप मच गया। आत्महत्या की वजह अभी साफ नहीं हो सकी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटना शनिवार शाम की है।

कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव के रहने वाले कालीचरण की 18 वर्षीय पुत्री एकता जराखर गांव के पास स्थित एक महाविद्यालय में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। शनिवार की शाम एकता ने घर के कमरे में खुद को बंद कर फांसी लगा ली। काफी देर बाद जब परिजनों ने युवती को फांसी के फंदे पर लटकता देखा तो पूरे परिवार में हड़कंप मच गया।

एकता।

परिजनों ने बताया कि पिता कालीचरण और एक भाई बाहर रहकर मजदूरी करते हैं। उन्हें घटना के बारे में सूचना दे दी गई है। उनके आने का इंतजार है। अचानक हुई इस घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है। एकता की मां संतोषी और भाई सुदीश व अरुण सहित अन्य परिजनों का बुरा हाल है। कोतवाल अमित कुमार ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

आरोग्य मेले में 22 मरीजों का उपचार

कुरारा। क्षेत्र के पारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। जिसमें 22 मरीजों का उपचार किया गया।

क्षेत्र के पारा पीएचसी में रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें डॉक्टर विहीन होने पर फार्मासिस्ट के सहारे चल रहे है। आरोग्य मेले में 22 मरीजों का उपचार किया गया। जिसमें 4 लोगों की शुगर की जांच की गई, 9 लोगों की खून जांच की गई, एक लोग का ब्लड ग्रुप, मलेरिया 2, टाइफायड 2 मरीजों की जांच की गई। पारा गांव के श्यामू सिंह ने बताया कि काफी वर्षों से चिकित्सक का पद खाली होने से गांव के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। फार्मासिस्ट ने बताया कि बदलते मौसम के चलते खांसी, जुकाम, वायरस के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। आरोग्य मेले मे फार्मासिस्ट आनंद स्वरुप, स्टॉफ नर्स रश्मि आदि मौजूद रहे।

मेरे सूने मधुवन में बहार आ गई...

जवाबी कार्यक्रम में महिला कलाकार को सम्मानित करते अतिथि। अमृत विचार

कार्यक्रम में महिलाओं और युवतियों ने ग्वालिन के रूप में हिस्सा लिया। अमृत विचार

संवाददाता, सरीला

- चण्डौत गांव में बुंदेली परंपरा के अनुसार सजाई गई महफिल
- ग्वाल और ग्वालिन के बीच गीतों के साथ हुआ सुमधुर मुकाबला

अमृत विचार। क्षेत्र के चण्डौत गांव में रविवार को बुंदेलखंड की प्राचीन परंपरा को कायम रखने के लिए कार्तिक मास की पंचमी को व्रत रखने वाली ग्वालिन स्वरूप महिलाओं एवं ग्वालों के बीच जवाबी कार्यक्रम आयोजित हुआ। ग्वाल और ग्वालिन की महफिल में बुंदेली गीत गूंजे।

इस दौरान दोनों ओर से बुंदेली और ब्रजभाषा में छंद, सोरठा गाकर सवाल जवाब किए गए। दोनों पक्षों की ओर से सुंदर गीतों के माध्यम से अंताक्षरी के रूप में जवाबी मुकाबला होता रहा। ग्वाले के रूप में हरदुआ गांव से आए कल्लू यादव द्वारा 'मेरे सूने मधुवन में बहार आ गई, देखो सखा माखन लेके ग्वालिन आ गई' जैसे सवैया, सोरठा, छंद गाकर दर्शकों का मन खुश कर दिया। इसी बीच दर्शकों ने खूब मनोरंजन किया।

इसके बाद सखियों ने ग्वालों को माखन खिलाया। गोपिका मंडल में राठ, उरई, करही, परासन, अतरौली, बिरहट, गुटकवारा से महिलाएं आई और ग्वाल मंडल में हरदुआ से आए कल्लू यादव, रामकिशन ग्वालों की भूमिका में थे। अतिथि के रूप में आए देवेंद्र राजपूत, पुष्पेंद्र राजपूत, रामसहोदर नेता, ज्ञान सिंह ने सभी गोपिकाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान शिव शंकर, लाखन दादी, कुलदीप पाठक, राजकुमार, अरविंद्र नेता, नौतम, राघवेंद्र, धर्मेश लोधी, रोहित राजपूत सहित कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

5 साल बाद ससुराल आई पत्नी तड़के लटका मिला पति का शव

मौदहा कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गांव की घटना, ग्रामीणों को पत्नी पर संदेह

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- पति की कुछ जमीन अपने नाम कराकर मायके में रहती पत्नी
- पुलिस बोली, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी मामले की जांच

अमृत विचार। मदारपुर गांव में एक व्यक्ति का संदिग्ध हालात में फंदे पर शव लटका मिला। इस घटना से गांव में सनसनी फैल गई। खास बात यह है कि युवक की पत्नी पांच साल बाद अचानक घर लौटी थी और कुछ ही घंटे बाद यह घटना हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रारंभिक छानबीन करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गांव का रहने वाला हरिश्चंद्र निषाद (45) कई वर्षों से गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। उसकी पत्नी रामसखी करीब पांच साल पहले पति के हिस्से की कुछ जमीन अपने नाम कराने के बाद मायके चली गई थी। दोनों की दो बेटियां हैं, जो मां के साथ ही रहती हैं। ग्रामीणों के अनुसार शनिवार की रात रामसखी अचानक घर पहुंची। उसे किसी ने गांव आते समय नहीं देखा। रविवार की तड़के हरिश्चंद्र का शव फंदे पर लटका होने की खबर से गांव में हड़कंप मच गया।

मदारपुर गांव में घर के बाहर लगी ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

लोगों का कहना है कि जिन परिस्थितियों में घटना हुई है, वह किसी के गले नहीं उतर रही है। गांव वालों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक जांच-पड़ताल की। पत्नी रामसखी का कहना है कि वह रविवार की तड़के ही गांव पहुंची और पति से मिली थी। इसके बाद कुछ देर के लिए घर से बाहर चली गई और जब लौटी तो पति को फंदे पर लटका पाया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से पीआरडी जवान की गई जान

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

- ई-रिक्शा में बैठकर ड्यूटी के लिए निकला था पीआरडी जवान
- तहसील रोड पर तेज रफ्तार ऑटो ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर

अमृत विचार। थाने से ई-रिक्शा में बैठकर ड्यूटी प्वाइंट पर जा रहे पीआरडी जवान को तहसील रोड पर एसबीआई के पास सामने से आए तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी, जिससे पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कोतवाली में माह अक्टूबर में शांति व्यवस्था ड्यूटी में सुमेरपुर कस्बा निवासी पीआरडी जवान हरिकिशन (55) पुत्र विश्वनाथ लगा है। शनिवार की देर रात करीब साढ़े नौ बजे थाना मौदहा से ई-रिक्शा द्वारा कार्य सरकारी के लिए अपने ड्यूटी प्वाइंट पर जा रहे थे। इस दौरान एसबीआई बैंक के पास सामने से आ रहे अज्ञात ऑटो वाहन चालक द्वारा अचानक तेज व लापरवाही पूर्वक ऑटो चलाते हुए ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। जिससे पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना प्राप्त होने पर घायल को प्राथमिक उपचार के लिए कस्बे की सीएचसी ले जाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। जहां पर उपचार के दौरान पीआरडी जवान की मौत हो गई। थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

जिला अस्पताल में मौजूद परिजन और पीआरडी जवान। अमृत विचार

व्यापारी के 1.42 लाख रुपये ले गए टप्पेबाज

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- दुकान का शटर खोलते समय बैग लेकर भाग निकले टप्पेबाज

अमृत विचार। पुलिस की निष्क्रिय कार्यशैली के चलते कस्बे में चोरी और टप्पेबाजी की घटनाएं थम नहीं रहीं हैं। रविवार की सुबह कोतवाली गेट के पास एक गल्ला व्यापारी से 1 लाख 42 हजार रुपये से भरा बैग टप्पेबाजी कर बदमाश फरार हो गए। व्यापारी रुपयों से भरा झोला पास रखकर दुकान की शटर खोल रहा था। दिन दहाड़े हुई इस टप्पेबाजी की घटना से दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी।

कस्बे के औंडेरा रोड निवासी गल्ला व्यापारी सुधीर गुप्ता पुत्र रमाशंकर कोतवाली से चंद कदम दूर गैस एजेंसी के पास फुटकर गल्ला खरीदने का काम करते हैं। रविवार सुबह करीब 8 बजे अपनी दुकान खोलने आए थे। व्यापारी ने बताया कि उन्होंने रुपयों से भरा बैग पास में रख लिया और दुकान की शटर खोलने लगे। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश उनका बैग लेकर बाइक पर बैठ फरार हो गए। यह घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। लोगों के अनुसार बदमाशों की संख्या तीन बताई जा रही है। घटना के बाद पीड़ित व्यापारी ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। दिन दहाड़े हुई इस घटना से व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ था। व्यापारी ने बताया कि झोले में 1 लाख 42 हजार रुपये रखे हुए थे। कोतवाल अमित कुमार ने बताया घटना की गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही खुलासा होगा।

गायत्री गंगा घाट पर वेदियां तैयार

छठ महापर्व

संवाददाता, सुमेरपुर

- छठ पर्व के दूसरे दिन खरना के साथ पूजा की तैयारियां पूरी
- आज डूबते सूर्यदेवता को अर्घ्य देकर होगी पूजा-अर्चना

अमृत विचार। छठ पर्व के दूसरे दिन व्रतियों ने तपोभूमि के गायत्री गंगा घाट पर मिट्टी की वेदियां बनाई। सोमवार को इन्हीं वेदियों की पूजा करते हुए डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा अर्चना करेंगे। वही मंगलवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करेंगे।

कस्बे में पूर्वांचल एवं बिहार आदि क्षेत्र के बहुत से परिवार रह रहे हैं। यह सभी लोग छठ पर्व बड़े धूमधाम से मनाते हैं। छठ पर्व के दूसरे दिन व्रती महिलाएं एवं पुरुष सूर्य के पूजन के लिए तपोभूमि के गायत्री गंगा घाट पर मिट्टी की वेदियां बनाई है। गोरखपुर के रहने वाले आदित्य जायसवाल व उनकी मां ममता जायसवाल ने बताया कि की छठ मैया की पूजा एवं व्रत अति महत्वपूर्ण है। यह धन-धान्य के साथ परिवार के सभी सदस्यों के दीर्घायु की कामना के लिए मनाया जाता है। बताया कि सोमवार को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा अर्चना की जाएगी।

गायत्री गंगा घाट पर आरती करतीं व्रती महिलाएं। अमृत विचार

वहीं मंगलवार को सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु छठ मैया का निर्जला व्रत रखते हैं जो बहुत कठिन व्रत होता है। वहीं व्यवस्थाओं को देखने के लिए रविवार की शाम सीओ फायर रेहान अली गायत्री गंगा घाट पर पहुंचे और नगर पंचायत के कर्मियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मेला देखने गए युवक की पकड़कर पिटाई

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- मोबाइल फोन, रुपये और सोने की बाली छीनने का आरोप

अमृत विचार। रामलीला का मेला देखने गए एक युवक को चार युवकों ने पुरानी रंजिश के चलते जमकर मारापीटा। घायल युवक को सीएचसी ले जाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक का मेडिकल कराया है। घायल युवक ने आरोप लगाया कि आरोपी युवक जेब में पड़े रुपए, मोबाइल फोन, कान की सोने की बाली छीनकर फरार हो गए। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है।

जानकारी देता घायल पवन कुमार।

कस्बे के चरखारी रोड इलाके में रहने वाले पवन कुमार पुत्र हरनारायण ने बताया कि शनिवार की रात करीब 10 बजे वह रामलीला का मेला देखने गया था। बताया कि मेले उसके तीन दोस्तों ने गुटखा मांगा। जब उसने कहा कि वह गुटखा नहीं लिए हैं तो आरोपी युवकों ने गाली देना शुरू कर दिया। रोकने पर पुरानी रंजिश के चलते उसे पकड़ कर जमकर पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। आरोप लगाया कि आरोपी युवक जेब में पड़े 3 हजार रुपये, मोबाइल फोन और उसके कान की सोने की बाली भी छीन ली। कोतवाल अमित कुमार ने बताया घायल का मेडिकल कराया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

68वीं वर्षगांठ | यज्ञ समिति की बैठक में बनी रूपरेखा, 24 नवंबर से 4 दिसंबर तक चलेगा कार्यक्रम

गायत्री महायज्ञ की तैयारियों पर हुआ मंथन

संवाददाता, सुमेरपुर

अमृत विचार। श्री गायत्री महायज्ञ की 68वीं वर्षगांठ आगामी 24 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर को संपन्न होगी। रविवार को यज्ञ समिति की हुई बैठक में तैयारियों पर मंथन किया गया।

श्री गायत्री महायज्ञ समिति के अध्यक्ष अरुण द्विवेदी (पप्पू भैया) की अध्यक्षता में हुई बैठक में यज्ञ पर चर्चा की गई। राजेश शिवहरे ने यज्ञ समिति का ट्रस्ट बनाने और तपोभूमि की जमीन की उपज आश्रम में रखने की बात कही। इस पर समिति ने बाद में विचार करने की बात रखी। बैठक में पिछले वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। यज्ञ को सुचारू रूप से संपन्न करने पर मंथन करके सभी को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई। बता दें कि ब्रह्मलीन संत स्वामी रोटी राम महाराज नागा स्वामी जी ने कस्बे के इस निर्जन स्थान पर मां गायत्री के मंदिर की स्थापना कराकर विशाल महायज्ञ वर्ष 1957 में संपन्न कराया था। इस महायज्ञ में देश के शंकराचार्य सहित सुप्रसिद्ध संत शामिल हुए थे। इसके बाद से यह निर्जन भुतहा स्थान तपोभूमि में तब्दील होकर धार्मिक स्थल बन गया है। तब से प्रत्येक वर्ष यहां पर यज्ञ कराया जाता है। इस वर्ष यज्ञ 24 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर को विशाल भंडारे के साथ संपन्न होगा। बैठक में स्वामी जगन्नाथ महाराज, स्वामी सुखानंद महाराज, बलदेव प्रसाद शास्त्री, चंद्रपाल सचान, संजय ओमर, प्रकाश बाबू शिवहरे, राजेश शिवहरे, वीरेंद्र शुक्ला, जितेंद्र तोमर, अजय उर्फ कल्लू यादव, अनिल पालीवाल, बालगोपाल गुप्ता, मधु महाराज, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश गुप्ता दीपू, नवल किशोर शुक्ला, संतोष सिंह, श्यामलाल गुप्ता, वीरेंद्र शुक्ला, भार्गव मिश्रा, अनुज गुप्ता, राजेंद्र निगम, कृष्ण कुमार गुप्ता रामू, टिंकू पालीवाल,बबलू गुप्ता, राकेश गुप्ता, कैलाश सोनी, अजय द्विवेदी, रविपाल सिंह मौजूद रहे।

गायत्री महायज्ञ की तैयारियों पर चर्चा करते यज्ञ समिति के पदाधिकारी। अमृत विचार

गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती मनी

संवाददाता, सुमेरपुर

अमृत विचार। वर्णिता संस्था की ओर से विमर्श विविधा के अंतर्गत गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती मनाई गई। संस्था के अध्यक्ष डा.भवानीदीन ने कहा कि जिन विभूतियों का देश के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहा है उनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

गणेश शंकर विद्यार्थी का 26 अक्टूबर 1890 को प्रयागराज में जयनरायन श्रीवास्तव और गोमती देवी के घर जन्म हुआ था। वे पत्रकार और साहित्यकार के साथ ही देशधर्मी भी थे। इन्होंने कानपुर से ही साप्ताहिक पत्रिका प्रताप निकालकर देश को एक दिशा दी। विद्यार्थी जी सांप्रदायिक सद्भाव के समर्थक थे। साम्प्रदायिक संघर्ष खत्म कराने में वह कानपुर में फंस गए और मुस्लिम समर्थक मानकर 25 मार्च 1931 को उनकी हत्या कर दी गई। उनकी सद्भाव की सोच आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते संस्था के अध्यक्ष डॉ.भवानीदीन। अमृत विचार

महान क्रांतिकारी मन्मथनाथ गुप्त को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि ये देशभक्त एवं साहित्यकार थे। उन्होंने लगभग 80 पुस्तकें लिखी। काकोरी केस में वह स्वयं शामिल रहे। इन्हें 14 वर्ष का कठोर कारावास भी मिला। कालांतर में 26 अक्टूबर 2000 को दिल्ली में 92 वर्ष की उम्र में गुप्त जी का निधन हो गया। इस कार्यक्रम में अशोक अवस्थी, सिद्धा, प्रेम, प्रिन्स, रामनारायण सोनकर, विकास, कमलेश कुमार सोनकर, रिचा, बउवा, राहुल प्रजापति आदि लोग शामिल रहे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने किशोरी को किया बरामद

महोबा। खरेला थाने की पुलिस ने अपहृत किशोरी को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। खरेला क्षेत्र की 17 वर्षीय किशोरी को हमीरपुर जिले के मगरौठ का कपिल अहिरवार फुसलाकर ले गया था। किशोरी अपने साथ घर से जेवर नकदी भी ले गई थी। कुंवरलाल ने 25 अक्टूबर को ही खरेला थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देश पर उपनिरीक्षक राकेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने अपने सूत्रों के माध्यम से किशोरी को सकुशल बरामद करते हुए युवक के खिलाफ अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

दबंग ने चरवाहे को डंडे से पीटा, थाने में तहरीर

महोबा। पनवाड़ी थाना क्षेत्र के छांछरी गांव निवासी सुरेंद्र (14) पुत्र खेमचंद्र बकरी चराने के लिए खेत गया था, तभी वह बेरी के पेड़ से पत्तियां तोड़ने लगा, तभी गांव क दबंग वहां से गुजरा और पत्ती तोड़ रहे नाबलिग के साथ गाली गलौज कर वहां से भगाने लगा, जिसका विरोध करने पर सुरेंद्र की दबंग ने लाठी डंडों से मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर शराबा सुन खेत पर काम कर रहे किसानों ने बीच बचाव कर मामला शांत कराय। इसके बाद पीड़ित थाने पहुंचा और दबंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। थाना प्रभारी निरीक्षक अर्जुन सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान आया है, पीड़ित को डाक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया और तहरीर मिलने पर जांच कर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आज भी किराए के भवन में डाकघर

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे का डाकघर आज भी किराए के भवन में चल रहा है। अभी तक अपना भवन नहीं बन पाया है। कस्बे में आजादी के बाद डाकघर की स्थापना हुई थी, लेकिन भवन का निर्माण नहीं हो पाया है। तब से लेकर अभी तक डाकघर कस्बे में किराए के मकान में ही चल रहा है। डाक विभाग द्वारा कस्बे में कार्यालय भवन का निर्माण नहीं हो पाया है। बरसात के मौसम में किराए के भवन में पानी टपकता है। तथा डाकघर के सामने जलभराव भी होता है। जिससे लोगो को परेशानी होती है। कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने डाकघर के भवन के निर्माण की मांग की है। डाक घर के सब पोस्टमास्टर महेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यालय भवन के लिए उच्च अधिकारियों को पत्राचार किया गया है।

मेड़ के विवाद पर दो पक्षों में चले लाठी-डंडे, सात घायल

सदर कोतवाली क्षेत्र के घुटवई गांव में हुआ संघर्ष, घायल जिला अस्पताल में भर्ती

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- खेत बना संघर्ष का अखाड़ा, गांव वालों ने किया बीचबचाव
- पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मामले की जांच शुरू की

अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के घुटवई गांव में खेत की मेड़ को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडे से हमला शुरू कर दिया। इस संघर्ष में दोनों पक्षों की महिलाओं सहित सात लोग घायल हुए हैं। ग्रामीणों ने बीचबचाव कर सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

खेत पर दोनों पक्षों की महिलाओं और पुरुषों के बीच संघर्ष हुआ। अमृत विचार

सदर कोतवाली क्षेत्र के घुटवई गांव में मनोज सिंह और प्रहलाद खंगार के खेत आसपास हैं। दोनों के बीच खेतों की मेड़ को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा है। रविवार को प्रहलाद अपने परिजनों के साथ खेत पर मूंगफली की कटाई करने के बाद बंटवारा कर रहा था, तभी मनोज सिंह अपने परिवार के लोगों के साथ खेत पहुंच गया और मेड़ को लेकर विवाद शुरू कर दिया। प्रहलाद ने काफी समझाने-बुझाने की कोशिश की, लेकिन दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी।

कहासुनी बंद होने के बजाय विवाद बढ़ गया और कुछ देर में ही दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडे से हमला शुरू कर दिया, जिससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। शोरशराबा और मारपीट देखकर आसपास के खेतों पर मौजूद किसान दौड़े और हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को शांत कराया। दोनों पक्षों में मारपीट के बीच एक पक्ष से मनोज सिंह और संजय सिंह घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से प्रहलाद खंगार, अवधेश खंगार, माया, विमला और मायादेवी को चोटें आई हैं।

ग्रामीणों ने सभी घायलों को बाइक और ऑटो की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां मनोज की हालत गंभीर देखकर डाक्टरों ने झांसी मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो मोबाइल में बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। तहरीर के आधार पर सदर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा सरकार व्यापारियों की हितैषी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- उद्योग व्यापार मंडल के वार्षिक सम्मेलन में उठीं समस्याएं
- एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ने सरकार की उपलब्धियां बताईं

अमृत विचार। चरखारी में उद्योग व्यापार मंडल के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रुप में एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर के अलावा विशिष्ट अतिथि भैरो प्रसाद व उदित राजपूत मौजूद रहे, जिन्होंने मां सरस्वती की चित्र पर माल्यापर्ण और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर क्षेत्र के बीस मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व पुरूस्कार देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में व्यापारियों ने विभिन्न समस्याओं से जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया।

वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि ने कहा कि भाजपा सरकार हमेशा व्यापारियों के हित में काम करती आई है। नगर के विकास के लिए भाजपा सरकार लगातार काम कर रही है, जिसमें पर्यटन विकास पर विशेष जोर है। चरखारी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक किले को खाली कराया गया है और इस किले पर पर्यटन विभाग जल्द ही बड़े बजट के साथ विकास कार्य

सम्मानित मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ खड़े जनप्रतिधि। अमृत विचार

शुरू करेगा। उन्होंने स्थानीय स्तर पर व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में सहयोग का आश्वासन दिया। सम्मेलन में व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि एक माह पूर्व स्थानीय समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे व्यापारियों ने रोष व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप किए जाने की मांग उठाई।

सम्मेलन के मौके पर चरखारी क्षेत्र के 20 मेधावी छात्र छात्राओं को मंच में बुलाकर अतिथि के हाथों से प्रशस्ति पत्र के साथ पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष भागीरथ नगायच ने ऑनलाइन खरीद को कम करने पर विस्तार से जानकारी देते हुए व्यापारियों से इस संबन्ध में सुझाव मांगे। व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद स्वरूप दमेले ने भी जीएसटी की जटिलताओं पर विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारी, चरखारी विधायक प्रतिनिधि उदित राजपूत सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

उपनिबंधक कार्यालयों में तैनात होंगे भूतपूर्व सैनिक व होमगार्ड

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- राज्यमंत्री के प्रयास से उपनिबंधक कार्यालयों में होगी सुरक्षा

अमृत विचार। अब जिले के सभी उप निबंधक कार्यालयों में सुरक्षा गार्ड के रुप में भूतपूर्व सैनिक एवं होमगार्ड की व्यवस्था कराए जाने के शासन ने महानिरीक्षक निबंधन उत्तर प्रदेश लखनऊ को आदेश जारी कर दिए है। शासन द्वारा जारी किए गए आदेश में बताया कि प्रदेश में कुल 380 निबंधक कार्यालयों में सुरक्षा गार्ड की तैनाती की जाएगी, जिससे इन कार्यालयों में प्रतिदिन करोड़ों की होने वाली रजिस्टरी कराने के लिए आने वाले क्रेता और विक्रता सुरक्षित रह सकेगें।

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री स्टांप एवं पंजीयन विभाग रविंद्र जायसवाल के प्रयास से अब प्रदेश के सभी प्रबंधन और प्रबंधन कार्यालयों में भूतपूर्व सैनिक और होमगार्डो की सुरक्षा के मद्देनजर व्यवस्था की जाएगी राज्यमंत्री की पहल पर प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश शासन अमित गुप्ता ने महानिरीक्षक निबंधन लखनऊ को भेजे गए पत्र में बताया कि प्रदेश में 380 उपनिबंधक कार्यालयों में से 111 कार्यालयों की सुरक्षा के लिए 315 भूतपूर्व सैनिक और 12 सुपरवाइजर उत्तर प्रदेश पूर्व सैनिकल कल्याण निगम के माध्यम से प्राप्त करने व शेष 269 कार्यालयों की सुरक्षा के लिए 789 होमगार्ड लिए जाने पर शासन का करीब 40.53 करोड का व्यय होगा। शासन के आदेश में कहा गया है कि उप निबंधक कार्यालयों की सुरक्षा के लिए प्रदेश भूतपूर्व सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से सुरक्षा गार्डों और पर्वेक्षकों की सेवाओं को वरीयता दें।

ईओ ने शौचालयों की सफाई देखी, डस्टविन भी बांटे

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। नगर पालिका परिषद की टीम वार्डों में लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए अभियान चलाकर जागरूक करने का काम कर रही है साथ ही टीम डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के दौरान सोर्स सैग्रीगेशन कर सफाई कर्मी को कचरा देने के प्रति प्रेरित भी कर रही है। इसी क्रम में रविवार को नगर पालिका परिषद महोबा के अधिशासी अधिकारी अवधेश कुमार ने ग्रांटगंज व जारीगंज वार्ड पहुंचकर अभियान की जमीनी हकीकत देखी और वार्ड वासियों को गीला और सूखे कचरे को अलग अलग देने के लिए डस्टबिन वितरित किए। इस मौके पर ईओ ने सार्वजनिक शौचालयों और कीरत सागर की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

रविवार की सुबह अधिशासी अधिकारी ने वार्ड ग्रान्टगंज एवं

वार्ड में लोगों को डस्टबिन देते अधिशासी अधिकारी। अमृत विचार

सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण करते ईओ। अमृत विचार

- हकीकत देखने के लिए ईओ ने वार्डों का किया निरीक्षण

जारीगंज का निरीक्षण किया और सोर्स सैग्रीगेशन के लिए वार्डो में टीम द्वारा किये जा रहे जागरूकता के कार्य की जमींनी हकीकत जानी। ईओ ने निरीक्षण में पाया कि टीम के सदस्य वार्ड वासियों को सूखा एवं गीला कचरा डोर टू डोर के लिए आने वाले सफाई कर्मचारियों को पृथक पृथक देने के लिए समझाया जा रहा है। अधिशासी अधिकारी ने वार्ड में लोगों को गीला सूखा कचरा अगल अलग रखने के लिए डस्टबिन प्रदान किये। ईओ ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 01 सितम्बर से 30 नवम्बर 2025 तक महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से नगर के वार्डो में सोर्स सेग्रीगेशन के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे घरों को निकलने वाले कचरे को अलग अलग एकत्रित कर डम्पिंग ग्राउंड में समाप्त किया जा सके।

अधिशासी अधिकारी ने नगर के वार्ड ग्रान्टगंज, नैकानापुरा, हवेली दरवाजा आदि वार्डों एवं सामुदायिक तथा सार्वजनिक शौचालयों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण का व्यवस्थाओं को देखा, इसके अलावा कीरत सागर सरोवर पहुंचकर सफाई व्यवस्था देखी और अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबन्धक स्वच्छ भारत मिशन नगरीय सौरभ सिंह, जियोस्टेटिक धीरज कुमार, प्रभारी सफाई रामसेवक, भूपेन्द्र कुमार भी मौजूद रहे। अधिशासी अधिकारी ने सुबह के समय किये गये औचक निरीक्षण से सफाई कर्मचारियों में हड़कम्प मच गया है।

फॉर्मर रजिस्टी करवाने पर जोर

संवाददाता, पनवाड़ी

- पंचायत भवन में नायब तहसीलदार की अध्यक्षता में किसानों की बैठक
- बैठक में किसानों ने रबी की बुआई के लिए खाद की समस्या उठाई

अमृत विचार। नायब तहसीलदार अभिषेक मिश्रा की अध्यक्षता में पंचायत भवन में किसानो की एक वैठक आयोजित की गयी। इससे पहले लेखपाल ने गांव में मुनादी कराकर किसानों को आमंत्रित किया।बैठक में भारी संख्या में कृषको ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रबी की फसल की बुबाई के लिए खाद की समस्या का मुद्दा उठाया।

वैठक की अध्यक्षता कर रहे नायब तहसीलदार अभिषेक मिश्रा ने कृषको को सम्वोधित करते हुए बताया कहा कि जिन कृषको की अभी तक फार्मर रजिस्टी नही हुयी है वह किसान शीघ्र राजिस्ट्री करवाये जिससे छूटे हुए कृषको को सम्मान निधि,फसल वीमा,अति वृष्टि,वीज आदि मिलने मे सुविधा मिल सके। उन्होने कहा कि जब तक कृषक जन

बैठक में मौजूद अधिकारी और किसान। अमृत विचार

सेवा केन्द्र से किसान आईडी नही बनवायेगा वह उपरोक्त योजनाओ से वंचित रहेगा।

वैठक मे सभी ग्राम पंचायत सदस्यो ने संयुक्त रूप से एक मांगपत्र नायब तहसीलदार को सौपकर मांग की कि ग्राम पंचायत मे अपात्र अंत्योदय राशन कार्ड धारको के राशन कार्डो की सघन एव निष्पक्ष जाँच कर उनको निरस्त कर पात्र ग्रामीणो को राशन कार्ड दिये जाये।

फार्मर रजिस्ट्री में ही मिलेगी यूरिया

महोबा। नए नियमों के तहत सहकारी समितियों से खाद उन्ही कृषकों को उपलब्ध कराई जाएगी, जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री कराई है। किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्री कराना जरूरी है। यह जानकारी सहायक निबंधक सहकारिता ने दी।

कहा कि कृषक असुविधा से बचने के लिए फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करा लें। जो किसान सहकारी समिति के सदस्य हैं, वह भी फार्मर रजिस्ट्री करा लें। फार्मर रजिस्ट्री कराने के लिये किसान नजदीकी जनसेवा केंद्र में संपर्क कर जानकारी ले सकते हैं। सदस्य अपनी समिति के सचिव से भी संपर्क कर सकते है। फार्मर रजिस्ट्री के लिये कृषक को आधार से लिंक मोबाइल नंबर, खतौनी और बैंक पासबुक कि आवश्यकता होगी। फार्मर रजिस्ट्री के लिए ग्राम पंचायतस्तर पर कैम्प भी आयोजित किये जा रहे है।

साधु-संतों की संगति से मन को मिलती शांति

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। सच्चा सुख साधु संतों की संगति से मिलता है। उनकी संगति से हृदय को शांति और प्रसन्नता मिलती है, जो कि बाहरी दुनिया के सुखों से कहीं बढ़कर है। साधु संत जीवन के सही मार्गदर्शक होते हैं और उनके उपदेश और सत्संग से लोगों में अच्छे कर्म करने की प्रेरणा जगती है। साधु संतो के वचन मन की अशांति को दूर करते हैं और सच्ची प्रसन्नता प्रदान करते हैं। यह विचार सत्संग समिति के प्रमुख डॉ. एलसी अनुरागी ने रविवार को शहर के संत कबीर आश्रम में आयोजित संगीमय सत्संग में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि राम भजन और सत्संग से भी लोगों को सच्चा सुख मिलता है। यह भक्ति और सत्संग मन को शांति देते हैं, नकारात्मक भावनाओं जैसे क्रोध, लालच और

सत्संग में भजन सुनते लोग। अमृत विचार

अहंकार को कम करते हैं और जीवन में सकारात्मकता लाते हैं। सत्संग और भजन करके लोग आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करते हैं और जीवन के सत्यों को समझते हैं, जिससे उन्हें सच्चा और स्थायी आनंद मिलता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कबीर ने कहा कि राम बुलावा भेजिया दिया कबीरा रोय, जो सुख साधु संग में सो बैकुंड न होय। सत्संग में पंडित आशाराम तिवारी ने श्रीमद् भागवत गीता के अध्याय अठारह के श्लोक संख्या 37 व्याख्या करते हुए कहा कि जो प्रारम्भ में विष जैसा लगता है, लेकिन अंत में अमृत के समान है और जो मनुष्य में आत्म साक्षात्कार जगाता है वह सात्विक सुख कहलाता है और यह सुख केवल साधु संतो की संगति में मिलता है।

सत्संग में पंडित हरीशंकर नायक ने कहा कि मनुष्य को करूणा, दया,

- संत कबीर आश्रम में आयोजित सत्संग में हारमोनियम के साथ भजन सुनकर झूमे भक्त

विनम्रता व शीलता गुण अपनाना चाहिए, शीलवान व्यक्ति के पास तीनों लोकों की सम्पदा रहती है। कामता प्रसाद चौरसिया ने मन लागा मोरो यार फकीरी में, जो सुख पावो राम भजन में, सो सुख नाही अमीरी में, भला बुरा सब का सुन लीजै, कर गुजरान गरीबी में..... भजन सुनाकर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। जगदीश रिछारिया ने मुरली बजाकर कार्तिक गीत आ जाऊंगी बड़े भोर, मैं दहिया लैके सुनाया। अधिवक्ता सुनीता अनुरागी ने अंधविश्वास, अज्ञानता हटाने व सच्ची भक्ति के लिए कबीर के विचारों को जीवन में उतरने पर बल दिया। इस मौके पर नारायणदास, राजाराम चौरसिया, लखनलाल सहित तमाम कबीर भक्त मौजूद रहे।

प्रतियोगिताएं भी होंगी

किल्हौवा गांव का तीन दिवसीय मेला शुरू, पहले दिन बच्चों ने उठाया झूलों का लुत्फ

महिलाओं ने घरेलू सामान, बुंदेलों ने खरीदी लाठी

संवाददाता, पनवाड़ी

अमृत विचार। विकास खंड क्षेत्र के किल्हौवा गांव में ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत मुखिया ने फीता काटकर किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान के अलावा क्षेत्र के तमाम लोग मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने मेला समिति को 21 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। उद्घाटन के दौरान मुख्य अतिथि का फूलमालाओं से स्वागत किया गया।

तीन दिवसीय मेले में बड़े पैमाने पर दुकान लगाई गई है। स्थानीय दुकानदारों के अलावा बाहरी दुकानदार भी मेले में दुकाने लगाए हुए हैं। मेले के पहले दिन

मेला का फीता काटकर शुभारंभ करते भाजपा नेता सुरेंद्र राजपूत। अमृत विचार

ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटी, जहां पर महिलाओं ने घरेलू सामान की खदीदारी की, वहीं पुरुषों ने सबसे ज्यादा लाठियां खरीदी। मेले में सुबह से ही महिला और बच्चे मेले का आनंद लेने पहुंच गए। बच्चों और महिलाओं ने झूलों में बैठकर जमकर मनोरंजन किया। बच्चों ने मेले से खिलौनों की खरीदारी की। ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटने के कारण मेला परिसर में खासी चहल पहल नजर आई।

- मेले में कबड्डी और दिवारी नृत्य की प्रतियोगिताओं में बंटेगा पुरस्कार

मेले में बुंदेलखंड स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता, दिवारी नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं। कबड्डी में विजेता टीम को 7100 और उपविजेता टीम को 5100 का पुरुस्कार दिया जाएगा। रस्साकसी प्रतियोगिता को विजेता को 2100 और उपविजेता टीम को 1100 रुपये का पुरुस्कार मिलेगा। मेले में मटका दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। मेला समिति ने इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मेले में प्रतिदिन रामलीला का मंचन भी किया जा रहा है।

खन्ना पुलिस ने वारंटी को पकड़ा

खन्ना। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत रविवार को खन्ना पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर पकड़ा है। सोमवार को न्यायालय के समक्ष पेशी के लिए भेजा जाएगा।

एएसपी वन्दना सिंह व सीओ सिटी अरुण कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना खन्ना वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने उपनिरीक्षक नरोत्तम सिंह के नेतृत्व में बनाई गई पुलिस टीम ने वारण्टी अभियुक्त छिद्दू पुत्र सीताराम केवट निवासी ग्राम खम्हरिया को सम्बंधित धारा 419/420 में न्यायालय सिविल जज जूनियर डिविजन मौदहा हमीरपुर से निर्गत गिरफ्तारी वारण्ट के अनुपालन में अभियुक्त उपरोक्त को ग्राम बरभौली तिराहा के पास से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

तीन साल से टूटी पड़ी पाइप लाइन

संवाददाता, बेलाताल

अमृत विचार। नमामि गंगे योजना के अधिकारियों की मनमानी के चलते तीन साल से कस्बे के खंदिया मुहाल में टूटी पड़ी पाइप लाइन को आज तक ठीक नहीं किया गया, जिससे प्रतिदिन लाखों लीटर पानी की जहां बर्बादी हो रही है, वहीं दूसरी तरफ अन्य स्थानों पर पानी नहीं पहुंच रहा है। अधिकारियों को कई बार सूचना देने के बाद भी आज तक टूटी पाइप लाइन को दुरूस्त नहीं कराई गई, जिससे पानी की बर्बादी होने के साथ साथ मार्गों पर पानी भरने से कीचड़ फैल रहा है।

तपुर के खंदिया में गणेश सिंह ठाकुर के सामने आम रास्ता में तीस साल से पाइप लाइन टूटी है, लेकिन जल निगम का कोई भी कर्मचारी टूटी लाइन ठीक करने आज तक नहीं पहुंचा। सालो से पानी की हो

टूटी पाइप लाइन से मार्ग पर बहता पानी।

रही बर्बादी के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी चैन की नींद सो रहे हैं। खंदिया निवासी गणेश सिंह, खूबचंद विश्वकर्मा, श्याम सुंदर विश्वकर्मा, नंदकिशोर रैकवार, पंचमलाल का कहना है कि करीब तीस साल से पाइप लाइन टूटी पड़ी है। इस बावत विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया, इसके बाद भी पाइप लाइन ठीक नहीं की जा रही है। टूटी पाइप लाइन से लाखो लीटर पानी बहकर खेतों में पहुंच रहा है, इससे खेत गीले होने से जुताई बुवाई नहीं हो पा रही है। बताया कि एक तरफ पानी की बर्बादी हो रही है, वहीं दूसरी तरफ सड़क पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जल निगम के अवर अभियंता वकील प्रसाद को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, इसके बाद भी अधिकारी ने कोई सुध नहीं ली। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारियों के अलावा मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की गई, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। जेई का कहना है कि 13 गांवों में पेयजल आपूर्ति की जाती है, जिससे लाइन टूटने की समस्या पैदा हो जाती है। अब जल्द से जल्द टूटी पाइप लाइन को ठीक कराया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में तीन साल की बच्ची की मौत

मऊ (चित्रकूट)। सड़क हादसे में रविवार को तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, सुजीत प्रजापति अपनी भांजी गोलू (3) पुत्री शिवराज निवासी रमपुरिया थाना राजापुर के साथ बाइक से जा रहा था। झांसी-मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अहिरी पेट्रोल पंप के पास बाइक खड़े ट्रक से टकरा गई। इससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। मऊ सीएचसी में डाक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल बाइक चालक सुजीत का इलाज किया जा रहा है। अपराध निरीक्षक अंजनी कुमार सिंह ने सीएचसी पहुंचकर घटना की जानकारी की।

अलग-अलग मामलों में छह गिरफ्तार

चित्रकूट। पुलिस ने छह वारंटियों को गिरफ्तार किया। कोतवाली कर्वी के एसआई अंशुल कुमार ने फूल निवासी ग्राम बनाड़ी, थाना मऊ के एसआई अनिल कुमार ने रामजी उर्फ लुस्सा निवासी मोहनपुर मजरा खंडेहा, एसआई मुन्नीलाल ने रामखेलावन निवासी पूरब पताई, राजापुर के एसआई रवींद्र कटियार ने बड़कू निवासी ग्राम रगौली, सरधुआ थाने के एसआई अशोक कुमार मिश्र ने पाक्सो एक्ट के वारंटी अमित उर्फ मोती निवासी ग्राम बरद्वारा, पहाड़ी थाने के एसआई सुरेश प्रताप सिंह ने चुनकी निवासी ग्राम तौरा को गिरफ्तार किया।

महिलाओं को किया गया जागरूक

चित्रकूट। मिशन शक्ति के तहत जिले के थानों की एंटी रोमियो टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्र में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। हेल्पलाइन नंबरों व कानूनी प्रावधान के बारे में बताया। एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन सुनिश्चित करना है।

नवाब बंगश वेलफेयर समिति का गठन

फर्रुखाबाद। नवाब मोहम्मद खान बंगश की याद में नवाब मोहम्मद का बंगश वेलफेयर समिति का गठन किया गया है। बारादरी स्थित कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में समिति के नए पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। नवाब कासिम हुसैन खान बंगश को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। समिति के अन्य प्रमुख पदाधिकारियों में एडवोकेट अनीश अहमद खान को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एडवोकेट सलीम राजा को महासचिव बनाया गया।

चित्रकूट के देवांगना एयरपोर्ट से नहीं उड़ रहे हवाई जहाज

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। उद्घाटन के चंद महीने बाद ही चित्रकूट हवाई अड्डे से फिलहाल हवाई जहाजों की उड़ाने बंद हैं। 26 अक्टूबर से फिर से उड़ान शुरू होनी थी पर ऐन समय पर संस्था ने इसे रोक दिया।

गौरतलब है कि सरकार ने आकांक्षी जनपद धर्मनगरी चित्रकूट को प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए एयरपोर्ट की सौगात दी। उद्घाटन के चंद महीने बाद ही एयरपोर्ट से उड़ाने बंद हो गईं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने 10 मार्च 2024 को आजमगढ़ से देवांगना घाटी में स्थित 146 करोड़ की लागत से तैयार बुंदेलखंड के एकमात्र टेबल टॉप हवाई अड्डे का वर्चुअल लोकार्पण किया था। बताते हैं कि उसी समय यहां विमानों के संचालन की जिम्मेदारी संभालने वाली फ्लाइबिग

चित्रकूट हवाई अड्डा। अमृत विचार

26 अक्टूबर से फिर शुरू होनी थी उड़ान पर नहीं हो सकी

कंपनी ने तय किया था कि मंगलवार को पहली फ्लाइट लखनऊ से साढ़े 10 बजे रवाना होगी और एक घंटे बाद चित्रकूट में साढ़े 11 बजे लैंड करेगी, लेकिन पहले दिन की ही फ्लाइट अपने तय समय से पौने चार घंटे विलंब से चित्रकूट पहुंची। 12 मार्च को पहली बार यहां से 19 सीटर एयर-क्रॉफ्ट ने लखनऊ के लिए उड़ान भरी। फ्लाइबिग कंपनी यहां विमानों का संचालन कर रही थी। 16 दिसंबर 2024 से उड़ानें बंद हो गईं। चित्रकूट एयरपोर्ट के डायरेक्टर आलोक सिंह बताते हैं कि 26 अक्टूबर यानी आज से उड़ानें शुरू होनी थीं। बताया कि फ्लाइबिग कंपनी ने संपर्क किया तो हम लोगों ने एयरपोर्ट रेडी-टू-फ्लाई कर दिया। लेकिन बाद में उन्होंने उड़ान रोक दी। यह उनका फैसला था। इस वक्त चित्रकूट एयरपोर्ट में करीब 70 कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें सुरक्षा के लिए तैनात करीब 40 सीआईएसएफ के जवान हैं। बाकी एयरपोर्ट से जुड़े लोग हैं। ये सभी लगातार अपनी ड्यूटी के लिए एयरपोर्ट आते रहते हैं।

सूना पड़ा एयरपोर्ट का टिकटघर। अमृत विचार

महज 55 मिनट में पहुंचते थे लखनऊ

- गौरतलब है कि लखनऊ का 250 किलोमीटर का सफर 55 मिनट में पूरा होता था। विमान चित्रकूट से लखनऊ जाता और फिर उसी दिन लखनऊ से चित्रकूट वापस आता था। शुरुआत में हफ्ते में दो दिन विमान उड़ान भरता था। बाद में यह समय चार दिन हो गया।

हम चाहते हैं कि उड़ान शुरू हो : आलोक

- आलोक सिंह ने बताया कि विमानों का संचालन फ्लाइबिग कंपनी कर रही है। हमारी तैयारी पूरी है। हम तो चाह रहे हैं कि उड़ान जल्द चालू हो। गर्मी के समय फ्लाइबिग को उड़ान शुरू करना था लेकिन कुछ कारणों के चलते शेड्यूल में लेट हुआ। फिर इनको 26 अक्टूबर से उड़ान शुरू करनी थी लेकिन उड़ान शुरू नहीं हो पाई। उड़ान जल्द शुरू होने की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने बताया कि फिलहाल एयरपोर्ट पूरी तरह से तैयार है और महीने में एक दो प्राइवेट जेट विमान उतरते रहते हैं।

रुद्र महायज्ञ, शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

मानिकपुर (चित्रकूट)। भौंरी ग्राम पंचायत में रविवार से रुद्र महायज्ञ एवं शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ हो गया। इस दौरान महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। आयोजक इंद्रेश मिश्रा ने बताया कि जनकल्याण की कामना को लेकर इस आयोजन को कराया जा रहा है। रविवार से ही अभिषेक एवं यज्ञ शुरू हो गया है। अभिषेक एवं यज्ञ पांच नवंबर तक चलेगा। चार नवंबर को रात्रि जागरण होगा। पांच नवंबर को पूर्णाहुति एवं गोदान, छह नवंबर को भंडारा होगा। इस मौके पर पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, मनोज तिवारी, शंकर प्रसाद, चंद्रभूषण, जयरानी मिश्रा, अंजू इंद्रेश मिश्रा, नीलेश, वंदना मिश्रा, अजय, ज्योत्सना त्रिपाठी, शिवम मिश्रा, वेदांत, रुद्रांशी, नारायण, प्राण्या, नमिश, नैतिक आदि मौजूद रहे।

पूर्व विधायक पर आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

महिला के नाम से फेसबुक में बनाई थी फेक आईडी, पुलिस ने कहा होगी सख्त कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। मानिकपुर के पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता आनंद शुक्ला के खिलाफ महिला के नाम से फेक आईडी बनाकर आपत्तिजनक बातें लिखने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में भाजपा के बरगढ़ मंडल महामंत्री आकाश द्विवेदी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

आकाश ने बताया था कि मानिकपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक आनंद शुक्ला को बदनाम करने व छवि धूमिल करने की नीयत से एक युवक मोहिनी शुक्ल के नाम से फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर उसमें आपत्तिजनक कमेंट किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद सर्विलांस टीम ने जांच शुरू की। इस पर सामने आया कि इस तरह की पोस्ट करने वाला युवक बरगढ़ का निवासी और वर्तमान में गुजरात में रह रहा युवक प्रवीण मिश्रा है। उसकी गिरफ्तारी कर ली गई है और जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि उसने इस तरह की और हरकतें की हैं। एक दो और लोगों ने उसकी शिकायतें की हैं। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगाह किया कि इस तरह की अनर्गल बातें और अधकचरे ज्ञान से किसी व्यक्ति की छवि धूमिल करने के प्रयास करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

पूर्व विधायक आनंद शुक्ला।

मैं शरीफ तो हूं पर सीधा नहीं : आनंद शुक्ला

- उधर, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला ने रविवार को इस संबंध में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व भी एक आडियो वायरल हुआ था, जिसमें उनको धमकी देने की बात सामने आई थी। इसमें कुछ लोग जेल भी गए हैं। ऐसे में उनके समर्थक इस तरह की हरकतों से पक गए हैं। अब वह ऐसे शिखंडी लोगों को सावधान करना चाहते हैं कि अब वे सामने आएं अन्यथा वह अपने समर्थकों को रोक नहीं पाएंगे। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता करनी हो तो सामने आएं। वे बोले, मैं शरीफ तो हूं पर सीधा नहीं हूं। जो युवक जेल गया, अब उसको संरक्षण देने वाले सामने नहीं आ रहे। चेतावनी भरे स्वर में उन्होंने कहा कि अब ऐसे कृत्य सामने आए तो वह कोई संकोच नहीं करेंगे। हालांकि जब उनसे कुरेद कर पूछा गया कि क्या उनका इशारा पार्टी के अंदर के लोगों की ओर है या दूसरी पार्टियों के लोगों की ओर तो उनका साफ कहना था कि यह राजनीतिक मर्यादा की बात है और मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

मुंबई से मालिक का एक करोड़ रुपया लेकर भागा युवक, दबोचा गया

संवाददाता, मानिकपुर चित्रकूट

अमृत विचार। महाराष्ट्र के एक व्यापारी का भरोसेमंद कर्मचारी एक करोड़ रुपये लेकर भाग निकला। इसे मानिकपुर रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के पास से 80 लाख रुपये से अधिक नकदी बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी किशोर मिस्त्री पुत्र हरी पदों, निवासी गोपालपुर, जिला पश्चिम बंगाल, कई साल से मुंबई के झवेरी बाजार में एक जेवर व्यापारी के यहां काम करता था। व्यापारी के सोने के गहनों की डिजाइन तैयार करने का जिम्मा उसी पर था और वह लंबे समय से वहां पर काम करने के कारण व्यापारी का बेहद भरोसेमंद माना जाता था। लेकिन 23 अक्टूबर को उसने व्यापारी से सोना खरीदने जाने का बहाना बनाकर करीब एक करोड़ रुपये से भरा बैग लिया और गायब हो गया। कुछ घंटों तक व्यापारी को शक नहीं हुआ, लेकिन जब देर रात तक उसका कोई पता नहीं चला और फोन स्विच ऑफ मिला, तब व्यापारी ने मुंबई के एलटी मार्ग थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी। अमृत विचार

- **आरोपी पश्चिम बंगाल का रहने वाला है, मुंबई में सराफा व्यापारी के पास करता था नौकरी**

महाराष्ट्र पुलिस ने आरोपी को ट्रेस किया। लोकेशन के आधार पर जीआरपी सतना और चित्रकूट पुलिस को अलर्ट किया गया। जब आरोपी सतना में पकड़ में नहीं आया, तब ट्रेन रविवार को जैसे ही मानिकपुर रेलवे स्टेशन पहुंची, वहां तैनात जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने उसे दबोच लिया। इस संयुक्त कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक वीर सिंह (जीआरपी), प्रभारी निरीक्षक मो. सालिक (आरपीएफ), उपनिरीक्षक अतुल गौतम (जीआरपी) और सहायक उपनिरीक्षक विमलेश कुमार (आरपीएफ) की टीम ने सतर्कता दिखाते हुए आरोपी को ट्रेन के अंदर ही पकड़ लिया। आरोपी के पास से 80,01,500 रुपये बरामद हुए। सीओ जीआरपी झांसी अनुभाग सलीम खान ने बताया कि चित्रकूट पुलिस की मुस्तैदी से यह बड़ी सफलता मिली है। बरामद रकम और दस्तावेजों को महाराष्ट्र पुलिस की एल.टी. मार्ग थाने की टीम को सौंप दिया गया है।

धूमधाम से मनाई जाएगी भगवान सहस्त्रबाहु जयंती

कार्यालय संवाददाता,चित्रकूट

अमृत विचार। जायसवाल शिवहरे समाज के लोग 28 अक्टूबर को कुलदेवता भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती धूमधाम से मनाएंगे। रविवार को इस संबंध में बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। कार्यक्रम गल्ला मंडी के पास गंगा प्रसाद संयोग सदन में होगा।

अध्यक्ष एमपी जायसवाल ने कहा कि जन्म जयंती कार्यक्रम की सार्थकता तभी है जब सभी स्वजातीय समाज के विकास के लिए समर्पित भाव से काम करें। महामंत्री डॉ. प्रदीप जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम राय एवं विशिष्ट अतिथि अतिजेश जायसवाल एडवोकेट होंगे। महामंत्री गौरेंद्र शिवहरे ने अपील की कहा कि सभी ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यक्रम में अपना योगदान दें। कार्यक्रम संयोजक युवा इकाई जिलाध्यक्ष अर्पित जायसवाल ने बताया कि इस वर्ष नए कलेवर के साथ आयोजन की रूपरेखा बनाई गई है। प्रकाश जायसवाल, योगेश जायसवाल, भगवानदीन, प्रमोद जायसवाल, सुनील जायसवाल, उमेश जायसवाल, गणेश जायसवाल, अतुल जायसवाल, सूरज जायसवाल, सौरभ जायसवाल, अरविंद शिवहरे को जिम्मेदारी दी गई है।

छात्र-छात्राएं खेल के क्षेत्र में बनाएं करियर

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। चित्रकूट इंटर कालेज में रविवार से मंडलीय खेलकूद समारोह की शुरुआत हुई। पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र ने विद्यार्थियों को प्रेरणा दी कि वे खेलकूद में अपना करियर बनाएं।

पूर्व सांसद ने मार्च पास्ट की सलामी ली। सीआईसी के एनसीसी का घोषदल आकर्षण का केंद्र रहा। महोबा की बालिकाओं ने दिवारी नृत्य का प्रदर्शन किया। सीआईसी की छात्राओं ने सरस्वती वंदना की स्वागत गीत प्रस्तुत किया। 800 मीटर की दौड़ से प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। उद्घाटन रेस चित्रकूट के सुनील ने जीती। वहीं सीनियर बालकों की 100 मीटर की फर्राटा दौड़ में चित्रकूट के सचिन ने बाजी मारी। सीनियर बालिका 800 मीटर की दौड़ में बांदा की राधा जीतीं। 100 मीटर फर्राटा दौड़ में महोबा की सिमरन को पहला स्थान मिला। जूनियर बालकों की 800 मीटर रेस में बांदा के भोलाराम को, 100 मीटर की फर्राटा में महोबा के योग सैनी को, जूनियर बालिका वर्ग की 100 मीटर फर्राटा दौड़ में बांदा की अंजलि को, 800 मीटर दौड़ में चित्रकूट की अनामिका को पहला स्थान मिला। गोला फेंक सीनियर बालक वर्ग में प्रशांत अव्वल आए। जूनियर वर्ग में चित्रकूट के शिवम मिश्रा प्रथम रहे। गोला फेंक सब जूनियर में चित्रकूट के संदीप को पहला, 100 मी सब जूनियर बालिका वर्ग में हमीरपुर की आरुषि को अव्वल रहीं। 100 मीटर की फर्राटा दौड़ में चित्रकूट के शुभ ने पहला स्थान पाया। जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर ने बताया कि प्रतियोगिता में चित्रकूट के साथ बांदा, महोबा और हमीरपुर के लगभग 400 बालक-बालिका प्रतिभाग करने आए हैं। प्रतियोगिता तीन दिन चलेगी। प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले बच्चे प्रदेश स्तरीय खेलकूद रैली में प्रतिभाग करेंगे।

दिवारी नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं। अमृत विचार

- **सीआईसी में मंडलीय खेलकूद की हुई शुरुआत**

विकास की मांग

समाजसेवियों ने फिर उठाई बहुप्रतीक्षित मांग

आखिर ! कब मिलेगा राजापुर के लोगों को रेलवे स्टेशन

संवाददाता, राजापुर चित्रकूट

अमृत विचार। राजापुर के लोगों ने एक बार फिर अपने रेलवे स्टेशन की मांग उठाई है। इनका कहना है कि ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व वाले तुलसीतीर्थ के विकास के लिए बड़ी बड़ी बातें करने वाले किसी जनप्रतिनिधि या अधिकारी ने अबतक इस ओर ध्यान नहीं दिया तो यह उनकी कथनी और कथनी में अंतर दिखाता है।

श्रीरामचरितमानस जैसा महान ग्रंथ विश्व को देने वाले संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली राजापुर में अबतक रेलवे स्टेशन नहीं है। लोगों का मानना है कि अगर यहां ट्रेनों का आवागमन शुरू हो जाए तो महाकवि तुलसी के साहित्यिक जीवन पर विद्वानों का शोध प्रगति पर आ सकता है। यहां पर पर्यटकों और आस्थावानों का आवागमन बढ़ सकता है। एक बार फिर लोगों ने हस्ताक्षर युक्त मांग पत्र प्रधानमंत्री व रेल मंत्री को भेजा है। इनकी मांग है कि रामचरितमानस को राष्ट्रीय ग्रंथ के रूप में मान्यता दी जाए और राजापुर में रेलवे स्टेशन बनाया जाए।

आगरा के साथ मिला था नपं का दर्जा : शिवपूजन

- उद्योग व्यापार मंडल के जिला संयोजक शिवपूजन गुप्ता ने बताया कि नगर पंचायत राजापुर और आगरा को साथ-साथ 14 अगस्त 1860 को नगर पंचायत का दर्जा दिया गया था। विकास की दृष्टि से आज आगरा कहां से कहां पहुंच गया पर राजापुर इससे अछूता रहा। किसी सरकार ने इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई।

परिवहन की सुविधाएं न के बराबर : राधेश्याम

- समाजसेवी राधेश्याम सोनी ने कहा कि अफसोस यह है कि परिवहन के क्षेत्र में आज भी राजापुर में सुविधा न के बराबर हैं। न तो यहां बसों का आवागमन दुरुस्त है और न ट्रेन की सुविधा है। अयोध्या एवं राजापुर वाया चित्रकूट को रेलवे लाइन से जोड़ने की ओर किसी सरकार ने नहीं सोचा। इससे लोगों में रोष है।

राजापुर को महत्व दे सरकार : शंकर दयाल

- सभासद शंकर दयाल जायसवाल ने मांग की कि सरकार राजापुर को प्राथमिकता दे और चित्रकूट वाया राजापुर भरवारी होकर नई रेलवे लाइन का विस्तार करे। इसके अलावा अयोध्या वाया भरवारी रेलवे लाइन दी जाए। बुंदेलखंड वासी इससे खुश होंगे और यहां का अपेक्षित विकास भी इससे हो पाएगा।

व्यापारियों को होगा फायदा : सतीश

- व्यापारी नेता सतीश चंद्र मिश्रा ने बताया कि अगर यहां रेलमार्ग हो जाए तो व्यापारी माल दूर दराज के बाजार में बेच सकेंगे। क्षेत्र का बहुमुखी विकास होगा। बताया कि राजापुर भरवारी रेलवे स्टेशन की दूरी 40 किलोमीटर तथा राजापुर से चित्रकूट स्टेशन की दूरी 34 किलोमीटर है। केवल 74 किलोमीटर रेलवे लाइन बिछानी है।

किशोरी को शादी का झांसा देकर भगाया, रिपोर्ट

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र में एक 17 वर्षीय किशोरी को शादी का झांसा देकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है।

किशोरी के पिता ने बताया कि 24 अक्टूबर 2025 को जब वह मजदूरी करने गए थे। तब घर पर अकेली उनकी बेटी को अर्पित शादी का झांसा देकर घर से भगा ले गया। किशोरी अपने साथ घर से 45,000 रुपये नकद, जेवरात भी ले गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार, किशोरी को भगाने में अर्पित के पिता सुधीर, माता अनीता और भाई अनमोल व चंचल ने सहयोग किया। पुलिस ने इस मामले में पांचों आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपना नाम GULSHAN NAZ से बदलकर GULSHAN NAAZ रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-MOHD ILIYAS ADD-MOHALLA AHATA HAKEEM JI SHAHABAD DEHAT DIST-HARDOI-241124 (U.P)

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम सिमराह फातिमा सैयद था। जिसे बदलकर मैने अपना नाम सैयद सिमराह फातिमा रख लिया है। भविष्य मे मुझे सैयद सिमराह फातिमा के नाम से जाना व पहचाना जाए । **सैयद सिमराह फातिमा पुत्री आमिर हुसैन, निवासी** D.S. – 407 **कानपुर रोड गंगा चिल्ड्रेन हॉस्पिटल सेक्टर** D, LDA **कॉलोनी लखनऊ**

NOTICE
ANAND Kumar Soni s/o Vishwanath R/o -60.Khushipura, Rath, Hamirpur, Rath, Uttar Pradesh. 210431. Have changed the name of my minor son Parth Soni. Age 10 yeres and he shall here after be known as Atharva Soni.

सूचना
मैंने अपना नाम बृजेन्द्र कुमार से बदल कर बृजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाय। पुत्र स्व. मुकुट बिहारी श्रीवास्तव, निवासी– फ्लैट नंबर–602, तीरथ विकास अपार्टमेंट, सेक्टर–2, विकास नगर, लखनऊ. पिन – 226022,

सूचना
मै **शशि कला निवासी 544/595 एकता नगर कैम्पवेल रोड़ बालागंज** की निवासी हूं। पहले मेरा नाम शशि कला देवी था और अब मेरा नाम शशि कला है। भविष्य में मुझे मेरे शशि कला नाम से ही जाना पहचाना जाय।

नाम परिवर्तन सूचना
मैंने अपना नाम शहाब अहमद से बदल कर शहाब अहमद अब्बासी पुत्र श्री इसरार अहमद रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **शहाब अहमद अब्बासी पुत्र श्री इसरार अहमद 385 / 213, फाजिल नगर, सआदतगंज, थाना– सआदतगंज, लखनऊ**

सूचना
मैने अपने दो पुत्र महेंद्र कुमार व उपेन्द्र कुमार के गलत चाल चलन और आचरण के कारण अपनी सभी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उपरोक्त दोनों द्वारा किसी प्रकार के कृत्य वाद विवाद आदि लेन देन का परिवार से कोई सरोकार नही होगा। वह दोनों स्वंय ही जिम्मेदार होंगे। **प्रमोद कुमार पुत्र महाराज सिंह,निवासी–ग्राम नगला खरगजीत,भोली थाना भरथना, जिला इटावा**

सूचना
सूचित हो कि **रसीद अहमद पुत्र मोहम्मद हुसैन निवासी–132/614, मुंशी पुरवा, डाक खाना किदवई नगर, कानपुर नगर–208011** मैं अपने तीनों पुत्र मो0 शफीक खान, मो0 रफीक, मो0 शाहिद के आचार विचार सही न होने के कारण आये दिन लडाई झगडा करने की वजह से अपनी चल –अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ तीनों पुत्र व उनकी पत्नियों से कोई लेना देना नहीं होगा। यदि उपरोक्त के द्वारा किसी प्रकार से कोई लेनदारी व देनदारी या लडाई झगडे या अन्य किसी भी प्रकार के कार्य हेतु वह तीनो स्वंय जिम्मेदार होगें।

NOTICE
It is hereby informed to the general public that my father's name is mistakenly recorded as RAJA RAM and date of birth as 01.01.1955 in my Army records. I, THM Man Singh (Army No. 15346297W), resident of Maindo, Post-Rahimpur Bishdhan, Tehsil-Bilhaur, District-Kanpur Nagar (U.P.) 209202, declare that his correct name is RAJARAM and date of birth is 01.01.1949.

सूचना
सूचित हो कि मैं **अंकित कुमार सैनी पुत्र रामचंद्र सैनी निवासी एन–154. लाल बहादुर शास्त्री लाइन, शिव कटरा, लाल बंगला कानपुर नगर।** मेरी पुत्री का नाम विद्यालय में जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर ईशानवी ISHANVI के रूप में विद्यालय के अभिलेखों में दर्ज किया गया था। जन्म प्रमाण पत्र में संशोधन करा कर पुत्री का नाम इशानवी सैनी ISHANVI SAINI कर दिया गया है। यह दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरी पुत्री के ही हैं। अतः मेरी पुत्री का नाम विद्यालय के अभिलेखों में इशानवी सैनी ISHANVI SAINI के रूप में संशोधित अंकित किया जाय।

दयालु बनो, क्योंकि तुम जिससे भी मिलोगे वह एक कठिन लड़ाई लड़ रहा है।

–सुकरात, दार्शनिक

आशंकाओं की आहट

सर्दी के महीनों में अमूमन भीषण ठंड के कुछ दिनों के दौर आते हैं। कई बार यह चालीस दिन लंबा होता है, जिसे चिल्ला जाड़ा कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के एनवायरमेंटल पैनल ऑफ क्लाइमेट की ताजा रिपोर्ट ने जो बताया है उससे लगता है कि आगामी कुछ दशकों में शीत लहर और चिल्ला जाड़े वाली बातें किताबी हो जाएंगी। रिपोर्ट कहती है कि 1980 से 2020 के बीच यानी पिछले चालीस वर्षों में अत्यंत ठंडी रातों और बहुत सर्द दिनों की संख्या में चार गुना कमी आई, जबकि अत्यधिक गर्म दिनों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्ष 2100 तक सर्दी का लगभग लोप हो जाएगा। यह बदलाव महज मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि धरती की जलवायु प्रणाली में गहराई से हो रहे असंतुलन का संकेत है, जिसका दीर्घकालिक प्रभाव देश के पर्यावरण, समाज, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य सब पर पड़ने वाला है। ज्यादा गर्म दिनों का मतलब ऊर्जा की मांग में जबरदस्त बढोतरी, जिससे उत्पादन लागत और बिजली संकट दोनों बढ़ेगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में लू और हीटवेव से होने वाली मौतें बढ़ेंगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अगले दो दशकों में भारत में गर्मी से संबंधित बीमारियों और मौतों की दर दोगुनी हो सकती है। बाढ़ की बारंबारता भी बढ़ेगी। पर्वतीय क्षेत्रों पर इसका असर दिखने लगा है। बर्फ की परतें पिघल रही हैं, ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और नदियों का प्राकृतिक जल प्रवाह असंतुलित होने से अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं तेज हो गई हैं। यहां ग्रामीण जीवन और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों इससे प्रभावित है। जिन फसलों, फलों और फूलों की खेती ठंडे मौसम पर निर्भर थी, उनकी उपज में गिरावट दर्ज हो रही है। पारंपरिक बागवानी बेल्ट ऊंचाई की ओर खिसकने से छोटे किसानों की आजीविका पर संकट है। तापमान बढ़ने से कीटों और बीमारियों का प्रकोप भी तेज हुआ, जो फसलों के साथ मानव स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। इसके चलते असंतुलित होते जल चक्र ने मानसून के पैटर्न में बदलाव ला दिया है, जिससे सूखा और अतिवृष्टि आम होती जा रही है।

नदियों का प्रवाह घटने और जलस्रोतों के सूखने से पेयजल संकट और बढ़ेगा तो लू, जंगल की आग, चक्रवात और भूस्खलन की तीव्रता और आवृत्ति की आशंका बलवती होगी। देश के जन-धन को अरबों रुपये का नुकसान पहुंचेगा। राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्य योजना, राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण प्राधिकरण की पहलें और मिशन लद्दाख हिमालय जैसी सरकारी योजनाएं चल तो रही हैं, पर जिस तेजी से आपदा बढ़ रही है इनकी रफ्तार और दायरा अभी भी पर्याप्त नहीं। सरकारों को समय रहते दीर्घकालिक और बहुस्तरीय तैयारी करनी होगी। पर्वतीय राज्यों में जलवायु अनुकूल कृषि, जल संरक्षण, ग्लेशियर निगरानी प्रणालियां विकसित करना तो शहरी इलाकों में हरित आवरण, वर्षा जल संचयन और ऊर्जा दक्ष भवनों को बढ़ावा देना होगा। आपदा प्रबंधन प्रणाली को स्थानीय स्तर तक सशक्त करना और स्वास्थ्य तंत्र को ग्रीष्म ऋतु संबंधी रोगों से निपटने के लिए तैयार करना अत्यावश्यक है। सच तो यह है कि संकट विकट निकट है, ऐसे में जब तक पर्यावरणीय चेतना शासन की प्राथमिकता में शामिल नहीं होगी, इस पर्यावरणीय खतरे का मुकाबला मुश्किल होगा।

प्रसंगवश

सूर्य को अर्घ्यः जल सीकर पुंज का होता है निर्माण

छठ पर्व में प्राकृतिक, भौतिक, नैतिक, शारीरिक, मानसिक, आत्मिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य का अपूर्व संगम है। छठ पर्व की वैज्ञानिकता और आध्यात्मिकता अकाट्य है। प्रकृति की दृष्टि से-नदी, तालाब, झील तथा पोखर जल जीवन के आधार हैं। यही कारण है कि हमारे देश में नदियों को मां का स्थान दिया गया है। आज हमने नदियों को प्रदूषित कर दिया है। इन्हें स्वच्छ बनाने से ही जीवन के अस्तित्व को बचाया जा सकता है। सामाजिक दृष्टि से छठ पर्व में ऊंच-नीच सबका भेद मिट जाता है इस तरह से सामाजिक सद्भाव की भावना पनपती है। नैतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से इसमें नैतिक सहयोग व साहचर्य के भाव का संचार होता है। खरना और छठ के दिन किए गए वैज्ञानिक उपवास में तपस्या का भाव छिपा है। तपस्या की अग्नि से जीवन के समस्त अदृश्य शत्रु- क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष, नैराश्य, क्षोभ, भय, कुंठा तथा हिंसा का विनाश होता है। उगता सूर्य जन्म का तथा डूबता सूर्य मृत्यु का प्रतीक है। जन्म और मृत्यु एक दूसरे के पोषक हैं। पुराने का अवसान ही नवीन का विहान है। छठ पर्व हमें यही संदेश देता है- उठो, जागो, चलो एवं स्वयं को पहचानो।

आचार्य टेकनारायण उपाध्याय

वरिष्ठ अर्चक श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी

छठ पर्व स्वास्थ्य एवं ऊर्जा का खजाना है। यह पर्व सूर्य स्नान का वैज्ञानिक महानुष्ठान है। सूर्य की किरणों में अद्भुत शक्तियां भरी हैं, यही प्राणियों और वनस्पतियों की जीवनी शक्ति है। सूर्य कि किरणें हमें हर रोगों से बचाती हैं। विभिन्न देशों में किए गए अनुसंधानों से पता चला है कि सूर्य स्नान न करने से 100 प्रकार की खतरनाक बीमारियां होती हैं, जिनमें मधुमेह, घुटने, गर्दन, कमर एवं हड्डियों में दर्द, आस्टियोपोरोसिस, आस्टियोआर्थराइटिस, कैंसर, प्रोस्टेट कैंसर, ओवरी तथा गर्भाशय का कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर आदि रोग होते हैं। इस पर्व में उगते हुए सूर्य तथा डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते समय पात्र से जल सतत एवं समरूप गिरने से जल सीकर पुंज का निर्माण होता है, जो सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों को छान देती है। उपयोगी किरणें शरीर पर पड़ती हैं, जो जैव-रासायनिक प्रक्रिया द्वारा रोग मुक्त एवं स्वास्थ्य की वृद्धि करती हैं। इस पर्व के अनुष्ठान से उपवास काल में शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक विश्राम मिलता है। आटो हीलिंग तथा इम्यून सिस्टम तेज हो जाता है। इस पर्व को मनाने वाला साधक-साधिका ऊर्जा, आनंद से भर जाता है तथा उसका स्वास्थ्य भी अच्छा हो जाता है। छठ पर्व यानी ऊर्जा, ऊष्मा और लगाव। सूर्य को दिया जाने वाला अर्घ्य वस्तुतः अपने अंदर की अग्नि को प्रज्वलित करना है। हर व्यक्ति में सूर्य है, हर आदमी में चंद्रमा है। हर किसी में ऋतुएं बसती हैं। ये हमारे भीतर के समंजन व रंजकता तथा रंग को दर्शाती हैं।

सनातन धर्म में छठ एक ऐसा पर्व है, जिसमें किसी प्रतिमा या मंदिर की नहीं, बल्कि प्रकृति यानी सूर्य, धरती और जल की पूजा होती है। धरती पर जीवन के लिए पृथ्वीवासियों के स्वास्थ्य की कामना और सूर्य के प्रताप से धरतीवासियों की समृद्धि के लिए श्रदालु कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। बदलते मौसम में जल्दी सुबह उठना और सूर्य की पहली किरण को जलाशय से टकराकर अपने शरीर पर लेना एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। सूर्य की किरणों से मिलने वाला विटामिन-डी कैल्शियम को पचाने में मदद करता है। तप-व्रत से रक्तचाप नियंत्रित होता है और सतत ध्यान से नकारात्मक विचार मन-मस्तिष्क से दूर रहते हैं। यह बरसात के बाद नदी-तालाब और अन्य जलनिधियों के तटों पर बहकर आए कूड़े को साफ करने, अपने प्रयोग में आने वाले पानी को स्वच्छ करने, दीपावली पर मनमाफिक खाने के बाद पेट को नैसर्गिक उत्पादों से पोषित करने और ऊर्जा के स्रोत सूर्य के समक्ष खड़े होने का भी पर्व है।

पानी वाले हथियार से कांप रहा है पाकिस्तान

नवीन गुप्ता

बरेली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से सिंधु नदी जल समझौता रद्द कर दिया था। इससे पाकिस्तान पीने और सिंचाई के पानी के लिए परेशान है। अब अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान फंस गया है। अफगानिस्तान ने भी पाकिस्तान को कुनार नदी का पानी रोकने का फैसला किया है। अफगानिस्तान यदि पानी को बांध बनाकर रोकता है, तो पाकिस्तान के लिए यह बहुत बड़ा झटका होगा। इससे पाकिस्तान की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए तरस सकती है। यूं कहें तो नदी के पानी को अफगानिस्तान हथियार के रूप में पाकिस्तान पर प्रयोग करने जा रहा है।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी पिछले दिनों एक सप्ताह के लिए भारत की यात्रा पर आए हुए थे। इस यात्रा से पाकिस्तान की सरकार और सेना अफगानिस्तान के तालिबान नेतृत्व से चिढ़ गई थी। वहां की सेना ने न सिर्फ अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक की, बल्कि उनके तीन युवा क्रिकेटरों को भी मार दिया। इससे नाराज तालिबान के लड़ाकों ने न सिर्फ पाकिस्तान की सैन्य चौकियों पर कब्जा किया, बल्कि उनके कुछ सैनिकों को भी बंधक बनाया और टी-20 एक दिवसीय मैचों की त्रिकोणीय सीरीज से भी नाम वापस ले लिया। यह फैसला पाकिस्तान के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं था।

कतर के दोहा में दोनों पक्षों के बीच भले ही शांति समझौता हो गया, लेकिन तालिबान सरकार अब भी नाराज है और पाकिस्तान के विरुद्ध कुनार नदी के पानी को हथियार के रूप में उपयोग करने जा रही है। अब वहां की सरकार ने भारत सरकार की तर्ज पर ही कुनार नदी का पानी रोकने का निर्णय लिया है। तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंजादा ने अफगानिस्तान के जल मंत्री अब्दुल लतीफ मंसूर से कुनार नदी पर तत्काल बांध बनाने के लिए कहा है। अब्दुल लतीफ ने स्पष्ट कह दिया है कि नदी का पानी और खून एक साथ नहीं बह सकता है। अफगानों को अपने जल संसाधनों का प्रबंधन करने का अधिकार है। इसलिए जल्द ही बांध का काम शुरू होगा।

पाकिस्तान के लगभग 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्र की सिंचाई सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। भारत से संधि के निलंबित होने के बाद, पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) में जल स्तर में कमी आई, जिससे खरीफ फसलों, जैसे कपास और मक्का का उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कुनार नदी पाकिस्तान के चित्राल क्षेत्र में बहने वाली 480 किलोमीटर लंबी नदी है, जो अफगानिस्तान के नंगहार और कुनार प्रांतों से होकर पाकिस्तान आती हैं। कुनार और काबुल नदियां पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत हैं। तालिबान द्वारा इन नदियों पर बांध बनाने से पानी का प्रवाह कम हो जाएगा, जिससे पाकिस्तान की कृषि पैदावार में 21 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। कुनार नदी का पानी अंततः सिंधु नदी में मिलता है, जो पाकिस्तान के कृषि-आधारित पंजाब प्रांत की "फूड बास्केट" के लिए महत्वपूर्ण है।

> अफगानिस्तान के फैसले से पाकिस्तानी हुक्मरान परेशान हैं, क्योंकि पानी के संकट से वहां गृह युद्ध जैसे हालात उत्पन्न हो जाएंगे। आतंक को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान तहरीके तालिबान और बलूचिस्तान के लड़ाकों से परेशान है।

अफगानिस्तान के फैसले से पाकिस्तानी हुक्मरान परेशान हैं, क्योंकि पानी के संकट से वहां गृह युद्ध जैसे हालात उत्पन्न हो जाएंगे। आतंक को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान तहरीके तालिबान और बलूचिस्तान के लड़ाकों से परेशान है। आए दिन टीटीपी और बलूचिस्तान की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतार रहे हैं। अफगानिस्तान सरकार पर टीटीपी को बढ़ावा देने का आरोप लगाकर ही पाकिस्तान ने वहां एयर स्ट्राइक की थी, लेकिन अब उसका दांव उल्टा पड़ता दिख रहा है। उधर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ी किरकरी हुई है। पहली बार है कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में यह बात स्वीकार कर ली है कि वह भारत में हमलों के लिए आतंकियों को भेजता है। हालांकि पाकिस्तान ने इन्हें फ्रीडम फाइटर बताकर अपनी ही किरकिरी कराई। इससे न सिर्फ पाकिस्तान पर आतंकवाद की दोहरी नीति उजागर हुई है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमजोरी भी सामने आई। क्योंकि आतंकवाद की फैक्ट्री वाले देश पर वह किसी तरह की कार्रवाई कबूलनामे के बाद भी नहीं कर सका है। जबकि भारत सरकार ने पाकिस्तान की स्वीकारोक्ति पर न सिर्फ उसे लताड़ लगाई, बल्कि पाकिस्तान से आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग भी की। साथ ही संयुक्त राष्ट्र से भी पाकिस्तान पर कार्रवाई के लिए अपना मत रखा है। पाकिस्तानी यूएन मिशन के काउंसलर मोहम्मद जवाद अजमल ने पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र में कहा था कि देशों को आतंकवाद और विदेशी कब्जे के खिलाफ लोगों के वैध प्रतिरोध के बीच अंतर समझना चाहिए।

पाकिस्तान द्वारा आतंक को समर्थन देने वाले बयान पर ही भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रथम सचिव रघुपुरी ने पाकिस्तान के काउंसलर को आड़े हाथों लिया था और कहा कि आतंकवाद मानवता का मूल रूप से उल्लंघन करने वाले सबसे गंभीर अपराधों में से एक है। यह कट्टरता, हिंसा और असहिष्णुता और भय का सबसे बुरा रूप है। पाकिस्तान के कबूलनामे ने पूरी दुनिया में उसकी पोल खोलकर रख दी। ऐसे में अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर पाकिस्तान में आतंक को बढ़ावा देने के आरोपों से उसके दोहरे चरित्र का भी खुलासा हुआ, जो संयुक्त राष्ट्र में उसकी किरकरी कराने के लिए काफी है। अगर बात करें नदियों के पानी की तो भारत से शत्रुता मानने वाला चीन भी तिब्बत में भारतीय सीमा के करीब 167.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत से ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध बना रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बांध के जरिए वह भारत के पानी को कभी भी रोक सकता है। भविष्य में इस नदी को वह हथियार के रूप में भारत के विरुद्ध इस्तेमाल कर सकता है। हालांकि भारत सरकार यह कहती रही है कि चीन द्वारा बनाया जा रहा बांध भारत के लिए किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा।

आमने सामने

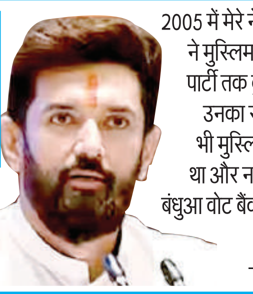

2005 में मेरे नेता व पिता रामविलास पासवान ने मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पार्टी तक कुर्बान कर दी थी, तब भी आपने उनका साथ नहीं दिया। राजद 2005 में भी मुस्लिम मुख्यमंत्री के लिए तैयार नहीं था और ना ही आज 2025 में। अगर आप बंधुआ वोट बैंक बनकर रहेंगे, तो सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी?

– **चिराग पासवान**, केंद्रीय मंत्री

चिराग क्या कहते हैं, इससे बिहार में कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। चिराग उनके साथ खड़े हैं, जिन्होंने उनके पिता की मूर्ती को तोड़वाया, उनके बंग्ले में आग लगवाई। पार्टी को दो फाड़ कर दिया। इसके बावजूद वह आज उन्हीं (बीजेपी) के साथ खड़े हैं।

– **तेजस्वी यादव**

पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

बिहार के भविष्य की दिशा तय करेगा विस चुनाव

नवेद शिकोह

वरिष्ठ पत्रकार

अपने हुनर के झंडे गाड़ चुके राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने राजनीतिक दल बनाकर बिहार विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर लड़ने का साहस किया है। वो सफल होंगे या असफल, बिहार के चुनावी नतीजे ये जिज्ञासा भी शांत करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव का नतीजा मामूली नहीं होगा, बहुत कुछ बयां करेगा। पलायन और बेरोजगारी से कराहते और जाति में उलझे इस सूबे का भविष्य तय करेगा ये चुनाव।

दशकों से स्थापित जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल की ताकत क्या कम होगी? या कोई एक बचेगा और दूसरा खत्म होने की कगार पर आए जाएगा? या दोनों का वर्चस्व कायम रहेगा? या बिहार में भी महाराष्ट्र की राजनीति दोहराएगी और यहां के दिग्गज सियासी दलों को बौना करके भाजपा बड़ा भाई बनकर स्थापित होगी। यानी भाजपा यहां अपना मुख्यमंत्री बनाकर महाराष्ट्र जैसी चाल चलेगी! अथवा मुद्दतों बाद भाजपा के पूरे होते सपनों पर पानी फेर देगी प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी। फिर पलायन का दर्द झेलते सूबे में जाति-धर्म से अलग विकास, रोजगार और खुशहाली के सूरज की किरणें नजर आने लगेंगी। या एक बार फिर नीतीश बाबू पलटी मारेंगे! संभावना इस बात की भी है कि एनडीए और महागठबंधन के सहयोगी पाला बदलकर भगदड़ मचा देंगे? कुछ भी हो सकता है।

> बिहार चुनावी नतीजे, बिहार की जनता के साथ प्रशांत किशोर की सियासत की ओपनिंग का भविष्य भी तय करेंगे। वो जीतेंगे, हारेंगे, बुरी तरह पराजित होंगे, मुख्यमंत्री बनेंगे, किंग मेकर या मजबूत विपक्षी बनकर बिहार के भविष्य को नई दिशा देंगे?

प्रशांत किशोर का अंजाम भी बहुत कुछ बयां करेगा। जैसा भी होगा, यह अभी भविष्य की गर्त में छुपा हुआ है और स्थितियां नतीजे सामने आने के बाद सामने आएंगी। मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक के सफर में नरेंद्र मोदी को अत्यंत लोकप्रिय बनाने के श्रेय

दाताओं में शामिल प्रशांत किशोर क्या राजनीतिक रणनीतिकार से सफल राजनेता बन सकेंगे? यदि उनकी जन सुराज पार्टी जीतती है, तो ये अपवाद होगा। मेंढकों को तौलने जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे बिहार चुनाव के दो गठबंधनों के बाद प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी तीसरी ताकत के रूप में नजर आने लगी है। सत्तारूढ़ एनडीए के सामने महागठबंधन है।

इस बीच प्रशांत किशोर की सियासत किसको ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी, कुछ कहा नहीं जा सकता, लेकिन सत्तारूढ़ एनडीए के नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की शिक्षा पर गंभीर सवाल, उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि के प्रमाण पेशकर पीके भाजपा पर ज्यादा हमलावर हैं। जाति की राजनीति के बिना केवल विकास के एजेंडे पर बिहार की चुनावी नैया को पार लगाना अकल्पनीय भी है और बड़ा रिस्क भी। इस नजरिए से जन सुराज के सूरज की थोड़ी सी रौशनी भी 'बीमारू' राज्य की सेहत सुधार सकती है। बिहार की सियासी जंग से लेकर चुनावी नतीजों तक ही नहीं सरकार बनने तक ये कह पाना मुश्किल है कि कौन किस पारी का है? गठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का दावेदार घोषित करने के बाद जनता दल यूनाइटेड और कांग्रेस के बीच क्या सचमुच सबकुछ ठीक हो गया है या अभी भी दिलों में तल्खियां हैं? गठबंधन आपस में ही एक दर्जन सीटों पर एक दूसरे के खिलाफ लड़ रहा है, इसका फायदा एनडीए को कितना मिलेगा कहना मुश्किल है! भाजपा नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है या नीतीश बाबू एक बार फिर पलटी मारेंगे।

आगे जीतन राम मांझी का क्या रुख होगा, चिराग पासवान का सियासी ताकत का चिराग क्या अभी भी जदयू की रौशनी कम करने पर आमादा है? वीआईपी के मुकेश साहनी की डिप्टी सीएम की दावेदारी की जिद पूरी करने से गठबंधन से मुस्लिम समाज खिसक के असद्दुदीन औवेसी को लाभ पहुंचाएगा? कुछ भी हो सकता है, लेकिन इस बात पर गौर करना होगा कि बिहार चुनाव की तीसरी ताकत पीके क्या अपनी बात पर कायम रहते हैं या अन्य नेताओं की तरह इस नए नेता की बातें भी बातें हैं बातों का क्या! पीके ने अपने बयान को बार-बार दोहराते हुए कहा है कि यदि उनकी पार्टी सरकार बनाने भर की सीटें नहीं पाती है, तो वो किसी भी गठबंधन या पार्टी के साथ नहीं जाएगी। ऐसी सियासी बातों पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

बिहार चुनावी नतीजे, बिहार की जनता के साथ प्रशांत किशोर की सियासत की ओपनिंग का भविष्य भी तय करेंगे। वो जीतेंगे, हारेंगे, बुरी तरह पराजित होंगे, मुख्यमंत्री बनेंगे, किंग मेकर या मजबूत विपक्षी बनकर बिहार के भविष्य को नई दिशा देंगे? ये वक्त बताएगा, लेकिन यदि पीके जमीनी राजनीति की पहली ही पारी में सफल हो गए तो ये अपवाद होगा।

सोशल फोरम

मास्साब का सपना

सपना भी कभी-कभी ऐसे आता है, जैसे ऊपर वाले ने हकीकत से थोड़ा मजाक करने की ठान ली हो। कल रात नींद में कुछ ऐसा ही हुआ- चुनाव आयोग की प्रेस कांफ्रेंस तीन दिन पहले ही हुई थी और अचानक अभी पार्टियों ने मिलकर घोषणा कर दी- "आगामी चुनाव में मुख्यमंत्री पद का चेहरा होंगे, हमारे आदरणीय मास्साब।" बस फिर क्या था- मास्साब शिक्षक की कुर्सी छोड़ मंच पर जा पहुंचे, भीड़ तालियां बजा रही, पत्रकार माइक बढ़ा रहे, और मास्साब आत्मविश्वास से भरे हुए अपने शिक्षकीय स्वरूप में देश बदलने को तैयार।

प्रवीण त्रिवेदी

फतेहपुर

पहला सवाल-"सर, आपकी पहली घोषणा क्या होगी?" मास्साब हंसते हुए बोले- "पहली घोषणा यही कि अब किसी शिक्षक का वेतन किसी कागज के टुकड़े से नहीं रोका जाएगा। बच्चे के आधार कार्ड या डाटा एंट्री का बोझ अब मास्साब नहीं ढोएंगे, क्योंकि शिक्षक का काम पढ़ाना है, न कि सर्वर हैंग देखना।" भीड़ एकदम शांत- जैसे किसी ने उनकी सोच पर बिजली गिरा दी हो। दूसरा आदेश- "मिड डे मील योजना में अब बदलाव होगा। बच्चों के भोजन के साथ अब शिक्षकों के लिए भी चाय बनेगी- दूध, शक्कर और आदर सहित। क्योंकि जो शिक्षक ठंडे पानी से गला साफ करके पाठ पढ़ाता है, वह किसी लोकतंत्र की ठंडक को भी मिटा सकता है।" पूरा सचिवालय ताली बजा उठा। कोई बोला- "सर, चाय से शिक्षा सुधरेगी?" मास्साब बोले- "बिलकुल, क्योंकि जो शिक्षक सुकून से बैठकर एक प्याली चाय नहीं पी सकता, वह मन लगाकर किताब कैसे पढ़ाएगा?" फिर अगला आदेश- "हर शिक्षक को दोपहर में टॉयलेट जाने और नाश्ता करने का डेडीकेटेड समय मिलेगा। कोई फाइल, कोई कॉल, कोई निरीक्षण उस समय बाधा नहीं बनेगा, क्योंकि शिक्षक भी इंसान है, मशीन नहीं।" सचिव नोट बना रहे थे, कैमरे चमक रहे थे और मास्साब लगातार गर्व से बोले जा रहे थे- "शिक्षक को अगर स्वाभिमान और सुकून दे दिया जाए, तो शिक्षा अपने आप शिखर पर पहुंच जाएगी।" फिर सपना थोड़ा और आगे बढ़ा। नई कैबिनेट बनी, मंत्रियों को विभाग बांटे, और मास्साब ने कहा- "हर अफसर महीने में एक दिन क्लास पढ़ाएगा, ताकि उसे समझ आए कि शिक्षा आदेशों से नहीं, संबंधों से चलती है।" माहौल तालियों से गूंज उठा, मास्साब आत्ममुग्ध हो उठे- "वाह, अब तो सपना भी शिक्षाशास्त्र सीख गया।" तभी पीछे से आवाज आई- "सुनिए, उठ जाइए, दूध उबल गया है।" बस फिर क्या, सपनों की पूरी कैबिनेट भाप बनकर उड़ गई और सीएम कुर्सी धुलकर फिर मास्टर वाली कुर्सी बची रह गई।

सामयिकी

शिक्षा का सार्वभौम कार्य अर्थपूर्ण परंपरा का संरक्षण

हमारे देश में आईआईटी के उच्च शिक्षण संस्थान में 2019-24 के बीच 37 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। किसानों से शुरू होते हुए अब उच्च तकनीकी संस्थान के विद्यार्थियों तक पहुंच चुकी निराशा, मानसिक अवसाद हमारी पूरी सभ्यता, राजनीति और शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती है। वैश्विक विकास और शांति की प्रधान शर्त है- युवाओं को निश्छल होकर सुना जाए।

यूनिवर्सिटी का अर्थ विश्वविद्यालय बताया जाता है, जो एक संकुचित अर्थ है। यूनिवर्सिटी का प्राचीन अर्थ है संपूर्ण सृष्टि (यूनिवर्स) के ज्ञान का केंद्र। प्राचीन विश्वविद्यालय नालंदा, ऑक्सफोर्ड आदि ज्ञान की अखंडता और वैश्विकता पर जोर देते थे। वर्तमान दौर में उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर के विद्यार्थियों की दशा तक की खबर नहीं है, वे सृष्टि का ज्ञान क्या देंगे! ऐसे संकेत हैं कि आगामी 10 सालों में 'वर्क फ्रॉम होम' की तरह 'लर्न फ्रॉम होम' का युग शुरू हो जाएगा। स्कूल-कॉलेज उजड़ने लगेंगे। पता नहीं कैसे-कैसे तूफान आएंगे। शिक्षक की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस होगा, मेधाबोट व्याख्यान देंगे। लोगों में बची-खुची सामाजिकता और संवेदनशीलता का भी ह्रास हो जा सकता है। वे बड़े पैमाने पर 'डिसइंफार्मेशन' से घिर सकते हैं।

शंभुनाथ

सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

> शिक्षक ऐसी मोमबत्ती की तरह है, जो खुद गलते हुए चारों तरफ प्रकाश फैलाती है। मोम गलता है ज्ञान की लौ की रक्षा करने के लिए। इस युग का शिक्षक कम असहाय नहीं है। वह राजनीति का दासानुदास बना दिया जा रहा है, ज्ञान की लौ की रक्षा कैसे करेगा।

शिक्षक ऐसी मोमबत्ती की तरह है, जो खुद गलते हुए चारों तरफ प्रकाश फैलाती है। मोम गलता है ज्ञान की लौ की रक्षा करने के लिए। इस युग का शिक्षक कम असहाय नहीं है। वह राजनीति का दासानुदास बना दिया जा रहा है, ज्ञान की लौ की रक्षा कैसे करेगा। फिर भी यही राह है कि वह अपनी नई भूमिका से साबित करे कि शिक्षक के बिना शिक्षा संभव नहीं है।

शिक्षा का सार्वभौम कार्य है, परंपरा में जो कुछ अर्थपूर्ण है उसका संरक्षण तथा हर क्षेत्र में जड़ता को तोड़कर नवोन्मेष। यह स्वायत्त शैक्षिक परिवेश में ही संभव है, जो दुर्भाग्यवश नहीं है। शिक्षा-संसार के करोड़ों बच्चों-युवाओं की बौद्धिक और भावनात्मक दुनिया संकट में है। इसके अलावा आज के विद्यार्थी बहुत सीमित संख्या में ज्ञान और कौशल के अधुनातन रूपों तक पहुंच पा रहे हैं। वे ज्यादातर परंपरागत और लगभग स्थिर शैक्षिक ढांचे में कैद हैं। इस ढांचे में रूढ़िवादी तत्व घुस चुके हैं, यह कीड़ों से भरा सड़ा फल है। राजनीतिक संपर्कों के कारण चाकरी पाकर कम योग्य व्यक्ति ही अब शिक्षा व्यवस्था के शीर्ष पर हैं और वे बोझ हैं। शैक्षिक दुनिया को दो फाड़ कर दिया है। गुणवत्ता-संपन्न शिक्षा अब पूरी तरह एक व्यापार है। 10 लाख, 25 लाख खर्च करके अपनी संतानों को पढ़ाने की क्षमता कुछ में ही हो सकती है। ऊपर से भेदभाव है, रोजगार की अनिश्चितता है। विद्यार्थियों को वर्तमान समय में जितने मानसिक तनाव, अनिद्रा और अनिश्चितता से गुजरना पड़ रहा है, पहले कभी नहीं गुजरना पड़ा था।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

दुनिया में जब भी बात लग्जरी कारों की होती है, तो एक अकेला नाम एक सदी से भी ज्यादा समय से लगातार अपना रुतबा बनाए नजर आता है – रॉल्स रॉयस। साल 1904 में अपनी स्थापना के बाद से यह ब्रिटिश लग्जरी कार निर्माता वैभव, शिल्प कौशल और परिष्कार का पर्याय रहा है। दरअसल रॉल्स-रॉयस सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि शाही रुतबे की निशानी है। भारत में जब पहली रॉल्स रॉयस आई थी, तब इसे सड़क पर देखना वैसा ही था, जैसे आज किसी को निजी जेट से उतरते हुए देखना। इसके "स्पिरिट ऑफ एक्स्टेसी" चिन्ह का मतलब है, शाही आत्मा का उड़ता हुआ गर्व। यह कार सड़कों पर चलती नहीं, बल्कि रौब से गुजरती है। इसका रॉल्स-रॉयस फैंटम मॉडल दुनिया की सबसे ज्यादा मांग वाली लक्जरी कारों में से एक है। दुनिया की सबसे लग्जरी कार ब्रांड रॉल्स-रॉयस ने अपने आइकॉनिक मॉडल फैंटम के 100 साल पूरे होने पर एक खास तोहफा पेश किया है- "फैंटम सेंचुरी प्राइवेट कलेक्शन"। यह लिमिटेड एडिशन सीरीज केवल 25 यूनिट्स में बनाई गई है, जो कला, तकनीक और विरासत का शानदार संगम है। रॉल्स-रॉयस के सीईओ क्रिस ब्राउनरिज ने कहा- यह कार फैंटम की 100 साल की कहानी को एक जीवित कलाकृति की तरह बयान करती है।

प्रस्तुति - मनोज त्रिपाठी

रॉल्स-रॉयस
शाही रुतबे का ख्वाब

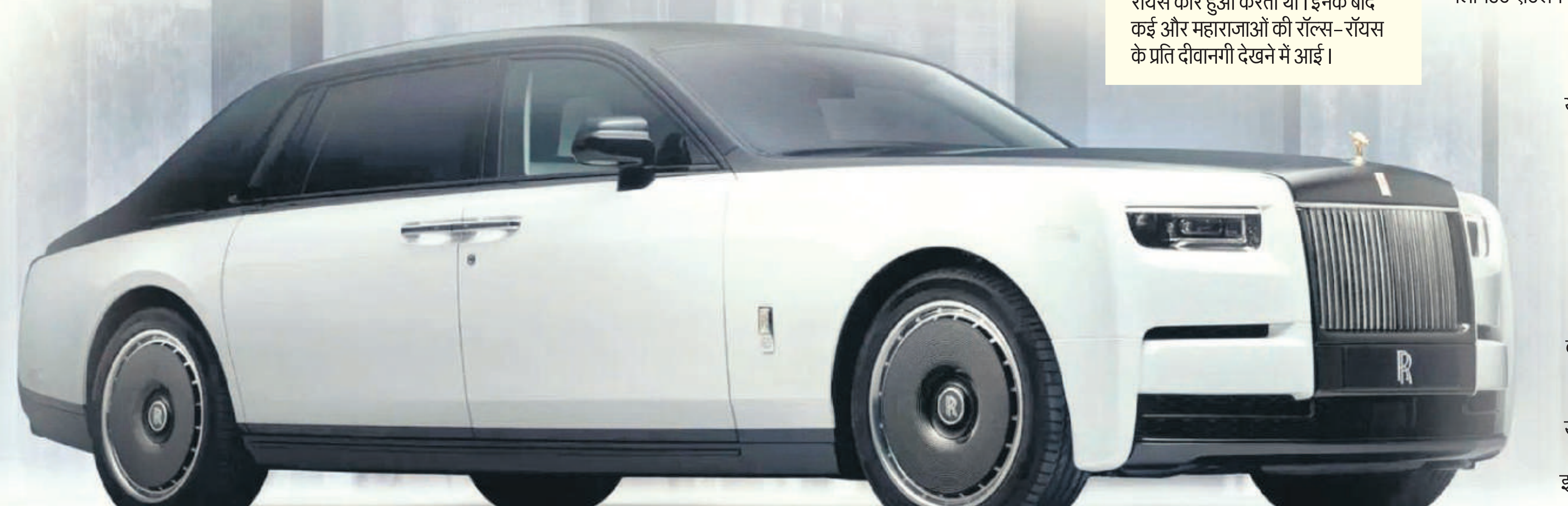

चलता-फिरता म्यूजियम

कार का इंटीरियर रॉल्स-रॉयस की 100 साल की कहानी कहता है। रियर सीट्स में 1926 की Phantom of Love से प्रेरित टेक्सटाइल्स हैं, जिनमें 1.6 लाख से अधिक बारीक टांके लगे हैं। डैशबोर्ड में Anthology Gallery नाम की खास सजावट है, जिसमें 50 एल्युमिनियम प्लेट्स पर फैंटम के गौरवशाली इतिहास के पलों को उकेरा गया है। दरवाजों की वुडवर्क में 24-कैरेट गोल्ड लीफ से बने रास्ते और पुराने फैंटम ट्रिप्स की कहानियां दर्शाई गई हैं।

डिजाइन में झलका शाही अंदाज

इस एक्सक्लूसिव मॉडल को तैयार करने में कंपनी ने तीन साल और 40,000 घंटे से ज्यादा का समय लगाया है। इसका एक्सटीरियर Super Champagne Crystal और Arctic White-Black टू-टोन पेंट में सजा है, जिसमें असली गोल्ड ग्लास पार्टिकल्स मिलाए गए हैं ताकि कार की चमक अनोखी दिखे। इसके ग्रिल पर लगी Spirit of Ecstasy मूर्ति को 18-कैरेट सोने में ढाला गया है और उस पर फैंटम सेंचुरी का खास निशान उकेरा गया है।

भारत में रॉल्स रॉयस की एंट्री

भारत में इस कार की एंट्री ब्रिटिश राज के समय हुई। सबसे पहले इसे महाराजा ऑफ अलवर, पटियाला, जयपुर और मैसूर ने खरीदा। उनके गैरेज में एक या दो नहीं, छह से लेकर बीस तक रॉल्स रॉयस कारें हुआ करती थीं। इनके बाद कई और महाराजाओं की रॉल्स-रॉयस के प्रति दीवानगी देखने में आई।

छत पर तारों से सजा इतिहास

कार की Starlight Headliner में 4.4 लाख सितारों जैसी सिलाई है, जो फैंटम की यात्रा को आसमान पर दर्शाती है। इसके इंजन हुड के नीचे वही पावरफुल 6.75-लीटर V12 इंजन है, लेकिन इस बार 24-कैरेट गोल्ड ट्रिम के साथ मानो शताब्दी को सुनहरे अंदाज में सलाम कर रहा हो। फैंटम सेंचुरी कलेक्शन सिर्फ एक कार नहीं, बल्कि 100 साल की लग्जरी, कला और इंजीनियरिंग का प्रतीक है। रॉल्स-रॉयस ने फिर साबित किया है कि लक्जरी सिर्फ बनाई नहीं जाती, गढ़ी जाती है।

कला और इंजीनियरिंग का संगम

सेंचुरी की हस्तकला एक कहानी की तरह प्रवाहित होती है। लकड़ी की नक्काशीदार सतहें सहज रूप से कढ़ाईदार चमड़े के पैनलों में परिवर्तित हो जाती हैं। 24 कैरेट सोने की झलकियां सुनहरे धागों की कढ़ाई में रूपांतरित होती हैं, जो नक्शों, भू-दृश्यों और यात्रा-मार्गों को सूक्ष्मता से प्रस्तुत करती हैं।

कीमत और क्लास

रॉल्स-रॉयस की शुरुआत भारत में करीब 9 करोड़ रुपये से होती है और कस्टमाइजेशन के साथ यह 15 से 20 करोड़ रुपये तक जा सकती है। हर रॉल्स-रॉयस कार हाथ से तैयार की जाती है। सीटों का लेदर, लकड़ी की फिनिशिंग और इंजन की साइलेंसिंग सब कस्टम डिजाइन पर निर्भर करता है। कोई दो रॉल्स-रॉयस एक जैसी नहीं होती हैं।

रॉल्स-रॉयस स्पेक्टर : यह कंपनी की पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार है। इसमें दमदार इलेक्ट्रिक मोटर, शानदार इंटीरियर और एक बेहतरीन ड्राइविंग रेंज मिलती है।

रॉल्स-रॉयस बो टेल : यह दुनिया की सबसे महंगी कारों में से एक है, जिसकी कीमत 239 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह क्लासिक यॉट (नाव) डिजाइन से प्रेरित है और एक कस्टमाइज्ड, लिमिटेड एडिशन मॉडल है।

आज भी आसान नहीं खरीदना

रॉल्स-रॉयस आज भी खरीदना आसान नहीं है। इसकी वजह न सिर्फ इसकी कीमत, बल्कि कंपनी की सेलेक्टिव अप्रोच है। यह कार सिर्फ पैसे से नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा से भी खरीदी जाती है। कंपनी अपने संभावित ग्राहकों का प्रोफाइल चेक करती है, फिर ऑर्डर स्वीकार करती है।

देश में कौन रखता है यह कार

मुकेश अंबानी : Rolls Royce Cullinan और Phantom सीरीज के मालिक हैं। विजय माल्या ने कई विंटेज और आधुनिक रॉल्स-रॉयस कारें खरीदी थीं। अमिताभ बच्चन को Rolls Royce Phantom फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा सेगिफ्ट में मिली थी। प्रियंका चोपड़ा, रणवीर सिंह, बादशाह जैसे स्टार्स के गैरेज में भी रॉल्स-रॉयस के मॉडल्स शोभा बढ़ाते रहे हैं।

अलवर महाराजा और रॉल्स-रॉयस की कहानी

यह कहानी 1920 के दशक की है, जब अलवर के महाराजा जय सिंह प्रभाकर ने लंदन की यात्रा के दौरान सादे कपड़ों में रॉल्स-रॉयस के शोरूम में पहुंच गए। उन्हें साधारण व्यक्ति समझकर शोरूम के सेल्समैन ने उनका अपमान करते हुए बाहर का रास्ता दिखा दिया। महाराजा को उनके पहनावे की वजह से अनदेखा किया गया और यह माना गया था कि वे इतनी महंगी कार नहीं खरीद सकते हैं। इस अपमान का बदला लेने के लिए दो दिन बाद महाराजा अपने शाही लिबास में दल-बल के साथ शोरूम पहुंचे। इस बार शोरूम के कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया और लाल कालीन बिछाया। महाराजा ने शोरूम में रखी सभी रॉल्स-रॉयस कारें खरीद लीं और उन्हें भारत भेजने का आदेश दिया। जब ये कारें अलवर पहुंचीं तो महाराजा ने उन्हें नगर पालिका को सौंप दिया और उनका इस्तेमाल शहर का कचरा उठाने के लिए करने का आदेश दिया। दुनियाभर में यह खबर फैल गई और रॉल्स-रॉयस की प्रतिष्ठा को भारी नुकसान पहुंचा। रॉल्स-रॉयस की बिक्री तेजी से गिरी और कंपनी को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी। रॉल्स-रॉयस कंपनी के मालिक ने महाराजा जय सिंह को टेलीग्राम भेजकर माफी मांगी और उन्हें मुफ्त में छह नई कारें देने की पेशकश की। जब महाराजा संतुष्ट हो गए कि कंपनी ने सबक सीख लिया है, तो उन्होंने कारों का इस्तेमाल कचरा उठाने के लिए बंद करवा दिया।

मॉय फर्स्ट राइड

उत्साह भी था और डर भी

हर इंसान की जिंदगी में कुछ पल ऐसे खास होते हैं, जो हमेशा याद रहते हैं। मेरे लिए ऐसा ही एक पल था-मेरी पहली ड्राइव। वो दिन आज भी मुझे साफ-साफ याद है, जब पहली बार मैंने खुद कार का स्टीयरिंग संभाला था। दिल में उत्साह भी था और डर भी कि कही गलती न हो जाए। सुबह का वक्त था, मौसम थोड़ा ठंडा था और हवा में ताजगी थी। पापा मेरे साथ बैठे थे ताकि मुझे गाइड कर सके। जैसे ही मैंने चाबी घुमाई और इंजन स्टार्ट किया, दिल की धड़कन तेज हो गई धीरे-धीरे एक्सलेटर दबाया और कार आगे बढ़ी। मुझे थोड़ा-थोड़ा डर भी लग रहा था कि कहीं कार मुझसे बेकाबू न हो जाए, कहीं टकरा न जाए, लेकिन मैंने धैर्य बनाए रखा और खुद को समझाया कि मैं कर सकती हूं और मैं आगे बढ़ती गई। मुझे याद आ रहा था कि जब मैंने पहली बार साइकिल चलाई थी वो भी मेरे लिए ज्यादा आसान नहीं था, लेकिन मैंने हिम्मत जुटाई और कर दिखाया था, लेकिन कार चलाते समय मुझे ऐसा लगा जैसे आज मैंने जिंदगी का एक नया कदम उठा लिया हो। पहले कुछ मिनटों में गाड़ी कई बार झटके खा रही थी, कभी क्लच ज्यादा छोड़ दिया तो कभी गियर गलत लगा, लेकिन पापा मुस्कुरा कर बोले, "कोई बात नहीं हर ड्राइवर ऐसे ही सिखता है", उनकी बातों से आत्मविश्वास बढ़ा और धीरे-धीरे सब सही होने लगा। जब पहली बार मैंने बिना रुके पूरी रोड पार की, तो दिल खुशी से झूम उठा।

-नूर हिना खान, बरेली

स्पोर्टी लुक, एडवांस टेक्नोलॉजी का संगम
TVS Apache RTR 200 4V

अगर आप साल के आखिर में कोई नई और स्टाइलिश स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का मन बना रहे हैं, तो TVS Apache RTR 200 4V आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकती है। यह बाइक अपने रेसिंग डीएनए, स्पोर्टी डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स के कारण युवाओं के बीच खास लोकप्रिय है।

डिजाइन और लुक

TVS Apache RTR 200 4V का डिजाइन पहली नजर में ही आकर्षित कर लेता है। बाइक में क्लास D प्रोजेक्टर हेडलैंप्स, LED हेडलाइट्स, रेसिंग डबल बैरल एग्जॉस्ट और हाइड्रोफॉर्म्ड हैंडलबार जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसका रेसिंग ओरिजिन चेसिस इसे न सिर्फ बेहतरीन स्टेबिलिटी देता है, बल्कि एक रेसिंग मशीन जैसा लुक भी प्रदान करता है।

ग्लाइड थ्रू टेक्नोलॉजी (GTT)

इस बाइक की सबसे खास बात है Glide Through Technology (GTT) पर बेस्ड है। यह फीचर खासतौर पर ट्रैफिक में चलने के दौरान बेहद काम का साबित होता है। इसमें बिना थ्रॉटल दिए केवल क्लच छोड़ने पर बाइक धीरे-धीरे खुद चलने लगती है। इससे सिटी राइडिंग आसान हो जाती है और फ्यूल एफिशिएंसी भी बेहतर होती है।

कीमत और वैरिएंट्स

टीवीएस मोटर कंपनी ने इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 1,41,290 से 1,48,620 के बीच रखी है। यानी यह अपने सेगमेंट में किफायती दाम पर प्रीमियम फीचर्स प्रदान करती है।

इंजन और परफॉर्मेंस

इस बाइक में 197.75cc का BS 6 इंजन दिया गया है, जो 20.54 bhp की पावर और 17.25 Nm का टॉर्क जेनरेट करता है। इंजन के साथ 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और 12 लीटर का फ्यूल टैंक मिलता है। इसके अलावा बाइक में 5 इंच की TFT कलर डिस्प्ले दी गई है, जो टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन (TBT) और कई स्मार्ट फीचर्स से लैस है।

माइलेज और राइडिंग एक्सपीरियंस

कंपनी का दावा है कि Apache RTR 200 4V लगभग 42 KMPL का माइलेज देती है। यानी पावर और परफॉर्मेंस के साथ यह बाइक माइलेज में भी बेहतरीन संतुलन पेश करती है। साथ ही इसका स्पोर्टी डिजाइन, स्मूद राइडिंग एक्सपीरियंस और एडवांस टेक्नोलॉजी इसे 200cc सेगमेंट की सबसे खास बाइक बनाते हैं।

नहीं टिकेगी धुंध
अपनाएं ये खास टिप्स

सर्दियों का मौसम आते ही कार के शीशों पर धुंध जमने की समस्या आम हो जाती है। यह समस्या न केवल विजिबिलिटी को कम करती है, बल्कि सड़क पर ड्राइविंग को भी खतरनाक बना देती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, हम आपको कुछ आसान और असरदार टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप इस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

क्यों जमती है शीशों पर धुंध

कार के शीशों पर धुंध जमने का प्रमुख कारण कार के भीतर की नमी होती है। जब कार के अंदर का तापमान बाहर के तापमान से अधिक होता है, तो ठंडी हवा शीशों से टकराकर धुंध बना देती है। इससे विजिबिलिटी कम हो जाती है और ड्राइविंग करना मुश्किल हो जाता है।

ऐसे हटाएं धुंध

- **एयर कंडीशनर का इस्तेमाल करें :** धुंध हटाने के लिए एसी एक अच्छा विकल्प है। एसी चलाने से कार के अंदर का तापमान बाहर के तापमान के बराबर हो जाता है, जिससे धुंध जमने की समस्या कम हो जाती है।
- **हीटर का इस्तेमाल न करें :** हीटर चलाने से नमी बढ़ सकती है, जिससे धुंध जमने की समस्या और भी बढ़ सकती है।
- **खिड़कियों को थोड़ा खोलें :** अगर आप एसी नहीं चलाना चाहते हैं, तो कार की खिड़कियों को थोड़ा खोलकर भी धुंध से छुटकारा पा सकते हैं। इससे बाहर की ठंडी हवा कार के अंदर आती रहेगी और धुंध जमने की समस्या कम हो जाएगी।
- **सिलिका बॉल्स का इस्तेमाल करें :** सिलिका बॉल्स नमी को अवशोषित करते हैं, जिससे धुंध जमने की समस्या कम हो जाती है। आप अपनी कार के डैशबोर्ड पर सिलिका बॉल्स रख सकते हैं।
- **एंटी-फॉग स्प्रे का इस्तेमाल करें :** मार्केट में एंटी-फॉग स्प्रे उपलब्ध हैं, जो शीशों पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाते हैं, जो धुंध को जमने से रोकता है।

सुरक्षित ड्राइविंग के लिए टिप्स

- **धीमी गति से चलाएं कार :** कोहरे में ड्राइविंग करते समय धीमी गति से चलाना सबसे अच्छा होता है। इससे आपको विजिबिलिटी कम होने पर भी अपने वाहन को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।
- **फॉग लाइट्स का इस्तेमाल करें :** अगर आपकी कार में फॉग लाइट्स हैं, तो उन्हें जरूर इस्तेमाल करें। ये लाइट्स कोहरे में विजिबिलिटी बढ़ाने में मदद करती हैं।
- **सुरक्षित दूरी बनाकर रखें :** कोहरे में ड्राइविंग करते समय सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाकर रखें। इससे आपको अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में टक्कर से बचने में मदद मिलेगी।
- इन आसान टिप्स को अपनाकर आप सर्दियों में कार के शीशों पर जमने वाली धुंध से छुटकारा पा सकते हैं और सुरक्षित ड्राइविंग कर सकते हैं। याद रखें, सुरक्षित ड्राइविंग न केवल आपकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है।

लेंसकार्ट का आईपीओ 31 को 2,150 करोड़ जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। चश्मों की खुदरा कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस 31 अक्टूबर को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएगी। कंपनी का लक्ष्य 2,150 करोड़ रुपये जुटाना है। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर को खुलेगा और चार नवंबर को बंद होगा तथा एंकर निवेशकों के लिए बोली 30 अक्टूबर को खुलेगी। आईपीओ में बिक्री पेशकश भी है, जिसमें प्रवर्तक और निवेशक 12.75 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयर बेचेंगे।

अमृत विचार
कानपुर, सोमवार, 27 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की समीक्षा बैठक जल्द

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय जल्द देश में उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए बैठक बुलाएगा। यह बैठक हाल की रैंकिंग में अधिकांश संगठनों के खराब प्रदर्शन के मद्देनजर होने जा रही है। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा उड़ान प्रशिक्षण संगठनों (एफटीओ) की पहली बार की गई रैंकिंग में सूचीबद्ध 35 संगठनों में से कोई भी 'ए+' और 'ए' श्रेणी की सर्वोच्च रेटिंग प्राप्त नहीं कर सका। इन 35 एफटीओ में से 13 को 'बी' रैंकिंग और 22 को 'सी' रैंकिंग दी गई है। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बताया कि वह एफटीओ के प्रतिनिधियों से मिलकर उनके मानकों में सुधार के तरीकों पर चर्चा करेंगे।

अल्कोहल पेय उद्योग को 20% वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। त्योहारी बिक्री में दो अंक की तेजी से अल्कोहल आधारित पेय उद्योग पूरे जोश में है। उद्योग का अनुमान है कि दिसंबर तिमाही में बिक्री 20% बढ़ेगी। उद्योग ने अंतिम चरण में चल रहे डेढ़ महीने के त्योहारी सत्र के दौरान सभी श्रेणियों की बिक्री में वृद्धि देखी। व्हिस्की खंड, स्कॉच, रम या वोदका, व्हाइट रम, जिन और टकीला जैसी व्हाइट स्पिरिट की अच्छी मांग रही। इस त्योहारी सत्र में उद्योग ने प्रीमियम श्रेणी के साथ ही छोटे दूसरी और तीसरी श्रेणी के बाजारों में भी उच्च वृद्धि देखी। रेडिको खेतान के मुख्य परिचालन अधिकारी अमर सिन्हा ने बताया कि प्रीमियम और लक्जरी पोर्टफोलियो में जबर्दस्त मांग दिखा है।

एपीएसी-एआईजी की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत पहली बार 28-31 अक्टूबर तक एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। रविवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि एशिया प्रशांत दुर्घटना जांच समूह (एपीएसी-एआईजी) में 90 विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। नागर विमानन मंत्रालय की ओर से विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) बैठक की मेजबानी करेगा।

फेडरल के निर्णय बदलेंगे शेयर बाजार की चाल

कंपनियों के तिमाही नतीजों और व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर रहेगी निवेशकों की नजर

- भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रगति पर भी होगा विशेष ध्यान

नई दिल्ली, एजेंसी

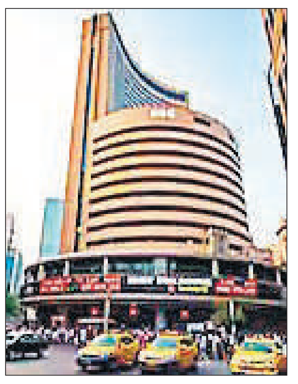

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस व्यस्त सप्ताह में मौजूदा तिमाही नतीजों के सीजन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय और व्यापक आर्थिक आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

एक विशेषज्ञ ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रगति पर निवेशकों का विशेष ध्यान रहेगा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का सीजन बाजार की दिशा तय करता रहेगा, क्योंकि कई प्रमुख कंपनियां अपने वित्तीय आंकड़े जारी करने वाली हैं। निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे। इसके बाद आईओसी, टीवीएस मोटर कंपनी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईटीसी, सिप्ला, डाबर, मारुति और एसीसी के नतीजों पर निगाह रहेगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा कि 28 अक्टूबर को आने वाले सितंबर के भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर नजर होगी। वैश्विक स्तर पर सभी का ध्यान 29 अक्टूबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले पर केंद्रित रहेगा, जो वैश्विक तरलता रुझानों और जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है। बाजार भागीदार अमेरिका-चीन के राष्ट्रपति की तय बैठक से जुड़े घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे, जिससे व्यापार तनाव कम हो सकता है। विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रहेगी।

ऑनलाइन ट्रेडिंग व संपत्ति प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रगति पर निवेशकों का ध्यान होगा। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा था कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं, जबकि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत जल्दबाजी में या 'सिर पर बंदूक' रखकर कोई समझौता नहीं करेगा।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि यह यह व्यापक आर्थिक सप्ताह रहेगा, जिसमें निवेशक अमेरिकी जीडीपी के आंकड़ों, फेडरल रिजर्व, यूरोपीय केंद्रीय बैंक और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर संबंधी निर्णयों के साथ चीन के विनिर्माण पीएमआई और भारत के औद्योगिक सहित प्रमुख आंकड़ों पर नजर रख रहे हैं।

शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नई दिल्ली। छुट्टियों से कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 259.69 अंक या 0.30 प्रतिशत चढ़ा। गुरुवार को सेंसेक्स 85,290.06 अंक के अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर को छू गया। शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को लाभ हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

भविष्य को लेकर एफएमसीजी की कंपनियां आशान्वित

नई दिल्ली, एजेंसी

- सितंबर की तिमाही में जीएसटी सुधारों व असामान्य बारिश से कंपनियां हुईं प्रभावित

भारतीय बाजार में रोजमर्रा की जरूरत का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों ने सितंबर की तिमाही में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों और देश के कुछ हिस्सों में असामान्य बारिश के कारण व्यवधान का सामना किया। इन कंपनियों ने कहा कि इस वजह से उनकी बिक्री पर असर पड़ सकता है, लेकिन अनुकूल वृहद आर्थिक परिस्थितियों के कारण उन्हें आने वाली तिमाहियों में वृद्धि की उम्मीद है।

यूनिलीवर, रेकिट, हेनेकेन, पेप्सिको और कोका-कोला सहित एफएमसीजी खंड की प्रमुख वैश्विक कंपनियों ने अपनी आय संबंधी वार्ताओं में कहा कि सितंबर में व्यापार चैनल में व्यवधान के कारण उन्हें चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यूनिलीवर के सीईओ फर्नांडो फर्नांडीज ने कहा कि हमारे उभरते बाजारों का प्रदर्शन सुधर रहा है। विशेष रूप से भारत मध्यम अवधि में बहुत अच्छी स्थिति में है। जीएसटी सुधार का अल्पावधि में कुछ प्रभाव पड़ा है, लेकिन हमारा मानना है कि यह हमारे पोर्टफोलियो के 40% हिस्से के लिए अच्छी खबर है, जहां कीमतों में 10% की कमी आई है।

ब्रिटिश एफएमसीजी कंपनी रेकिट ने कहा कि नए जीएसटी स्लैब के लागू होने से सितंबर तिमाही में भारत में उसकी शुद्ध राजस्व वृद्धि प्रभावित हुई, हालांकि डेटॉल ब्रांड में बिक्री आधारित वृद्धि हुई।

एसबीआई 3,500 अधिकारी करेगा नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

- परिचालन मजबूत करने व सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए बैंक ने लिया निर्णय

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने परिचालन को मजबूत करने और देश भर में सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,500 अधिकारियों की नियुक्ति करने की योजना बना रहा है।

बैंक के उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) किशोर पोलुदासु ने बताया कि बैंक ने जून में 505 परिवीक्षाधीन अधिकारियों (पीओ) की भर्ती की है। इतनी ही संख्या में रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया जारी है... आवेदन मिले हैं। उन्होंने विशेषज्ञ अधिकारियों के संबंध में कहा कि आईटी और साइबर सुरक्षा क्षेत्र की देखभाल के लिए 1,300 अधिकारियों का चयन पहले ही हो चुका है। पीओ के 541 रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी हो चुका है। आवेदन मिल चुके हैं। पीओ की भर्ती तीन चरणों वाली प्रक्रिया से होती है- प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। लगभग 3,000 सर्किल आधारित अधिकारियों की नियुक्ति पर विचार हो रहा है। यह काम चालू वित्त वर्ष में पूरा हो जाना चाहिए।

इस साल की शुरुआत में, एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा था कि बैंक की विभिन्न श्रेणियों में कुल भर्तियां 18,000 होंगी। इनमें से 13,500 लिपिकीय भर्तियां होंगी और बाकी परिवीक्षाधीन अधिकारी और स्थानीय स्तर पर कार्यरत अधिकारी होंगे। एसबीआई ने पहली तिमाही में कहा था कि वह ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 13,455 जूनियर एसोसिएट्स और 505 पीओ की भर्ती करेगी।

पोलुदासु ने कहा कि देश के सबसे बड़े ऋणदाता ने लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए रणनीति तैयार की है, जिसका लक्ष्य पांच वर्षों में अपने महिला कार्यबल को 30% तक बढ़ाना है। अगर हम अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की बात करें, तो महिलाएं 33% हैं, लेकिन कुल मिलाकर वे कुल कार्यबल का 27% हैं। इसलिए,हम इस को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेंगे। बैंक इस अंतर को पाटने और मध्यम अवधि में अपने कार्यबल में 30% महिलाओं के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कदम उठा रहा है। एसबीआई के कुल कर्मचारी 2.4 लाख हैं। बैंक ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां महिलाएं सभी स्तर पर उन्नति कर सकें।

अडाणी ग्रुप में एलआईसी नहीं, विदेशी कंपनियों का बड़ा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिकी एथेन इंश्योरेंस ने किया है 75 करोड़ डॉलर का निवेश

अडाणी समूह में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का निवेश भले ही सुर्खियों में हो, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि गौतम अडाणी द्वारा नियंत्रित इकाइयों में सबसे बड़े निवेश सरकारी बीमा कंपनी से नहीं, बल्कि प्रमुख अमेरिकी और वैश्विक बीमा कंपनियों से आए हैं।

जून, 2025 में, अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड में एलआईसी द्वारा 57 करोड़ डॉलर (5,000 करोड़ रुपये) के निवेश के एक महीने बाद, अमेरिका के एथेन इंश्योरेंस ने अडाणी के मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में 6,650 करोड़ रुपये (75 करोड़ डॉलर) के ऋण निवेश का नेतृत्व किया, जिसमें कई प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बीमा कंपनियां शामिल हुईं।

एथेन की मूल कंपनी अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने 23 जून को कहा था कि उसके प्रबंधित फंड, सहयोगी और अन्य दीर्घकालिक निवेशकों ने मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (मायल) के लिए 75 करोड़ डॉलर का 'निवेश ग्रेड रेटेड वित्तपोषण' पूरा किया है। यह अपोलो द्वारा मायल के लिए दूसरा बड़ा वित्तपोषण था। अन्य कोष जुटाने में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड द्वारा डीबीएस बैंक, डीजेड बैंक, राबोबैंक और बैंक सिनोपैक कंपनी सहित वैश्विक ऋणदाताओं के समूह से 25 करोड़ डॉलर जुटाना था।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की अगस्त की रिपोर्ट के अनुसार, समूह ने वर्ष की पहली छमाही में बंदरगाह इकाई (एपीएसईजेड), नवीकरणीय ऊर्जा इकाई (एजीईएल), प्रमुख कंपनी (अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड) और बिजली पारेषण इकाई (अडाणी एनर्जी) में 10 अरब डॉलर की नई ऋण सुविधाओं पर हस्ताक्षर किए।

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के बाद उपजा विवाद

वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा है कि वैश्विक निवेशकों की हिचकिचाहट के बीच सरकारी अधिकारियों ने एलआईसी के निवेश निर्णयों को प्रभावित किया। इससे अडाणी समूह में एलआईसी का निवेश सुर्खियों में आ गया। शनिवार को एलआईसी ने इस रिपोर्ट को 'झूठा, निराधार बताया और कहा कि अडाणी समूह में उसका निवेश स्वतंत्र और विस्तृत जांच-पड़ताल के बाद उसके निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार किया गया था। भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने कुछ वर्षों में बुनियादी बातों और विस्तृत जांच-पड़ताल के आधार पर विभिन्न कंपनियों में निवेश के फैसले लिए हैं। भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इसका निवेश मूल्य 2014 से 10 गुना बढ़कर 1.56 लाख करोड़ से 15.6 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अडाणी समूह में इसका निवेश समूह के कुल 2.6 लाख के कर्ज के 2% से भी कम है। वहीं, एलआईसी की सबसे बड़ी होल्डिंग रिलायंस, आईटीसी और टाटा समूह हैं। एलआईसी के पास अडाणी के 4% यानी 60,000 करोड़ के शेयर हैं, जबकि रिलायंस में 6.94% (1.33 लाख करोड़), आईटीसी में 15.86% (82,800 करोड़), एचडीएफसी बैंक में 4.89% (64,725 करोड़) और एसबीआई में 9.59% (79,361 करोड़ रुपये) शेयर हैं। एलआईसी के पास टीसीएस में 5.02% हिस्सेदारी है, जिसका मूल्य 5.7 लाख करोड़ रुपये है।

वंदे मातरम के 150वें वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर नागरिक दे योगदान

प्रधानमंत्री ने अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों से किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

- देश के विभिन्न भागों में नागरिकों द्वारा की गई कई अनूठी पहलों का किया उल्लेख
- भारतीय नस्ल के श्वान को अर्धसैनिक बलों में शामिल करने की भी सराहना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' भारत की जीवंत और भव्य स्वरूप को दर्शाता है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे भावी पीढ़ियों के लिए इसके मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए इस गीत के 150वें वर्ष को यादगार बनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित और रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा 1896 में पहली बार गाए गए राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में इससे संबंधित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने 30 मिनट के संबोधन में देश के विभिन्न भागों में नागरिकों द्वारा की गई कई अनूठी पहलों का उल्लेख किया, जिनमें गुजरात में मैंग्रोव लगाया जाना, छत्तीसगढ़ में 'गार्बेज कैफे' की शुरुआत और बेंगलुरु में झीलों को पुनर्जीवित करने के प्रयास शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने अर्धसैनिक बलों-सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा अपनी इकाइयों में भारतीय नस्ल के श्वान को शामिल करने के प्रयासों की भी सराहना की और याद दिलाया कि एक मुधोल हाउंड ने एक प्रतियोगिता में विदेशी नस्ल के कुत्तों को पीछे छोड़ते हुए पुरस्कार जीता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साल, छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित इलाके में गश्त के दौरान सीआरपीएफ के एक देसी श्वान ने 8 किलोग्राम विस्फोटक का पता लगाया था। बीएसएफ और सीआरपीएफ ने रामपुर हाउंड, मुधोल हाउंड, मोंगरेल्स, कोम्बाई और पांडिकोना जैसी भारतीय नस्ल के कुत्तों को अपने श्वान दस्तों में शामिल किया है और इनमें से कुछ 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में गुजरात के एकता नगर में आयोजित परेड में भाग लेंगे।

विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है भारतीय कॉफी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल सहित देश के विभिन्न राज्यों में उगाई जाने वाली कॉफी विश्व स्तर पर लोकप्रिय हो रही है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' के 127वें संस्करण में कहा कि पूर्वोत्तर भी कॉफी की खेती में आगे बढ़ रहा है और इससे दुनिया भर में भारतीय कॉफी की पहचान मजबूत और लोकप्रिय हो रही है। चाहे कर्नाटक में चिकमंगलुरु, कुर्ग और हासन हो या तमिलनाडु में पुलनी, शेवरॉय, नीलगिरी और अन्नामलाई हों। कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा पर नीलगिरि हो या फिर केरल में वायनाड, त्रावणकोर और मालाबार हों - भारत की कॉफी की विविधता देखते ही बनती है। मोदी ने बताया कि कि कोरापुट (ओडिशा) की कॉफी भी लोकप्रियता हासिल कर रही है। कुछ लोगों ने कॉफी की खेती के अपने जुनून को पूरा करने के लिए आकर्षक कॉरपोरेट नौकरियां छोड़ दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें कॉफी इतनी पसंद आई कि वे इस क्षेत्र में आ गए और अब इसमें सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। कई महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में कॉफी की वजह से सुखद बदलाव आया है। कोरापुट क्षेत्र अपनी अनूठी कृषि-जलवायु के लिए जाना जाता है जो उच्च गुणवत्ता वाली अरेबिका कॉफी के लिए उपयुक्त हैं। राज्य में लगभग 5,000 हेक्टेयर भूमि पर कॉफी की खेती होती है।

ऑपरेशन सिंदूर व नक्सलवाद के खात्मे ने त्योहारों की बढ़ाई रौनक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और माओवादी समस्या के उन्मूलन के लिए उठाए गए कदमों के कारण इस वर्ष त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छठ पूजा भक्ति, स्नेह और परंपरा का संगम है और यह भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण हैं। आप देश और दुनिया के किसी भी कोने में हों, यदि मौका मिले, तो छठ उत्सव में जरूर हिस्सा लें। उन्होंने त्योहारों के इस अवसर पर नागरिकों को लिखे अपने पत्र को याद करते हुए कहा कि देश की उपलब्धियों से इस बार त्योहारों की रौनक पहले से ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया है। इस बार उन इलाकों में भी खुशियों के दीप जलाए गए जहां कभी माओवादी आतंक का अंधेरा छाया रहता था। लोग उस माओवादी आतंक का जड़ से खात्मा चाहते हैं जिसने उनके बच्चों का भविष्य संकट में डाल दिया था। मोदी ने कोमरम भीम के साहस की भी सराहना की, जिन्होंने हैदराबाद के निजाम के अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और क्षेत्र में किसानों की फसलों को जब्त करने के लिए उनके द्वारा भेजे गए एक अधिकारी को मार डाला था। साथियो, उस दौर में जब निजाम के खिलाफ एक शब्द बोलना भी गुनाह था। उस नौजवान ने सिद्दीकी नाम के निजाम के एक अधिकारी को खुली चुनौती दे दी थी। निजाम ने सिद्दीकी को किसानों की फसलें जब्त करने के लिए भेजा था। लेकिन अत्याचार के खिलाफ इस संघर्ष में उस नौजवान ने सिद्दीकी को मौत के घाट उतार दिया। मोदी ने कहा कि भीम गिरफ्तारी से बच निकलने में भी कामयाब रहे और निजाम की अत्याचारी पुलिस से बचते हुए सैकड़ों किलोमीटर दूर असम जा पहुंचे।

सोशल मीडिया ने संस्कृत को दी नई प्राणवायु

प्रधानमंत्री ने कहा कि संस्कृति और सोशल मीडिया की दुनिया ने संस्कृत को नई प्राणवायु दे दी है और कई युवा रील के माध्यम से संस्कृत के बारे में बात करते दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि कई लोग तो अपने सोशल मीडिया चैनल के जरिए संस्कृत सिखाते भी हैं। ऐसे ही एक युवा कंटेंट क्रिएटर हैं – भाई यश सालुंड़के। यश की खास बात ये है कि वो कंटेंट क्रिएटर भी हैं और क्रिकेटर भी हैं। संस्कृत में बात करते हुए क्रिकेट खेलने की रील लोगों ने पसंद की है।

जदयू ने पूर्व मंत्री समेत 11 नेताओं को पार्टी से निकाला

पटना, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

- पार्टी विरोधी गतिविधियां करने और विचारधारा की अवहेलना के आरोप पर हुई कार्रवाई

बिहार में विस चुनाव नजदीक आने के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दल जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) ने पार्टी विरोधी गतिविधियां करने और विचारधारा की अवहेलना के आरोप में पूर्व मंत्री सहित 11 नेताओं को निष्कासित कर दिया है। जद(यू) की प्रदेश इकाई के महासचिव चंदन सिंह ने बताया कि सभी 11 नेताओं को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी निलंबित किया गया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी ने पाया कि ये सभी 11 नेता राज्य में पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं जिसके बाद पार्टी ने कार्रवाई की। जिनको निकाला गया है, उनमें पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह और सुधर्शन कुमार तथा पूर्व विधान पार्षद संजय प्रसाद एवं रणविजय सिंह शामिल हैं। जद(यू) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ये नेता राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवारों के खिलाफ काम कर रहे थे। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे तथा मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी।

राघोपुर दे सकता है अगला मुख्यमंत्री

राघोपुर (बिहार)। राघोपुर विस क्षेत्र में माहौल उत्सुकता से भरा हुआ है, जहां 3.4 लाख से अधिक मतदाता इस बात से वाकिफ हैं कि वे जिस उम्मीदवार को चुनेंगे, वह राज्य का अगला मुख्यमंत्री भी हो सकता है। यह निर्वाचन क्षेत्र वैशाली जिले का हिस्सा है और इसे पूर्व में भी दो मुख्यमंत्रियों - लालू प्रसाद (1995) और राबड़ी देवी (2000) को चुनने का गौरव प्राप्त है। उनके पुत्र तेजस्वी यादव ने 2015 में यहीं से चुनावी पारी की शुरुआत की थी। महागठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी इस सीट से तीसरी बार जीत का लक्ष्य लेकर चुनावी मैदान में हैं।

अब बिहारी होना राज्य के लिए गर्व की बात : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को दावा किया कि नवंबर 2005 में उनकी सरकार बनने के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ है और आज बिहारी होना राज्यवासियों के लिए गर्व की बात है। एक्स पर उन्होंने लिखा कि लोग 2005 से पहले का बिहार नहीं भूल सकते, जब अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर थे। हमारी सरकार आने के बाद कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई। अपराध और भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई गई। अब राज्य में भय और आतंक का माहौल नहीं है। अब बिहारी होना राज्य के लिये गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी गठबंधन पर नाम लिए बिना निशाना साधते हुए कहा कि 2005 से पहले (जब राजद सत्ता में थी) राज्य में अराजकता का माहौल था। शाम छह बजे के बाद लोगों का घर से निकलना मुश्किल था। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। उस समय बिहारी होना अपमान माना जाता था।

सत्ता में आए तो वक्फ कानून कूड़ेदान में फेंक देंगे : तेजस्वी

पटना/कटिहार। विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर रविवार को कहा कि गठबंधन के सत्ता में आने पर इस अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता ने मुस्लिम बहुल कटिहार जिले की जनसभा में आरोप लगाया कि उनके पिता एवं राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने कभी सांप्रदायिक ताकतों से समझौता नहीं किया, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा ऐसी ताकतों का साथ दिया है, जिससे आरएसएस और उसके सहयोगी संगठन राज्य और देश में नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने भाजपा को भारत जलाओ पार्टी करार देते हुए कहा कि भाजपा सत्ता में आई तो सांप्रदायिक एजेंडा तेज होगा।

फर्जी इंस्टाग्राम स्टोर से आईफोन हेराफेरी का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को फर्जी इंस्टाग्राम स्टोर के ज़रिए लोगों को रियायती दामों पर आईफोन बेचकर ठगने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने बताया कि 19 वर्षीय युवक अमन पर कथित तौर पर फर्जी इंस्टाग्राम स्टोर के ज़रिए लोगों को रियायती दामों पर आईफोन बेचकर ठगने का आरोप है।

पीड़ित द्वारा 65,782 रुपये की ठगी की शिकायत के बाद जांच शुरू हुई। पीड़ित ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आईफोन 16 प्रो के लिए 29 अलग-अलग यूपीआई लेनदेन कर रकम चुकाई थी। वारंटी, बॉर्डर टैक्स और शिपिंग शुल्क जैसे कई झूठे बहाने बनाकर भुगतान की मांग की गई, जिसके बाद आरोपी ने जवाब देना बंद कर दिया। बाहरी उत्तरी जिला के पुलिस उपायुक्त हरेश्वर स्वामी ने कहा कि साइबर सेल ने तकनीकी विश्लेषण के बाद हरियाणा के हिसार में छापेमारी की, जिसके बाद मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ऑनलाइन डील चाहने वालों को निशाना बनाता था।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहा अति निम्न दबाव का क्षेत्र

समुद्री चक्रवात की आशंका के कारण ओडिशा के सभी जिले अलर्ट पर

भुवनेश्वर, एजेंसी

- आईएमडी ने पांच जिलों के लिए रेड और अन्य के लिए ओरेंज व येलो अलर्ट किया जारी

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र रविवार को और अधिक गहरा हो गया और यह धीरे-धीरे पूर्वी तट की ओर बढ़ रहा है जिससे ओडिशा सरकार ने सभी 30 जिलों को अलर्ट पर रखा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ओडिशा में 28-29 अक्टूबर को बहुत भारी से लेकर अति भारी बारिश होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ओडिशा के पांच जिलों मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़, गजपति और गंजाम के लिए रेड अलर्ट और कई अन्य के लिए ओरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने सभी बंदरगाहों पर दूरस्थ चेतावनी संकेत प्रदर्शित किया और मछुआरों को 29 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने के लिए कहा है। अधिकारी लाउडस्पीकर व मेगाफोन से समुद्र में गए मछुआरों को सचेत कर रहे हैं और तुरंत लौटने का आग्रह कर रहे हैं। ओडिशा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि सभी 30 जिलों को अलर्ट पर रखा गया है और बचाव एवं राहत कार्यों के लिए कर्मचारी और प्रशासन तैयार है। कलेक्टरों को निचले समेत उन जगहों से लोगों को निकालने का निर्देश दिया गया है जहां प्रभाव के अधिक होने की आशंका है।

हाथियों की बर्थडे पार्टी

मादा हाथी मो मो (दाईं ओर दूसरी) रविवार को म्यांमार के यांगून स्थित यांगून जूलॉजिकल गार्डन में अपने 72वें जन्मदिन पार्टी में अपने दोस्तों के साथ फलों, सब्जियों और गन्ने से बना केक खा रही। ● एजेंसी

कर्नाटक में पहला बीज...अब दुनिया में दबदबा

भारतीय कॉफी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कॉफी की खेती पर चर्चा करते कहा कि भारतीय कॉफी अब दुनिया भर में लोकप्रिय हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के अलावा पूर्वोत्तर भी कॉफी की खेती में आगे बढ़ रहा है जिससे दुनिया भर में भारतीय कॉफी की पहचान और मजबूत हो रही है। भारत में कॉफी उत्पादन का इतिहास 17वीं शताब्दी में शुरू हुआ, जब बाबा बुदन ने कर्नाटक में कॉफी का पहला बीज 1670 में रोपा था। बाबा बुदन एक सूफी संत थे जिन्होंने यमन से कॉफी के बीज लाकर कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले में स्थित बाबा बुदन गिरी में सबसे पहले इसकी खेती की। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान यमन से कॉफी के सात बीज लाए थे और उन्हें भारत में उगाया था। इस प्रकार, बाबा बुदन को भारत में कॉफी की शुरुआत करने का श्रेय दिया जाता है। तब से लेकर अब तक, भारत में कॉफी उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है।

उत्पादन में भारत का 7वां स्थान

- भारत के बाद ब्राजील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया, इथियोपिया और युगांडा जैसे देश कॉफी उत्पादन में शीर्ष पर हैं।

- भारत का कॉफी उत्पादन मुख्य रूप से अरेबिका और रोबस्टा किस्मों पर आधारित है, जिनमें से लगभग 70% का निर्यात किया जाता है।

1.29 बिलियन डॉलर निर्यात

- वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारतीय कॉफी का निर्यात 1.29 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो 2020-21 के 719.42 मिलियन डॉलर से लगभग दोगुना है।
- भारत में कॉफी की खेती मुख्य रूप से कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में की जाती है, जो देश के कुल कॉफी उत्पादन में क्रमशः 70%, 23% और 5% का योगदान करते हैं।

120 से अधिक देशों को हो रहा निर्यात

भारत 120 से अधिक देशों को कॉफी का निर्यात करता है। इटली को सबसे ज्यादा कॉफी निर्यात की जाती है। जो कुल निर्यात का लगभग 20% हिस्सा है। इसके अलावा जर्मनी भारत के कॉफी निर्यात का एक महत्वपूर्ण गंतव्यहै। रूस भी भारत के कॉफी निर्यात के लिए एक बड़ा बाजार है। बेल्जियम और जॉर्डन भी भारत के कॉफी निर्यात के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात, तुर्की, पोलैंड, अमेरिका, लीबिया में भी भारतीय कॉफी की बड़ी मांग है।

कुल उत्पादन लगभग 3.32 लाख टन

भारत में कॉफी का कुल उत्पादन लगभग 3.32 लाख टन है। देश में मुख्य रूप से अरेबिका और रोबस्टा कॉफी की खेती की जाती है, जिसमें रोबस्टा की हिस्सेदारी लगभग 70% और अरेबिका की हिस्सेदारी लगभग 30% है। कॉफी उत्पादन मुख्य रूप से कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में होता है, भारतीय कॉफी की गुणवत्ता उच्च मानी जाती है, इसका अधिकांश हिस्सा निर्यात किया जाता है

पहले देश में आयात की जाती थी कॉफी

भारत पहले कॉफी आयात करता था, लेकिन अब देश ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई है और वैश्विक बाजार में एक महत्वपूर्ण निर्यातक के रूप में उभरा है। वर्तमान में, भारत दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत का कॉफी निर्यात मुख्य रूप से अरेबिका और रोबस्टा किस्मों का होता है, जो दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूस ने किया क्रूज मिसाइल का परीक्षण

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असीमित रेंज वाली अद्वितीय परमाणु ऊर्जा संचालित 'बुरेवेस्त्निक' क्रूज मिसाइल के सफल परीक्षण की रविवार को घोषणा की। पुतिन ने 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' और अन्य सैन्य कमांडरों के साथ अपनी बैठक में उल्लेख किया कि हाल में परमाणु शक्तियों के अभ्यास के दौरान 'बुरेवेस्त्निक' क्रूज मिसाइल 15 घंटे तक हवा में रही और उसने सफल परीक्षणों के दौरान 14,000 किलोमीटर की दूरी तय की।

कीव पर ड्रोन हमलों में तीन लोगों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार रात ड्रोन से हमले किए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कीव पर लगातार दूसरी रात हुए हमले में कम से कम 29 लोग घायल हो गए, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 101 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 90 को यूक्रेनी बलों ने मार गिराया। ड्रोन से हुए हमलों में चार स्थानों पर नुकसान पहुंचा।

मैसुरु में बाघ के हमले में व्यक्ति की मौत

मैसुरु। मैसुरु जिले के एक गांव में रविवार को बाघ के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गयी, जिसके बाद कुछ गांवों में दहशत फैल गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सारागुरू तालुक के मुल्लूर गांव के पास हुई। वन अधिकारियों के अनुसार, मुल्लूर निवासी राजशेखर मूर्ति (58) पर एक आदमखोर बाघ ने हमला कर दिया। घटना दोपहर के वक्त हुई, जब वह खुले में अपने मवेशियों को चरा रहे थे।

हाथियों से बचाव को जागरूकता अभियान

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के उदयपुर वन परिक्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में हाथियों से बचाव के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार से शुरू हुए इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को हाथियों के आसपास सावधानी बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ग्राम सितकालो, सायर बाजार और दो अन्य स्थानों पर नुक्कड़ नाटक किया गया।

वार्ता के बाद अमेरिका व चीन के बीच व्यापार तनाव में कमी आने के संकेत

चीन ने कहा-दोनों पक्षों में बनी प्रारंभिक सहमति, जल्द ट्रंप-शी बैठक की संभावना

कुआलालंपुर, एजेंसी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच बैठक से पहले रविवार को अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव कम होता दिखाई दिया। चीनी सरकार ने संकेत दिया कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी समझ बन गई है। दोनों देशों में यह वार्ता चीन द्वारा उन्नत तकनीकों के लिए आवश्यक दुर्लभ मृदा तत्वों के निर्यात को सीमित करने और ट्रंप द्वारा चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी के बाद हुई है। इस संघर्ष से दुनिया भर में आर्थिक विकास कमज़ोर होने की आशंका है।

चीन के शीर्ष व्यापार वार्ताकार ली चेंगगांग ने बताया कि दोनों पक्ष विवाद के क्षेत्रों पर 'प्रारंभिक सहमति' पर पहुंच गए हैं और संबंधों को और स्थिर करने का प्रयास करेंगे। ट्रंप ने भी विश्वास व्यक्त किया कि समझौता जल्द ही होने वाला है। उन्होंने कहा कि वे एक समझौता करना चाहते हैं और हम भी एक समझौता करना चाहते हैं। ट्रंप ने भविष्य में चीन की यात्रा करने की अपनी योजना दोहराई और सुझाव दिया कि शी वाशिंगटन या फ्लोरिडा स्थित अपने निजी क्लब 'मार-ए-लागो' आ सकते हैं। यह घोषणा कुआलालंपुर में आयोजित दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के वार्षिक शिखर सम्मेलन में की गई, जहां ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय सौदागर के रूप में अपनी प्रतिष्ठा चमकाने की कोशिश कर रहे हैं।

फिर भी, इन समझौतों तक पहुंचने में देश और विदेश में गंभीर व्यवधान आए हैं, उनकी शुल्क वृद्धि ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है और अमेरिकी सरकार में बंदी (शटडाउन) से उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है।

ट्रंप अंतर्राष्ट्रीय समय के मुताबिक तड़के दो बजे से कुछ समय पहले मलेशियाई राजधानी पहुंचे जहां उन्होंने स्थानीय कलाकारों के साथ उसी अंदाज में नृत्य किया, जैसा वह राष्ट्रपति चुनाव के समय किया करते थे। उनके एक हाथ में अमेरिकी जबकि दूसरे हाथ में मलेशियाई झंडा था। उनकी यात्रा में जापान और दक्षिण कोरिया पहुंचना भी शामिल है, इसके अलावा उनकी शी चिनफिंग के साथ एक पूर्वनियोजित बैठक भी होनी है।

आसियान शिखर सम्मेलन में ग्रुप फोटो खिंचाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (बाई ओर से), सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, पूर्वी तिमोर के प्रधानमंत्री के राला ज़नाना गुस्माओ, वियतनाम के पीएम फाम मिन्ह चिन्ह, कंबोडिया के पीएम हुन मानेट, मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस, ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्किया, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबिआंतो और लाओस के प्रधानमंत्री सोनेक्सय सिपांडोन। ● एजेंसी

आसियान का विस्तार, पूर्वी तिमोर बना नया सदस्य

कुआलालंपुर। दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) का 1990 के दशक के बाद से पहली बार विस्तार करते हुए रविवार को पूर्वी तिमोर को इसमें औपचारिक रूप से शामिल किया गया। पूर्वी तिमोर के प्रधानमंत्री इसे उनके छोटे से देश के लिए 'सपना साकार' होने जैसा बताया। इस बीच, कंबोडिया और थाईलैंड ने अपनी सीमा पर संघर्षविराम की अवधि बढ़ाने से संबंधित एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। आशा है कि इससे सीमा पर स्थायी शांति आएगी। यहां एक औपचारिक समारोह में मंच पर अन्य 10 झंडों के साथ पूर्वी तिमोर का झंडा भी शामिल किया गया जिसके बाद प्रधानमंत्री सनाना गुस्माओ ने अन्य नेताओं से कहा कि आज इतिहास रचा गया है। पूर्वी तिमोर को तिमोर लेस्ते के नाम से भी जाना जाता है। यह 1990 के दशक के बाद से आसियान का पहला विस्तार था। गुस्माओ ने कहा कि तिमोर-लेस्ते के लोगों के लिए यह न केवल सपना साकार होने जैसा है बल्कि हमारी यात्रा की एक सशक्त अभिपुष्टि भी है।

लुव्र संग्रहालय से आभूषणों की चोरी में कई गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। पेरिस के प्रसिद्ध लुव्र संग्रहालय से शाही आभूषणों की चोरी के मामले में कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पेरिस की अभियोजक ने रविवार को कहा कि जांचकर्ताओं ने शनिवार शाम ये गिरफ्तारियां कीं।

उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में से एक हवाई अड्डे से देश छोड़ने की तैयारी कर रहा था। फ्रांसीसी मीडिया ने पहले खबर दी थी कि दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पेरिस की अभियोजक लॉरे बेकुआ ने गिरफ्तारियों की संख्या की पुष्टि नहीं की और यह भी नहीं बताया कि आभूषण बरामद हुए हैं या नहीं। पिछले रविवार की सुबह चोरों ने आठ मिनट से भी कम समय में 10.2 करोड़ डॉलर मूल्य के गहने चुरा लिए थे। फ्रांस के अधिकारियों ने बताया कि चोरों ने संग्रहालय की एक खिड़की तोड़कर फ्रांसीसी शाही आभूषण चुरा लिए थे। संग्रहालय की निदेशक ने सप्ताहांत में हुई इस घटना को बड़ी विफलता बताया था। बेकुआ ने कहा कि एक विशेष पुलिस इकाई के जांचकर्ताओं ने ये गिरफ्तारियां कीं।

उन्होंने अपने बयान में इस सूचना के समय से पहले लीक होने पर खेद व्यक्त किया।

भगवद्गीता विश्व के लिए ज्ञान का अमृत

बीजिंग, एजेंसी

- **बीजिंग में आयोजित संगोष्ठी संगमम में बोले चीनी विद्वान**
- **चीनी विद्वानों द्वारा भारतीय ग्रंथ की प्रशंसा दुर्लभ मामला**

भगवद्गीता 'ज्ञान का अमृत' और 'भारतीय सभ्यता का लघु इतिहास' है जो आधुनिक समय में लोगों के सामने आने वाली आध्यात्मिक और भौतिक दुविधाओं का समाधान करती है। यह बात प्रसिद्ध चीनी विद्वानों ने प्राचीन भारतीय ग्रंथ की सार्वजनिक तौर पर प्रशंसा में कही जो अपने आप में एक दुर्लभ मामला है। यहां शनिवार को भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 'संगमम - भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम' विषय पर एक संगोष्ठी में भगवद्गीता पर बोलते हुए चीनी विद्वानों ने गीता को भारत का दार्शनिक विश्वकोश बताया और भौतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने की इसकी कालातीत अंतर्दृष्टि पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता 88 वर्षीय प्रोफेसर झांग बाओशेंग थे, जिन्होंने भगवद्गीता का चीनी भाषा में अनुवाद किया है। गीता को एक आध्यात्मिक महाकाव्य और भारत का दार्शनिक विश्वकोश बताते हुए, उन्होंने कहा कि इसका अनुवाद आवश्यक था क्योंकि यह भारत के आध्यात्मिक दृष्टिकोण - कर्तव्य, कर्म और वैराग्य के प्रति उसके विचारों - को प्रकट करता है, जो आज भी भारतीय जीवन को आकार देते हैं। दक्षिण में केप कोमोरिन (जिसे अब कन्याकुमारी के नाम से जाना जाता है) से लेकर उत्तर में गोरखपुर तक भारत में अपने अनुभवों (1984-86) का वर्णन करते हुए प्रोफेसर झांग ने कहा कि हर जगह, उन्होंने भगवान कृष्ण की उपस्थिति महसूस की – एक जीवित नैतिक और आध्यात्मिक प्रतिमा। प्रोफेसर झांग ने कहा कि ऐसे अनुभवों के माध्यम से उन्होंने देखा कि गीता कोई दूर का धर्मग्रंथ नहीं है, बल्कि इसका भारतीय मनोविज्ञान, नैतिकता और सामाजिक जीवन पर एक जीवंत प्रभाव है, यह भारतीय आत्मा का एक 'सांस्कृतिक नृविज्ञान' है। उन्होंने भगवद्गीता को 'भारतीय सभ्यता का एक लघु इतिहास' बताया जिसके संवाद नैतिक संकट, दार्शनिक संश्लेषण और धार्मिक पुनर्जन्म को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवद्गीता ने चीन सहित दुनिया के बाकी हिस्सों के साथ एक गहरा संबंध स्थापित किया।

भारतीय दूतावास में टैगोर की प्रतिमा का अनावरण

बीजिंग, एजेंसी। चीन की राजधानी बीजिंग में स्थित भारतीय दूतावास में प्रसिद्ध चीनी मूर्तिकार युआन शिकुन की बनाई नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की एक प्रतिमा का अनावरण किया गया। चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप रावत ने प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि एक सदी पहले टैगोर की चीन यात्रा हमारे सभ्यतागत संवाद में एक उपलब्धि थी। रावत ने कहा कि सार्वभौमिक मानवतावाद का टैगोर का संदेश और शू झिमो तथा लियांग किचाओ जैसे चीनी विद्वानों के साथ उनकी मित्रता दोनों देशों को प्रेरित करती रही है। प्रख्यात मूर्तिकार युआन ने महात्मा गांधी की एक प्रतिमा भी बनाई थी जिसमें वह एक हाथ में किताब लिए बैठे हैं।

कनाडा पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी

- **शुल्क विरोधी विज्ञापन नहीं हटाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सख्त**

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कनाडा को धमकी दी कि यदि ओंटारियो प्रांत द्वारा प्रसारित शुल्क विरोधी टेलीविजन विज्ञापन हटाया नहीं गया तो कनाडाई सामान के आयात पर शुल्क में 10 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि की जाएगी।

विज्ञापन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल अमेरिकी शुल्क की आलोचना करने के लिए किया गया है जिससे ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने कहा कि वह कनाडा के साथ व्यापार वार्ता समाप्त कर देंगे।

ओंटारियो के 'प्रीमियर' डग फोर्ड ने कहा था कि वह सप्ताहांत के बाद इस विज्ञापन को हटा देंगे और यह विज्ञापन शुक्रवार रात को वर्ल्ड सीरीज के पहले मैच के दौरान प्रसारित किया गया था।

पाकिस्तान में तीन आतंकवादी ढेर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में आत्मघाती हमले की साजिश को नाकाम करते हुए तीन आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने यह जानकारी दी। 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) द्वारा शनिवार को कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने जिले के झल्लार क्षेत्र में खुफिया सूचना पर आधारित ऑपरेशन (आईबीओ) के तहत एक बड़ी आतंकवादी घटना को नाकाम कर दिया।

आतंकवाद की समस्या हल न हुई तो युद्ध का विकल्प

इस्लामाबाद, एजेंसी

- **तुर्किये वार्ता : पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को दी चेतावनी**

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एक संयुक्त निगरानी और निरीक्षण तंत्र स्थापित करने के लिए इस्तांबुल में दूसरे दौर की वार्ता की। इस बीच पाकिस्तान ने चेतावनी दी कि यदि वार्ता आतंकवाद के बारे में उसकी मुख्य चिंता का समाधान करने में विफल रही तो युद्ध अब भी एक विकल्प है।

इस महीने के शुरू में झड़पों में दर्जनों सैनिक, नागरिक और आतंकवादी मारे गए थे, जिससे युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। लेकिन 19 अक्टूबर को दोहा में कतर और तुर्किये की मदद से दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत के बाद अस्थायी रूप से शांति बहाल हो गई। दोहा में बनी सहमति के अनुसार, पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच दूसरे दौर की वार्ता शनिवार को तुर्किये के इस्तांबुल में हुई। रेडियो पाकिस्तान ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि चर्चा सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए एक संयुक्त निगरानी और निरीक्षण तंत्र स्थापित करने पर केंद्रित रही। दोनों पक्षों ने दीर्घकालिक राजनीतिक समझ तक पहुंचने की संभावना पर भी विचार-विमर्श किया। खबरों के मुताबिक पाकिस्तान ने दोनों पक्षों के बीच दूसरे दौर की वार्ता के दौरान अफगान तालिबान को एक व्यापक आतंकवाद-रोधी योजना सौंपी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अपने गृह नगर सियालकोट में पत्रकारों के साथ बातचीत में चेतावनी दी कि अगर वार्ता विफल रही तो अफगान तालिबान शासन के साथ 'पूरी तरह से युद्ध' छिड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि वार्ता का नतीजा आज नहीं, तो कल तक पता चल ही जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले चार-पांच दिनों में सीमा पर कोई झड़प नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि दोहा में पहले दौर की वार्ता के दौरान दोनों देशों के बीच जिन 80 प्रतिशत बिंदुओं पर सहमति बनी थी, उन्हें लागू किया जा रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान एक ऐसे समझौते पर सहमत होंगे जो क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 27 अक्टूबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी पूर्ण रात्रि।

आज का पंचांग

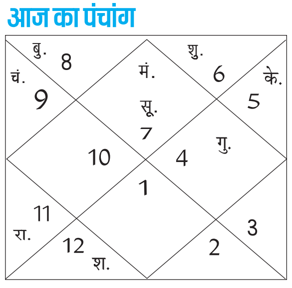

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 13.27 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष – आज अधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। अपने काम के प्रति उदासीन न रहें। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से कुछ ऊब सकता है। एसिडिटी और गैस के कारण समस्या होगी। दूर के कई रिश्तेदारों के साथ बात हो सकती है।

वृष – आज नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें। अपने काम को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। व्यापार में आपको नुकसान हो सकता है। परिवार के लोग आपसे अपेक्षा करेंगे। इस कारण आपके ऊपर दबाव रहेगा। यात्रा के दौरान थकान महसूस होगी।

मिथुन – आज व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। प्रेम संबंध का आनंद उठाएंगे। शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगे। दांपत्य जीवन में सामंजस्य बेहतरीन रहेगा। आपकी योग्यता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क – आज आप दूसरों की समस्याओं को सुलझाने में अत्यंत प्रभावी हो सकते हैं। कठिन कार्य के पूरा होने से आप उत्साहित रहेंगे। मन में कुछ नया करने का विचार बनेगा। आपके बातचीत करने के तरीके से लोग प्रभावित रहेंगे।

सिंह – आज बच्चों की जरूरतों का सामान खरीदने के लिए बाजार जा सकते हैं। आमतौर पर सेहत अच्छी रहेगी। धार्मिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। पढ़ाई में आ रहे अवरोध दूर होंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कन्या – आज पुरानी समस्या आपको सुलझती हुई नजर आएंगी। कानूनी मामलों को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। आप वायरल और जुकाम का शिकार हो सकते हैं। व्यवसाय में आय में वृद्धि होगी।

तुला – आज का दिन आपके लिए नई संभावनाओं को जन्म देगा। व्यापार में साझेदारी करने के लिए दिन शुभ है। व्यापार में लाभ होने से मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। सामाजिक कार्यों में आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें।

वृश्चिक – आज आपको कुछ कड़वे अनुभवों का सामना करना पड़ेगा। धन का अधिक लालच न करें। बैंकिंग से जुड़े कार्यों में व्यवधान आ सकता है। आय से अधिक खर्च होने से आपको नुकसान होगा। दुष्टजन आपको हानि पहुंचा सकते हैं।

धनु – आज आपकी दिनचर्या अत्यंत संतुलित रहेगी। आप भौतिक सुख-सुविधाओं का भरपूर आनंद लेंगे। नई परियोजना में आप धन निवेश कर सकते हैं। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी।

मकर – आज आपकी बातें लोगों को बुरी लग सकती है। प्रेमी जन के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। अपनी भावनाओं को संयमित रखें। परिवार के किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। दूसरों पर अधिक विश्वास न करें।

कुंभ – आज बॉस आपसे अत्यंत प्रसन्न रहने वाले हैं। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण अवसर मिलेंगे। आपकी जीवनशैली में सुधार आएगा। पुराने स्वास्थ्य विकार दूर होंगे। उच्च अध्ययन में रुचि ले सकते हैं। यात्रा से बड़ा धन लाभ हो सकता है।

मीन – आज व्यापार को लेकर नए विचार मस्तिष्क में आएंगे। प्रेम संबंधों को आप अत्यधिक महत्व देंगे। बच्चे अपनी पढ़ाई को लेकर थोड़े चिंतित हो सकते हैं। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। सहकर्मियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

सुडोकू-142

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2		7			1		
4		8					5	
		3		6				4
7			3				6	
8	6						3	
	3				4	9		
5				3		8		
	1				2	3		
		7					4	

सुडोकू - 141 का हल

5	1	4	2	7	3	6	9	8
9	8	2	1	5	6	3	4	7
6	3	7	8	9	4	2	5	1
1	9	8	7	4	2	5	6	3
3	4	5	6	1	9	8	7	2
2	7	6	5	3	8	4	1	9
4	5	3	9	8	1	7	2	6
8	6	1	4	2	7	9	3	5
7	2	9	3	6	5	1	8	4

> रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दिखा दिया कि पिक्चर अभी बाकी है। रोहित ने बहुत मेहनत की, उन्होंने अपना वजन कम किया, पूरी मेहनत की, और उनकी बेहतर फिटनेस तब दिखी जब वे दूसरे मैच में रन-आउट से जल्दी उबर गए। दोनों में अभी बहुत खेल बाकी है।
>
> -इरफान पठान

स्टेडियम

कानपुर, सोमवार 27 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

लिवरपूल की लगातार चौथी हार

मैनचेस्टर : मौजूदा चैंपियन लिवरपूल का इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी है और लगातार चौथी हार से खिताब बचाने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा है। लिवरपूल के लिए कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है और ब्रेंटफोर्ड से 3-2 की हार से वह अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया है। गत चैंपियन को अगर खिताब की रक्षा की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा। इस बीच पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले मैनचेस्टर युनाइटेड ने इस सत्र में अभी तक बेहतर प्रदर्शन किया है। उसने ब्राइटन के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गया है। वर्तमान सत्र में हालांकि सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन सुंदरलैंड ने किया है।

विश्व विजेता गुकेश के सामने कड़ी चुनौती

सेंट लुई : विश्व चैंपियन डी गुकेश को यहां शुरू हो रहे 4,12,000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियन मुकाबले में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को यदि जीत हासिल करनी है तो सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी प्रतियोगिता में चुनौती पेश करेंगे। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का ब्रेक हाल ही में पिता बनने के बाद समाप्त हो गया है। वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे।

भारत ने बांग्लादेश को 119 रनों पर रोका

वर्षा से बाधित अंतिम लीग मुकाबले को 27-27 ओवरों का किया गया, राधा यादव ने चटकाए तीन विकेट

नवी मुंबई, एजेंसी

बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुआई में गेंदबाजों के प्रभावी प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप के वर्षा से प्रभावित 27 ओवर के मैच में रविवार को यहां बांग्लादेश को नौ विकेट पर 119 रन पर रोक दिया। बारिश के कारण दो बार मिलाकर चार घंटे से अधिक समय तक खेल रुका रहा जिसके कारण पहले इसे 43 और फिर 27 ओवर का कर दिया गया।

बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 30 रन देकर तीन विकेट चटकाए। श्री चरणी ने भी 23 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि अमनजोत कौर (18 रन पर एक विकेट), रेणुका सिंह (23 रन पर एक विकेट) और दीप्ति शर्मा (24 रन पर एक विकेट) को भी एक-एक विकेट मिला। बांग्लादेश की ओर से शर्मिन अख्तर सबसे सफल बल्लेबाजी रहीं जिन्होंने 53 गेंद में चार चौकों से 36 रन बनाए। उनके अलावा शोभना मोस्तरी (26) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाईं।

भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद बारिश आ गई और निर्धारित समय से दो घंटे बाद जब मैच शुरू हुआ तो इसे 43 ओवर का कर दिया गया। रेणुका सिंह ने पहले ओवर की अंतिम गेंद पर सुमैया अख्तर (02) को श्री चरणी के हाथों कैच करा दिया। सलामी बल्लेबाज रूबिया हैदर (13) और शर्मिन ने इसके बाद पारी को संभाला। शर्मिन ने चौथे ओवर में रेणुका पर पारी का पहला चौका जड़ा और फिर अमनजोत की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। रूबिया ने नौवें ओवर में रेणुका पर चौका मारा लेकिन इसी ओवर में श्री चरणी ने शॉर्ट थर्ड पर शर्मिन का कैच टपका दिया। दीप्ति शर्मा ने अगले ओवर में रूबिया को हरलीन देओल के हाथों कैच कराके बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा जो दो घंटे से अधिक समय बाद दोबारा शुरू हुआ और इस बार मैच को 27 ओवर का कर दिया गया।

बांग्लादेश की बल्लेबाज खेल दोबारा शुरू होने पर रन बनाने के लिए जूझती दिखीं। श्री चरणी ने निगार सुल्ताना को रन आउट करने का मौका गंवाया लेकिन बांग्लादेश की कप्तान इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाईं और 24 गेंद में नौ रन बनाने के बाद अंततः रन आउट हो गईं। मोस्तरी ने 19वें ओवर में दीप्ति पर चौके के साथ बाउंड्री के सूखे को खत्म किया और फिर इस ऑफ स्पिनर के अगले ओवर में लगातार दो चौके मारे। इस बीच 21वें ओवर में क्षेत्ररक्षण करते हुए प्रतिका रावल का दायां टखना मुड़ गया और उन्हें लड़खड़ाते हुए बाहर जाना पड़ा। राधा ने मोस्तरी को हरलीन के हाथों कैच कराके बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया जबकि अमनजोत कौर ने शोर्ना अख्तर (02) को बोल्ड किया। राधा ने नाहिदा अख्तर (03) को भी बोल्ड किया। राबिया खान (03) ने राधा की गेंद पर दो रन के साथ 24वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। श्री चरणी ने शर्मिन को स्थानापन्न खिलाड़ी अरुंधति रेड्डी के हाथों कैच कराया जबकि राधा ने राबिया को बोल्ड करके तीसरा विकेट हासिल किया।

साथी खिलाड़ियों के साथ जश्न मनातीं बांग्लादेश की पारी को सस्ते में समेटने वाली राधा यादव। एजेंसी

- **बारिश के कारण दो बार मिलाकर चार घंटे से अधिक समय तक खेल रुका रहा मैच**

बांग्लादेश

119/9 (27 ओवर)

सुमैया का श्री चरणी बो रेणुका	02
रूबिया हैदर का हरलीन दो दीप्ति	13
शर्मिन का स्थानापन्न बो श्री चरणी	36
निगार सुल्ताना रन आउट	09
शोभना का हरलीन बो राधा	26
शोर्ना अख्तर बो अमनजोत	02
नाहिदा अख्तर बो राधा	03
राबिया खान बो राधा	03
रितु मोनी का जेमिमा बो श्री चरणी	11
निशिता अख्तर निशि नाबाद	04
मारूफा अख्तर नाबाद	02

गेंदबाजी : रेणुका 5-0-23-1, दीप्ति 5-2-24-1, अमनजोत 5-0-18-1, श्री चरणी 6-0-23-2, राधा 6-0-30-3

बारिश के कारण खेल रुक जाने पर ग्राउंड स्टाफ ने पिच को ढक दिया। एजेंसी

पीसीबी महिला टीम के मुख्य कोच को बर्खास्त करने की तैयारी में

कराची : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत में चल रहे महिला एकदिवसीय विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच मुहम्मद वसीम का अनुबंध नहीं बढ़ाने का फैसला किया है।

पाकिस्तान आठ टीमों की प्रतियोगिता तालिका में सातवें स्थान पर रहा, लेकिन अगर बांग्लादेश अपने आखिरी मैच में अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह आखिरी स्थान पर खिसक सकता है। पाकिस्तान ने अपने सात मैचों में से चार मैच गंवाए जबकि उसके बाकी तीन मैच बारिश की भेंट चढ़ गए थे। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस बात से निराश हैं कि वसीम ने वादे के अनुसार काम नहीं किया।

पीसीबी ने पिछले साल वसीम को महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था। उनके कार्यकाल में पाकिस्तान एशिया कप सेमीफाइनल में श्रीलंका से हार गया था और फिर दक्षिण अफ्रीका में महिला टी-20 विश्व कप के चार मैचों में से सिर्फ एक मैच में जीत हासिल कर सका था। सूत्र ने बताया कि पीसीबी अध्यक्ष को यह भी शिकायत थी कि मुख्य कोच अपने रवैये के कारण टीम के अन्य अधिकारियों के साथ सहज नहीं रह पाते हैं। पीसीबी अगले कुछ दिनों में नए मुख्य कोच की घोषणा कर सकता है और वह एक विदेशी कोच के साथ बातचीत कर रहा है।

शानदार पारी के दौरान शॉट लगातीं इंग्लैंड की बल्लेबाज एमी जोन्स। एजेंसी

इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर आसान जीत

विशाखापत्तनम, एजेंसी

इंग्लैंड ने स्पिनरों के कमाल और एमी जोन्स की शानदार पारी की मदद से रविवार को यहां महिला विश्व कप के मुकाबले में न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हराकर स्टार ऑलराउंडर सोफी डिवाइन की विदाई को यादगार नहीं बनने दिया। न्यूजीलैंड की कप्तान डिवाइन ने अपने अंतिम वनडे मैच में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन उनके बल्लेबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे और उसकी पूरी टीम 38.2 ओवर में 168 रन पर आउट हो गई।

इंग्लैंड ने दो विकेट पर 172 रन बनाकर 124 गेंद शेष रहते हुए आसानी से जीत हासिल की। जोन्स ने 92 गेंद पर नाबाद 86 रन बनाए जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टैमी ब्यूमोंट (40) के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन और हीथर नाइट (33) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की। डिवाइन ने नाइट के रूप में अपने करियर का अंतिम विकेट लिया। इस जीत से इंग्लैंड 11 अंक लेकर अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका था जहां उसका सामना 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में तीसरे नंबर की टीम दक्षिण अफ्रीका से होगा। दूसरा सेमीफाइनल इसके एक दिन बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवी मुंबई में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टीम पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी थी लेकिन उम्मीद की जा रही थी कि वह इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी कप्तान डिवाइन को जीत के साथ विदाई देगी जिन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह वनडे क्रिकेट में उनका आखिरी मैच होगा। न्यूजीलैंड ने चार अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए अपने अभियान का समापन किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और अनुभवी सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स ने अपना खराब प्रदर्शन जारी रखा तथा फुलटॉस गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठीं। इसके बाद 20 वर्षीय जॉर्जिया प्लिमर ने 57 गेंदों पर 43 रन की रोमांचक पारी में सात चौके लगाए और दूसरे विकेट के लिए अमेलिया केर के साथ 82 गेंदों पर 68 रन जोड़े। लेकिन इंग्लैंड ने जोरदार वापसी की और एलिस कैप्सी ने अमेलिया केर को पवेलियन की राह दिखा दी जिन्होंने 43 गेंद पर 35 रन बनाए जिसमें पांच चौके शामिल हैं। इसके बाद चार्ली डीन ने अगले ओवर में प्लिमर को पगबाधा आउट कर दिया और इसके बाद न्यूजीलैंड की पारी लड़खड़ा गई।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	7	6	0	1	13	2.102
इंग्लैंड	7	5	1	1	11	1.233
द.अफ्रीका	7	5	2	0	10	-0.379
भारत	6	3	3	0	6	0.628
श्रीलंका	7	1	3	3	5	-1.035
न्यूजीलैंड	7	1	4	2	4	-0.876
पाकिस्तान	7	0	4	3	3	-2.651
बांग्लादेश	6	1	5	0	2	-0.578

- **यादगार नहीं बन पाई न्यूजीलैंड की कप्तान व स्टार ऑलराउंडर सोफी डिवाइन की विदाई**

लंबी पारी नहीं खेल पाईं डिवाइन

विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक और दक्षिण अफ्रीका तथा बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाली सोफी डिवाइन ने अपने अंतिम एकदिवसीय मैच की शुरुआत धैर्य और उद्देश्य के साथ की थी, लेकिन वह अपनी पारी लंबी नहीं खींच पाई और 35 गेंद पर 23 रन बनाकर स्टंप आउट हो गई। इस तरह से डिवाइन के 15 वर्ष तक चल वनडे करियर का अंत हो गया। जब वह पवेलियन लौट रही थी तो दोनों टीमों की खिलाड़ियों ने उनका अभिवादन किया। इंग्लैंड के स्पिनरों ने बीच के ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की जबकि उसकी स्टार स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन मैदान पर नहीं थीं जिन्हें क्षेत्ररक्षण करते समय कंधे में चोट लग गई थी। एक्लेस्टोन कुछ देर के लिए गेंदबाजी करने के लिए लौटीं और उन्होंने अपनी चौथी गेंद पर ब्रुक हैलीडे को आउट कर दिया। इसके बाद वह फिर से मैदान से बाहर चली गईं और पारी में आगे कोई हिस्सा नहीं लिया।

जीत के साथ खेल से संन्यास लेना चाहती थी : डिवाइन

दोनों टीमों के खिलाड़ियों का अभिवादन स्वीकार करतीं सोफी डिवाइन। एजेंसी

विशाखापत्तनम, एजेंसी

न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन अपने शानदार करियर का अंत जीत के साथ नहीं कर पाने से निराश हैं लेकिन उन्होंने कहा कि वह अपनी क्रिकेट यात्रा के दौरान हुए महिला क्रिकेट के विकास को देखने पर गर्व महसूस करती हैं। वह इस दौरान बनाई गई अपनी मित्रता और खेल में लगभग दो दशकों तक संजोई गई यादों के लिए भी आभारी हैं।

न्यूजीलैंड को टूर्नामेंट के अपने अंतिम ग्रुप चरण मैच में इंग्लैंड के हाथों आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा जिसके बाद डिवाइन ने अपने करियर को अलविदा कहा। डिवाइन ने कहा कि उन्हें जीत के साथ अलविदा कहने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका और उन्होंने इंग्लैंड की टीम को अपनी योजनाओं को अच्छी तरह से लागू करने का श्रेय दिया। उन्होंने मैच के बाद कहा निराशाजनक। मैं जीत के साथ जाना चाहती थी और आज का प्रदर्शन वैसा नहीं था। इंग्लैंड को श्रेय जाता है, उन्होंने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया। छत्तीस वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि संन्यास लेने के फैसले की घोषणा पहले करने से उन्हें अपने विदाई मैच में भावनाओं पर काबू करने में मदद मिली। उन्होंने कहा दरअसल मैं उतना नहीं रोई जितना मैंने सोचा था।

रणजी ट्रॉफी : यूपी ने ओडिशा पर 19 रनों की बढ़त बनाई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में रणजी ट्राफी में पहले दिन ओडिशा को 243 रनों पर समेटने के बाद दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के सलामी बल्लेबाज माधव कौशिक 67, कप्तान करन शर्मा 83 और विकेटकीपर बल्लेबाज आराध्य यादव ने 80 रन बनाकर टीम को 19 रनों की बढ़त दिला दी।

कप्तान करन और आराध्य ने 146 रनों की अहम साझेदारी से टीम को मजबूत किया और शतक की ओर हैं। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यूपी तीन विकेट के नुकसान पर 262 रन बना चुकी है। यूपी टीम रविवार को बिना किसी नुकसान 17 रन से आगे खेलने उतरी तो ओडिशा के तेज गेंदबाज संबित ने दो झटके दिए। यूपी का पहला विकेट 45 रन के योग पर सलामी बल्लेबाज अभिषेक गोस्वामी का 24 के रूप में गिरा। संबित की अंदर आती गेंद को खेलने में चूके अभिषेक क्लीन बोल्ड हुए। इसके बाद ही संबित ने उप कप्तान और विकेटकीपर आर्यन जुयाल को बिना खाता खोले ही लौटाया। यूपी का तीसरा विकेट भी संबित की झोली में गया। अर्धशतक पूरा कर चुके माधव कौशिक 67 रन पर संबित से रनआउट हुए। इसके बाद पिच पर आए कप्तान करन शर्मा ने विकेट कीपर बल्लेबाज आराध्य यादव के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया।

उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी करण शर्मा व आराध्य यादव। अमृत विचार

उत्साह | तीसरे वनडे में चार विकेट लेकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज राणा ने साझा किए अनुभव

ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया : हर्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में चार विकेट लेकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने कहा कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया।

जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' पर एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए, हर्षित राणा ने इस सीरीज में गेंदबाजी के अपने अनुभव पर कहा मुझे ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया क्योंकि मैं एक साल पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान यहां था, इसलिए मैं पहले से ही परिस्थितियों से वाकिफ था। मुझे पता था कि कहां गेंदबाजी करनी है और कौन सी लेंथ मेरे लिए सही रहेगी। गौती भाई (मुख्य कोच गौतम गंभीर) और मोर्न मोर्कल (गेंदबाजी कोच) का शुक्रिया, जिन्होंने मुझे लगातार सही दिशा में गेंदबाजी करने के लिए प्रेरित किया।

सपोर्ट स्टाफ भी बेहतरीन था, वे मुझे अपनी भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी ताकत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहते रहे। यह एक सपने जैसा है क्योंकि पिछले एक साल में बहुत कुछ हुआ है। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में डेब्यू करना और अब आज यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना, यह मेरे लिए बहुत ही भावुक और खास सफर रहा है। दिन के अपने पसंदीदा पल और उसमें रोहित शर्मा की भूमिका के बारे में राणा ने कहा मिच ओवेन का विकेट मेरा सबसे पसंदीदा था। इसके पीछे एक कहानी है। शुभमन गिल ने मुझसे पूछा कि क्या मैं स्लिप लेना चाहता हूँ, और मैंने मना कर दिया। फिर रोहित भाई, जो कवर पर खड़े थे, ने मुझसे कहा स्लिप ले ना, जाने दे मेरेको (बस स्लिप ले लो, मैं वहाँ जाकर खड़ा हो जाता हूँ)। मैं मान गया, और फिर कुछ ही देर में, किनारा सीधा स्लिप में रोहित भैया के पास चला गया! मैं उनका बहुत आभारी था।

उन्होंने हंसते हुए कहा मैंने तुमसे कहा था कि स्लिप ले लो! यह एक यादगार पल था। राणा ने अपनी गेंदबाजी लय और प्रदर्शन के बारे में कहा मुझे लगा कि आज मेरी गेंदबाजी लय काफी बेहतर थी। शुरुआत में, मैं आक्रमण करने की कोशिश नहीं कर रहा था; मैं बस सही क्षेत्रों में गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा था। मुझे शुरुआत में विकेट नहीं मिले, लेकिन नई गेंद होने के कारण यह मेरी योजना का हिस्सा था। मैं लाइन और लेंथ पर ध्यान केंद्रित कर रहा था, और यह कारगर रहा। आउटस्विंगर की बात करें तो, यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं विकसित कर रहा हूँ, और इसे अंजाम देकर बहुत खुशी हुई।

पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त : इरफान पठान

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे में भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शतकधारी रोहित शर्मा और अर्धशतक बनाने वाले विराट कोहली की तारीफ करते हुए पूर्व भारतीय आलराउंडर इरफान पठान ने कहा कि अपनी पारी से दोनों बल्लेबाजों ने दिखा दिया कि पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त। उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रतिभा के बारे में बात की आज जिस तरह से चीजें सामने आईं, ऐसा लगा जैसे ये होना ही था। इन दोनों महान खिलाड़ियों (विराट और रोहित) को एक साथ मैच खत्म करते देखने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। विराट को ऑस्ट्रेलिया में 50 का औसत बनाए रखने के लिए इस मैच में लगभग 70-74 रनों की जरूरत थी, और उन्होंने ठीक वैसा ही किया।